७५३८

मधुमालतीनी

वारता

दोहोरा, चोपाई, सोरठा साथे.

प्रेमनजीलीला.

कायथ चतुर्भुजदास. कृत.

आमांतन लोकोने बुद्धि अने चतुराईने अरथे.

सद् ... ठक्करमयारे पोत ... छापखानामां

छापी प्रसिद्ध करी.

... अमदावादमां कालुपुर मध्ये

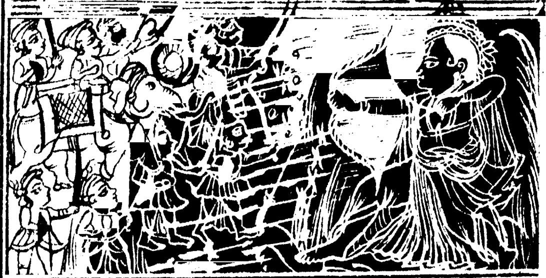
वाघमेतानी पोळमां तोडानीपोळमां

आवृत्ती पेहेली.

संवत् १९३०

किंमत १। रुपैयो.







मधु मालती
वार्ता

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगोपीजनवल्लभाय नमः ॥
॥ ॥ अथ मधुमालतीनी वारता लखीछे ॥ ॥
चोपाई ॥ ॥ अरज करुं श्री तनया जर पाणि ॥ शंक-
रसुत गनपती सीरनांउं ॥ आतुर हित चित्त सहीत री-
झाउं ॥ रसीक मालती मनोहर गाउं ॥ १ ॥ लीलावती-
ललीत अेक देसा ॥ चंद्रसेन त्यां सुघर नरेसा ॥ सुलग-
धांम धन गगन प्रवेसा ॥ मान कूं मंडप रच्यो महेसा ॥
२ ॥ असही नगर पुर जेजन चारा ॥ चघरारी चउरां
रच्यो जन्नरा ॥ अति जिम्मीत्र दीसे नरनारी ॥ मान कूं
तीन लोक लूपन मुकारी ॥ ३ ॥ करे सेव नृपकुली छत्री
सा ॥ चंदे सहस्र दस नामे सीसा ॥ डरे मै मंकुवर करच्ची
सा ॥ चंद्रसेन नृप छेसन छेसा ॥ ४ ॥ ॥ सोरठो ॥
॥ ॥ हयदल अनंत अपार ॥ कुंवर कोर मे घन्नूं ॥
कुलि छत्रीस हन्नर ॥ चंदे साथ नृप चंद्रके ॥ ५ ॥ ॥
चोपाई ॥ ॥ मंत्री अुध पराक्रम तामां ॥ तारन
सा हतासक नामा ॥ निसदीन स्यामी धरम सुकामां
॥ नृप तन तने घरी पल जामा ॥ ६ ॥ नृपके त्रीया अंते
उरच्यारा ॥ संतती अेक मालती कुमारा ॥ जन्नु कह
रूपकी अपारा ॥ मानुं ईरजंसीसी ॥ अजतारा ॥ ७ ॥

उपमा कौन पटंतर कहुं।।गुन अनेक छबि पार ॥ सके कहुं
।।[illegible] नरूप अनोपम ग्यौंदा।। ऐसी ओर न जि थंन।
पदै।।२।।गगनकुं पोत हरि जिन प्रवाला।। अंगुटी म
? कर मिन मराला।। कहलां कुनकु कीरपंजसो है।।जे स-
जी सोला अहकी होहै।।२।।जे जे थीन यते मुनीसा
पे ६जत धरनी डारे सीसा।।सुर लूरीज्य धरे ही अंहे
सा।।मानु ससी लुलीत मही रेसा।।१।।रा नलोक अर
नकील कहूं।।थोत्रीसी मंत्री ही लहूं।।थोरीमां कछु जो होत
सुख होहै।।अतिलाघंन मराघो रोहै।।१।।लायन सा-
ह स्कुधर गुन सारा।।त्रीया अेक तास अेक कुमारा।।ता
को नाम मनोहर धरयो।। लेगम जील अजलरयो।।
२।।मधु मधु कही जेसाघत ताला।।जधै मानु ससी क
ला ब्रिल लता।। ? री पांच स पेज मासनी जोरा।।अेज अंस
लहीस लयहल होरा ।।३।।लयो जनस इस ही के संधा।।
देखल त्रीया होत हरख अंधा।।तन मन धन सुध जिस-
री गेहा।।लूंगी लछे मानुं गत लेहा।।४।।लतर कुमर क
रैकु सेला।।घेरी र त्रीया तीहां गहेला।।कहीमान
सरोजर लीया।।मृगनी थिमानुं थोक लुलाये।।५।।
।। ।।दो.सो।। ।।राम सरोजर तो लकी।।
सोला जरनी न लया।।स्वेत अरुन पसन विहां।।सो मुनी
वर कहे लोला।।१।। ।।चोपाई।। ।।सो
ला .. न राम सर कहे।।अ त तहां विहंगम रहे।।अकुल
ल मिल जास म .महे।। उपमा राम सरोजर ले ।।१।।
लेअ ल सा नीअेक पानी लेराघी र थ ल सांसस देर
।।२।।केस कुल सहायल पेरा।।लुली मानुं नथा ना भृंतमरा।।

णी॥ अेह जाल मालती सून पायो॥ मधु देखन कूं मन ला
यो॥ मन की का कु कही कु नायो॥ तेसे पादु जा कुंया
वी पे मातालौ मधु अपने गह रहो॥ दीती येक नावीक
क्षानो ग्रह॥ ऊनके सजन अं कृष्ण केहा॥ दीती येक ल-
ली चोरीसी रहो॥ २॥ अैसे लये दीयस दस पीसा॥ सु
नी नाम तब कीनी रीसा॥ अेह जाल सुनी हे नृप ऐसा
॥ कहा कु वन सरवर केती सा॥ ३॥ ॥ दोहा ॥
॥ ॥ जैसे नगर लोक कुंज लहो॥ चलो राय
पें न्याय॥ कहो हगीगत आपनी॥ पीछे करो ऊपाय॥
४॥ अेक दीन साहा सब मिलें॥ करहे मतो समान॥
अैसें दीन सब ही सहा॥ छोडो नगर घरबार॥ ५॥ अे
क सेठ अैसे कहे॥ चलो मंत्रीपें न्याय॥ कहो हगीगत आ
पनी॥ पीछे करो ऊपाय॥ ६॥ तब मंत्रीपें सब चले
॥ कुचील घरबार॥ तब मंत्रीपें जवार करो॥ सब मि
ल कू पीडारा॥ ७॥ कुपीडार कीरीया दु करी॥ हमसो र-
हो न न्याय॥ मधु कु तुम अनरज हो॥ हम छोडें घरबार॥
८॥ मधु से हुलेनी कसें॥ पीछे कीरे सजनार॥ रूपवं ला
नी सब मिले॥ छांड चले घरबार॥ ९॥ हम तरूनीसें
सब केहा॥ कहो न माने गा॥ तांथें नगर हम छोडें॥ के
राजो समुझाया॥ १०॥ सेठ अेक तब बोलेहां॥ मंत्री सुणी
हम बाहा रा॥ मधु कुं दोस न कहीं॥ दोस न रूप मोनारा॥ ११॥
॥ ॥ सोरठा॥ ॥ कै नही करो मधु पर रोस
॥ हम रोस करत हे नानसूं॥ नरजी मली तन यह होयो॥ ना
री अपली तलनायो॥ १२॥ ॥ ॥ ॥

चौपाई

॥चोपाई॥ ॥ऐसो कुंन ने तुम कुं जे दीन्हा॥ तो कुं म मंत्री इन्ह मंत्रीन करहिं॥ नीको अपने घर करो जिस॥ सा॥ कुमजर नें मधु कुं त्रास ॥ ३३॥ बोले मधु कुं मंत्री सु न ज्ञानी॥ ना नसूनें तो कुं रे निसानी॥ तांथे मधु में ते कु सम्झाणी॥ सो कु बोले ते वयन सुनाणी॥ ३३॥ अज ले अनंत कहो कुंन लयो॥ मेंयाले सरकु संग आयो॥ पंडीत के ढीग जे ठे पढो॥ जल होय घोढन लय य ढो॥ ॥३३॥

॥श्लोक॥

॥किं कुलेन विशालेन॥ विद्याहिनेन देहीनां॥
अकुलिनो पिविद्वांसो॥ देवता सह पूज्यते॥ ३४
॥बुद्धिवंतो कोटीमीत्राश्च॥ गुणवंतो ः कोटीसेवकः॥
कर्महीनो यदा मुर्ख॥ कोटिसन्तुचतुमुर्खां॥ ३५

॥चोपाई॥ ॥विद्या बिना शोभा नहीं पावे॥ विद्या बिना धर्म न ॥ अवे॥ अदढ अक्षर थ जन्म गवे॥ विद्या बिना अति मूढ कहावे॥ ३६॥

॥श्लोक॥

॥ विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रछन्न गुप्तं धनं॥
विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या परं दैवतं॥
विद्या बंधुजनो वि [illegible] गमने विद्या [illegible] रुणां गुरु॥
विद्या राज [illegible] पूज्यते नहीधनं विद्या [illegible] हिनो पशु॥ ३७
दोदो लोचन स [illegible] षां॥ विद्याय [illegible] त्रीला [illegible] नं॥ सप्त-
लोचनधर्माणां॥ ज्ञानीश्चा नंत लोचनं॥ ३८॥

॥चोपाई॥ ॥दोदो लोचन परयु पंछी नरा॥ ति न लोचन विद्यार्ई जना॥ सस लोचन धर्म सतकारा॥ ज्ञानी के अनंत लोचन अपारा॥ ३९॥ नंदपुर [illegible] तेरम

जी बोलादूले मनरतल्यो तिसंभालांनेपंढहे अर
सभालांतो कुंवरजराजतोद संणातमनरत
लिना सोधामथुं बिद्यादेछे भजोधानेअपंडीतजछर
हेंग्रांतेतकुंवरहेदे ग्रहांणोअहेक ग्रंथदमंत्री
।। कृपा दृष्टी करी पुछे रांना कुवर पढावतसो कछु पढांगे
ते दीवस मो । दृष्टी नयदो।। ये।। मंत्री केहे राय अजेया-
रा।। अति बिच्चीत्र
के मध्यां।। पढी बिद्या जु ।। डाले मालती
पढवे की के ।। तो पंडील अेक हुवारे ।। अटक धरी ह न
दोअेकु सहुंला तो चोरी चोरी बिद्या लहुं ।। ५ ।। नृप सेन-
नृपयो ज्यिरो मालतीप वकी कयो लीतरजय हु
औ सुधसेण ।। तो मंत्री । म आदर सेहेणी ।। ६ ।। ।।
दोहा ।। ।। कारी जम कुपार कीयो आंवना लपं
बुलायो ।। मय मालती बीलास ।। होन लाग्यो जीप-
चा ।। ७ ।। ।। चोपाइ ।। ।। ।। र अंत
व ।। ८ ।। न मा रानी ।। ।। रानी सुं बुले नृप
लेवां।। पंडीत ।। रूं ।। तीप
ढवेकी के ।। तो पंडीत अेक द्वारे रहें ।। अर परी हीनरो
येक सहें ।। तो चोरी चोरी बिद्या ल ।। ९ ।। कुंवरी के सु
ना हो लाल ।। मेरे ।। तो ।। पंडीत बेग बुला
व ।। आत ।। अेठी पे । दीवस ।। र ता ।। १० ।। दीजे नृप मा-
लती बिसाल ।। मन मां सं ।। नृपाला ।। कुंन्या अर
प्रास कूं लग्यो ।। आव डाल ।। जीपके लहीये ।। ओजसी
मनम चिंता करही ।। जी बिच्यार मन ।। धरही ।।
पढवे कु बिलंब रहे ।। तोलुं अर हुं नृप केहुं ।। ११ ।।

[illegible] लागे [illegible] पलीलंद [illegible] मालती [illegible]
पंडीत के ढींग मित्र को बालाबिठा रहे पट बटरा
[illegible] मंत्री है जन नाम [illegible] मालती
ती ही रहे सुज लखयो न है मन मिल वेकी तासा म-
नसा को हासा है गहा सा पंगो ॥ ॥ ॥

॥ श्लोक ॥

॥ ॥गीरौकलापे गगनेचमेघा॥लक्षांते भानुजले
चपद्मं॥ द्विलक्षसोमकुमद [illegible] ताये॥यो [illegible] स्यचि
ते नही तस्य दुरः॥५४॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ दोहरा॥ [illegible] मो हनी रवि कुमल के जे
जा मा सो ने जे [illegible] रहे बस, सो ता ही के पास पप
[illegible] अधीरा ने जे के
रहे बस, ते ता [illegible] के पास पै हो को [illegible]
[illegible] नेह [illegible] पुरा ने मन औसी प्रीत
[illegible]
ल राया पंडीत हरीने हेज नलया [illegible] हाय के
[illegible] ताकी [illegible]
[illegible] पढावे ता को पं
डीत [illegible]
पणो ने मनसा पढवकी कहा तो पर पेरन्य थी ली-
तर रहे बाहा रथी गुरे अछर कहा असी सहु तो वि
द्या [illegible] मालती [illegible] र बिद्विन अंगा, सुने स
कल कला [illegible] रंगा, [illegible] उत्तर [illegible] पेतां मा मेरे जेकु वि
द्यार [illegible] पट पे [illegible] यो ग्रेहु न्यारा सुजो
जे [illegible] विद्यारा अछ [illegible] पोसारे के [illegible]

समलजाये तांइं देशो संगम सती मयन नृपत सं
म्य पायो ॥ २ जड़ी पंडीत जेग बुलायो ॥ पटपेरम्य तां
इं ठीनस देहौ ॥ पढये कुं पाटी लीख देहौ ॥ ३ आप्योती
स अछर सजडी थी नी ॥ आरजडी जोस सज दीनी
॥ ओं नमः सिद्ध प्रथम पढाई ॥ कुनीकुं दो अंकु जलाई
॥ ४ ॥ पंडीत जे जे अछर कहे ॥ ते ते कुंवरी कंठ दे ग्रेहे
॥ नामो जांये आगम पढी ॥ मांनु कु ठीदर मध्य ते प-
ढी ॥ ५ ॥ पायाणाय वीया करण समेत ॥ सरस्वती परो
धरो न्नुहेत ॥ अमर कोइ पींगल सज पढी ॥ सीखाये-
मांनु सौभर जब पढी ॥ ६ ॥ मंत्रीसुत इछु मद को प-
ढो ॥ कुनल मालती थोपनुय जढो ॥ निमंज अरु मेंदी
ये मिलाया ॥ दोनो सरलर जरनो नन्न ग ॥ ७ ॥ पटप
रेम्यके ठीड़लर ॥ जयन जेब पदुमेर कहे ॥ म ६ मा
लती दाणी प्रवीना ॥ कोउ अधिक नहीं कोउ हीना ॥
८ ॥ खेइ घंपस ग रे अरन हीं गयो ॥ मनम गुट माल
ती प्रेस ॥ एक ठीरतो गुरु दीती ... ॥ ... गुरु सुख
नमांना ॥ ९ ॥ ॥ सोरठो ॥ ॥ लखे जि
रहे जिहालो ॥ मधुकरे जनिरजे गमानं कमाल ठीकल
॥ ग्रहीमीनहु मालत ॥ १० ॥ ॥ थोप छ ॥
॥ पपटपेरम्य योरीस ही झानी ॥ कग्रही गेंद
दरां मारी ॥ मधुम्योकुं के थोडीस देखो ॥ मद्धंजा
न कला निधि पेखे ॥ ११ ॥ ॥ सोरठो ॥ ॥
थी लवत कुंप्रकु ननी ॥ मां जान ठी उद लगा ॥ ग
ठे मन मैंना प्रीत रीत म ३ माल ॥ १२ ॥ ॥
ने ॥ ॥ मय समज सकूय मन धरीत

नीय्ती दृष्ट लें धरनी इरीा मान ् कूल सांसपैं दस्योां
रहे [illegible] ब्रमान [illegible] धस्यो ।। ७३ ।। ।।

मालतीआ ८ कः

।।चोपाई।। ।।बोल बोल ् धीरन धारा।। ३
[illegible] गेह कुसी मारी।। बहुत सुराय रहे ् म कुसे।। निर
जो नही [illegible] जैसे।। ७४।। कूल अपुरव देख्यो इग। बै
सोातलन रहे बिन आयो कैसो।। कूनि मिठो कख्यो क
हीये कैसे।। [illegible] तपेकु थयै ना।। ७५।। ।

मधुआयक

।। धीद्रायन कूल सुंदर होठी।। आवे सोठे छेन [illegible] ठे।। वि
न पुत्र रोठे आवे नेठी।। ता हो सुचटा सीमलरी हो ७६
।। ।।सोरठो।। ।।सुवटा [illegible] ल देख्या।। म
न कु अंबते सुलत्र कूसा।। कूली पाके [illegible] पेजा।। देह पीलरा
लो लर्छा ७७।। सुवरा कहो संदेसा।। सीमलहु [illegible] ।।
यो।। पगना परतवा दिसा।। बज सुघ [illegible] कूलनही।।
७८।। ।।दोहो।। ।।र्यं ् मोर सांर धुनावे।।
नी इससे [illegible] या।। नेनैसी संगलहु।। सोतेसे कूल पाया।।
७९।। ।।चोपाई।। । पंडीत बुरो अेइ न
कुआ्यातु रहोणी परस [illegible] नांसतेणी बुतल नां सेणी रु
रे।। [illegible] छमडोरा।। ८०।। ।। ।। ।।

मालती आय

।। लरे सरोज रहे दीग पासे।। कुस्पट्ट छत्तल रही णीधा र
।। कैसे तोही सांन कर कहीये।। नीतांको कुछु जेत्तर ल
हीयणी।। ।।मह आयक।।
[illegible] नांनलहे प्यासे।। सेज मेनल रहुते एहासेप

मेरो अयन ले चीत हीयो॥ लागे ताकी गेल नां कीनो॥
७॥ मधु आपनी आतही हारो॥ मालती मन सुखेकुनां
डारो॥ ले मणी धरमणी कुछडो॥ कूनी पडोर जैसे रस अंधे॥
८॥ ॥सोरठो॥ ॥आधे संकट सनेह॥ मृ
ग सिंहन जैसी लर्‍यो॥ मधु अपे गती गती तेहा समझे अ
जय मालती॥ ९॥

॥ अथ प्रसंग मृग सिंहन को ॥

मालती वाचक

मालती मधुकु सब सुनायो॥ मृगसिंहन को मोहु बतावे
॥ कैसे लर्‍ये सोही सुन लीनो॥ तो बीच्यार ताको कछु कीने
॥ १०॥

मधु वाचक

॥ मधु अपे हूं केतीक गाणी॥ ले खुके तो तुनकू सुनाणी॥ मृ
ग एक आहीकाम को मातो॥ मृगनी सुखमें कीरे रंग रा
तो॥ ११॥ नीलोत्तर नयर दिन सारो॥ नय हस मृगनी
अहीक सोनारो॥ तामे वहाकु लस एक वारो॥ आरत वंत
तपे जय अंगारो॥ १२॥ सिंहन दृष्ट परो येहु रनां॥ प्रग
टे काम तन लागो करनां॥ मन छछा मृग प्रीतम करनां॥ अस
ली ओ ही ठोर हुतो जहां हरनां॥ १३॥ मृग केसरी की जोन
अपार्‍यो॥ तन ठीकानो अलोप लार्‍यो॥ बेग ही सिंहन जा
डी आर्‍यो॥ थिर थिर कुरंग लान किन लर्‍यो॥ १४॥ तेर निय
डीर छांड रहूं॥ मन सा आपा कु पितं घर हूं॥ एह में सत स
त करी लाखी॥ ले ह्यंर सूर्य हैं साखी॥ १५॥ कूनी अयन
सिंहनी लाखो॥ तुं तेरो जयठा हून राखो॥ मेरे तनकी पेर-
[illegible]॥ ले नो पे एह ने हूं पाणी॥ १६॥ मेरे तनकुं जिर-
[illegible]॥ ले तु मेरी पेर खुकायो॥ हूं तो पे यह अयन आर्‍यो

॥९॥ सोपीतम हे ठौरें सा छोड़्यो ॥ तो कैसें प्रीत करे है मैं ॥ ...
तम तो हि बोहि तहु बोड़ ॥ मृगनी ते मोपे सुख पैहै ॥ अथ
है प्रीत करु बोलै ॥१७॥

मृगबाचक

॥ सुन सिंघ मृग बोल ही हारो ॥ हम तो आही तिहारो ॥
रो ॥ मोहि तेरो बिसबास न आवे ॥ कपट ईपतु की नही सुहावे
॥१८॥ तेरे मारग की न कछो ॥ मो कुछ मन न है इक तिस जाणो कु
अर बिना सिंघ संघारो ॥ मृग कहा बिसवास है मारो
॥ पु [illegible] सुं होई ॥ ता सो जम्पन मानें नहीं को
॥ ऐसे नियर पति ने न कीधा ॥ गूदर काग की गती होई ॥१९॥

प्रसंग गूदर काग के

श्लोक

॥ नविश्वासपूर्वबिरोधस्य ॥ शत्रुमीत्र समागतः ॥ ॥
॥ दग्धा गृहायां काकेन ॥ गूदाम ल्यु समागता ॥ १

सिंघबाचक

॥ चौपई ॥ ॥ सिंह न मृग कहु बूझे ऐसो ॥ गूदर
काग की ... छे सो कैसी ॥ के ... बिलबाय से मारो ॥ गुह ... द
बीन क्यों ... नेरो ॥२०॥

मृगबाचक

॥ मृग नृपे सुन सिंह न बानी ॥ न्हे सुने तो कहु ... कहानी ॥
पंछी ... थे मिल सब आनी ॥ गूदर रहिरा न है न की ठानी ॥
नोर ... काग कहां थी आयें, पंछी के तेक जेहांत सुलायो ॥ सभा
ग्यार ठि नपे न ज पायो ॥ तब ही काग मुख ... नायो ॥
॥ ऐसे सिख ... कहु परसु मरु री हैं ॥ पंछी सबे जन सुट म
रिहे ... न रहे कुं तुम न ही न नो ॥ ताही पर तुम गूद

रंआनोगागाथाकेजलमिलकेतीनबंपोतीनलोकलकेउरकं
पोपंअग्रजारूसूनसेषही सरडोथम वसुधामाथेसे ढके
गरामाहा सुरतहांकेतीनपुरोश्यरणतलेगीरियरकृयुरो
टिटोडीकेयंडलहांग्रेहासाहरजाय्यमनकरलेहागाडो

प्रसंग-टीटोडीके

गसजमिलकेंपंछीसुषलछोअंडनकथाकहोकैसीलछो
मेघजरनपंछीसुकहोसायरतीरटीटोडोरहोगाणीत्तान
पालताकोनामकहोात्रीयागर्लसंपुरनलयोाकथि
बिनतीकइकरलेशाअंडनहानकरोकहूंठोराषाबेरु
ठोरअंडधरनहीनाछोअोरठोरधरावोकुंठाछोअंलक
कुंअंडनकुधरियोतहांलयके आश्रम कुनियो१शा
तबपंछीबोल्योजरहरीातेरोबुधाबिधाता रीगामेरे
अंडलसायरले गोतोर्छकू [redacted] डाणीजिहाा२गा
संकहोअंडाधरोाभजमांऔरसोचणीनकरोाछेतनोकु
[redacted] सायर तीर ठिकनो लयोाा३गाघरे
रं [redacted] नमेणीपनो करन अपारााा घरीरूपे
यसात नबलछोआछैनेलअंडाग्रहीलछेाा४। दिन
अंडलीयेणीर्द [redacted] छेपुकाराणीला
[redacted] नाछेजातागामोर लसाये्णीदधिप्रलाल

गा५गा

त्रियाजाय

गदो रागा गात्रीयाहरलजंधयमरन गुरू त
नोाजिछो गाजे [redacted] रतीहोश कुसंपती हायन
होय गा६गा

टाढोडीजाके

[redacted] कूरघुपती लयााजं ध्यमरन गुधिष्टर

सह्योाापुत्र हरनरेहमनीकुं ल्पयोाांन्नमतषेवमेहुमं।
हरलयोाापिरोसो ऽधधिज्ञानमोह [illegible]याा
अतआलाअछो ल्पयाां आलह जिनकेसेरहााने
अआनजगनने हहााडोा म स्वामीतेरोअललगो
ाातेमोसुंपे ल [illegible] यत्ताांगाहे तासाप्ज
यतअया ातअढजीरााीीणाजअहू मपरतन
हू भानााहे मेरअये मिलावो आनााहुंथे सुनिसअ
त्रीयकीआताा तुमज्ञनिहरोत्रियाओपघाताारपाा

श्लोक·

॥ उपायंचैवकर्त्तव्यं ॥ सबल निर्बला नरा ॥ ॥
॥ काकोपीकुण मात्रेण ॥ कृष्णसर्पनिपातित:११६
॥ य्योपाठोा ाणेस नपालगेसीनअत्नांजिा
पंच्याख्यान ग्रंथिकी साखिाजैसो न्तेरपराक्रम करिहोंा
कागत अंगामकीगत सरिहोंाागाटीरोडी फुङ्गपीओि-
ण[illegible] केसे करीओनसप धालााकागकोना अजओपा
य कीनोाा कैसेअेरआपनोलीनोाा

टीटोडाअायक·

ाकाशीपुरीपापप्रहारीाागंगानीकुटमनोहरअ रां
ाहुलेहुलप छमे वनकेाातेमसाहसंतुदेवनकेाीए
ाांहं ती ाग ाघछेतां ारहछोाा [illegible] ग्रामपावसहु
अस छोजव्यांवरेसाातुअंगमव्यरहोाातअआयस
मनभा अधरें ाारेणााअआार समनमें हुअपा-
आााहुहूणीपाय मनही [illegible] गायोाा अ [illegible] हूपण
दर्ि ारोाा मसाअनापि पंछी अअ[illegible] रांाारीोामेरे-
अंडहराां अअपाणीाय हहु [illegible] सगाणीाान

जं जाय रजे कुं घणी पाछी राजमेहल पर जेडो जद्यो
रो। नन कु न जेडो जे राजी ॥ आज गढो थीकृ सा-
ओरपामां॥ गर ठीलारताके दी ई क्या॥ पलाछकेर
ता- कयो॥ रा॥ सीनो हुरे जेठो ओही डेरो॥ सेथ
कुन्नं गं ताँहाथें है रा॥ डरथत्योरक्षणीन मारे॥ जनीजे
हारसे कुं डरो॥ शाथे कुं थे टेरोर रां सरडे॥ सगरो
सेन पाहीपर कुरडे॥ कुष्ण सर्प रेहेतो थोन्नं हे॥ देखत हा
रडार दीयो ताँहे॥ ख्या॥ मार मार या कु दिनले देरे॥ सप
मिल जान जछ कु घेरे॥ डोहारनको हुरन लागो॥ था न्स
रप नि दुसा मुलकसो॥ ॥ ॥ दोहू ॥ ॥
कृ दि सरप मारे ताँहा सीनो हु [illegible] ॥ र॥ सेन सकल
ज यो हिरीसोपो राजदुवार॥ गाजा समायेर घारीये
जुने जीरला झेया॥ जेसो गनान जीम्यारीये दाय देस
हैया॥ ॥ [illegible] ॥ [illegible] कुरसे॥
कुणपार॥ छल जल कुं आपनो दाया॥ ठीड्यो टीटो ड ग
यो जहासा॥ पोहतो जयग डके पास॥ रिख॥ होणी कु
र जडी ठील्यो रहो॥ सज जतां तप छसो कु ज ॥ कै॥

गा रू- जारकु

॥ दोहू ॥ ॥ लज गरे डत्नरंडर कु ओर जनर
सज पंजा॥ मिलकर मल र कुरपे लेज कं लेज जसंजा॥
गौज ब जरज पंछी मिले सो [illegible] रजस
समु [illegible] गीर [illegible] ॥ [illegible]
॥ ॥ सुनल जाल गडे [illegible] थोरा ते हो छ [illegible]
नट आया॥ जज साजा स लजस से हुआ याके जा
लकु गड़ुदं गा॥ डो॥ धरयो क्रोधन लमें मुख डायो॥ रारन

रीरन करती हथीपुहरस्योरोरुनम इप होईआयोप सारे
मतोआंहूं लीहारेहासारोंरी हीनोलेर रतनदे ार
ाआंड़ाहे धानी मनु हारापा

सायर [illegible]

मेरीयु क कहां लुमन्नलीहाकेतें ठलनी वीर आनांाग
इडपंजीतजणीर रहालोरा हे आलकस्योंह [illegible]
डासायर सुजल आंडलेआरे ामान वातां के हाथीलवा
योटपती के मन [illegible] ड़ पंजीनांक थामही
गयोगा ा [illegible] ार ए पंछी सायरल
ाएक्षेथल हायतो ार ाक्षेपरधारेआगलो सोग अ्ले
लहीअयाणा [illegible] ाकैसोग ड
महाजलीथंड ाल्लडडर इपे नथ अंडाागूहर [illegible]
सुके अपमहीालाग रालेल म सए हूं [illegible]
ााजाजला [illegible] छीसजनू यन [illegible] ााडो समरथ
सु गि ग्रह हरीहाागूहर राज हाथ हल [illegible] रीणा ा
हाहरी ाफायर मला मिटायेंके पंछी चले भि
लाना ागूहर अपने [illegible] ठाडाना ारा ा
स्पोपाछा ा गूहर नामअनी मरहन आ ागीलाग
पली परीवार सायीााजेड हार लुरी जेठ आनं ााउीलगु
जोलनलागेजाना ंरीाामेघ जरन हाग छहां यो ा
जान अपनो [illegible] गमायोापंछी स [illegible] रहो
ाजेमेरी री पुर आओोांरीा लीगारे हाग लयडे मारो
ापाछा [illegible] नो सारोा मेघ जरन कुल चल घरीयो
ापे सजमारोइलुम मरी गोारोंाा चल्यो सैन लहां
ग जसेनोा थांज्यथ लांहां लये जंग रोानीस अंघा-

रीजायसलुखोगहूरन्नहूंतांहांथी। लेोरिप्पाहाग
हूनरयो तां।मारोल्लागयोह्रजैं ।ारोमेघज
रलजो।गेठाहूरछांडाालकठाहूर न छमांडेाारो
जेग।।जायसहूलायपेठायेाामिलिसगरेणीगेठा
हूरआयोाजोलकुडोनं त्रअज।निवााढीयसयान
रछ [redacted] ारर।निवााणा

हाग जायकु·

ाामघज नअजजेहांथीतढीन। आगनोजरढाव
तीनविक्रयोमंत्र इजहूनडांनेाापरपंयडीयेतेगूह्र -
छिनोणामिठाजयनेहूनसाडराामिलोन्नयडोले
तेरेयाडराजहुतडआंन [redacted]
मांहावारताडराणा।

श्लोक·

॥ अरीमारेमृदुभावेननचगात्रेण बुद्धिमानः॥
॥अरीनाशायतेनीत्यं॥यथावेलिम ॥द्रुमं॥१५०

ाायोपाठो ाासुछमडूपलहू कुमयढेताडामल-
गातडीयेतनजढेाासिगरोजछपसरी। जेठाारीज
मुलसमुकुलहिमेटााजे ।जाघडान्नयोहूनडीनो
ठ ड तमरेतांहांजीषनढीनेाामेघअरन मंत्रासेडूं
ाकुनअलीजालनोसुलहााराडोनणीजिकु· जेली
नीााआगेडयाकोडे [redacted] णीढयांनिकुरजेडज
[redacted] ागीहूरतजघिकु-
[redacted] होलर जपायोाय
ाढनजेलनिकुर गेठानीाजघहून्नछेमतिगादीाा
गाांजेहीजेललुमहेहोछोरीाा जिनपाया कुन्नहूज

कारीाातरेनहंसनमानेआत।ा आगेतलठेरसे कुं
जि [redacted] साापाोआ गेजघिकुरह्योतहांगडोाात्ये।
कहेपंछीनसोगाहोारोकें [redacted] ।तरेन
हंस पुछे नृपकुआनाााहााायहरजुधकुं [redacted] ।-
नीाा अजजीयउीगारो जिन्यारोकांनी [redacted] ताजीय
तुम राजो आानाोबुद्धि प्रपंचसो सारो कनााणा
तजजथ हंस कहे सुनि हो आयाााबुद्धि सेकुउीपनी
मोहे आयाामरत. रूप तुम करो अज.ाा आघेकुम-
नमन ल्लने कुजहीााननेजैसे मंत्र करी जय होआन
ाानेजि न रोसराजनराजााजैसी कुहीतेसीमती-
कीनीाान तरे [redacted] नीााणाानघिकुन छ
रथ्यहोय राराााथौरस कआाहासखेडारााााजधि
कहं रकु गहीकुरनाायोाा देजीमरतकुजहोत कुजपावे।
देणाा ।नअलदाठेनलछे आानाागयो प्रानमोहे
तयोनिजहाराायाा सेजतोनगरमोझराााापावतो
हंस को कथ्य अपाराााााासोजीजघी दीये सजड
राााणीत त [redacted] ।नृ छतेगवारााराणीडे सतय
नेठेराााकुष्टजिसीयांनोकरकहाहोरााारेाा लत जा
त मंत्री कहेो [redacted] सजकोया
जैसिजिय तुम करीहााउीपावाान्योय्याहोसयोअ-
पनोाराजााडाा मंत्रीकुहाोसो सजमिलकीनोाातेरो
वचन प्रमाण करी लीनोाासजे कागा मिलजैसीकं-
नााामेघजरराकेकु मन मानीाा नेोााकरलेकुाग मि
सलेकेकु [redacted] नहांजाछेजरीमरहनराालााागोसे
जेठजसिर पढायााााकहियोमेघजरल ठेकांआयो

वांदिपा गयो अमली ठ संत स इनायो॥ राजा सुनत जो हो त सुख पायो॥ अपनो मंत्री आगम ता [illegible] रमान- जो होत ठी गयो॥ पैंडा मेघ जरनठी हो ठाह [illegible]॥ रा- जा मिले अंगठीर सायो॥ कुसल समाचार छे ढोणा जीय हे मेलन जाने होठो॥ १७॥ ॥ दोहरा॥ ॥
दोडा रे पिछे रहे सिंहासन [illegible] रे जन हस हर- मिलाते नो जोट सगायो॥ १८॥ गुनी [illegible] ज- ग साधे रजपु धयानो॥ हगा तजान होनान में चित्ता योर कुम- कारी॥ १९॥ ॥ [illegible]॥ ॥ यो पाछे ॥ [illegible] न से आप्यस डहर्षो॥ मेघ जरनसे- य कुर हर्षो॥ देठ ठेर जांहा मंदिर करछे॥ निस दिन द्वारे नोज- त कुरछे॥ २०॥ ढाग कह्यो सो गुहर डीनो॥ ज्यो माग्यो सो- पल मो दीनो [illegible] मेस ढाष्ट द [illegible] य परपंच डोलेह न [illegible] पुरही दीग डाष्ट डाडीनो॥ गुरुभा मुंह जोर पाय क- दीनो॥ गुहर अंघ दीवस न ही सु जो॥ गुरुभा हे [illegible] क- [illegible] रते लोक कह्यो ठीन जैसो॥ ए रज जिरोध तांहां हे लही कैसो॥ अब तो मोहे पती तन आवो॥ सिंहन समयो मृग समझावो॥ २१॥ ॥ छैते गूहर डाग प्रसंग॥ ॥

रसिंहन जाय॥

॥ सिंहन मृग कुं [illegible] [illegible] भु- [illegible] जावो॥ जैसे हूम छारा होणी घोरो॥ २१॥ डागरि- हस सरल हो ठी॥ ठीलम मध्यमं न भुजे हो गो॥ जेरे जडायन- जो होल हू [illegible] रल [illegible] करी हो॥ २२॥ मुख मंडा जेन सत्ता कहावे॥ ते कहा ये पंडा सरल र आवे॥ [illegible] पिने प्रा ग गमावे॥ २३॥ सु-

न॰ग॰अथन अडनेके ऐसो पैअ॰लहोयपु [redacted]
फुलोसेपकेजेडकुडारीीअथनटरेतो फुल गारीीा

न॰ग॰आयदु॰

श्लोक

॥ ॰बां छतोधूतजनेचलोका॥ तेसाधुपशामिव-
संमयंति॥ जेदुग्धवग्धाखिरपानकृत्वा॥ फुत
कारीफुर [redacted] पिबंतीतक्र:॥ ॥ ॥ ॥

॥व्योपाठ॥ ॥सुरेहो [redacted] नीसाध
देष ॰डरेहे॥ णनेकुत्यमें ऐसी आठे॥ फूकेतक्र धकेघके
॥१०॥

सिं॰न आयदु॰

॥दोहरो॥ ॥यलछंडे॰ष॰रीयले,हाहाकरोदी-
ग आया॥ सुनहोतुमरगमो अथनताकु सिंहन आया॥११॥

॥व्योपाठ॥ ॥नेपर अंके पेलनहीछंडे॥ सिंहस
[redacted] ॰ायेनहीं मंडे॥ ऐसोहोहीलाह सिंह मारे॥ नछेनत-
॰ नसीसभि॰ रे॥१२॥ त्यागे [redacted] तपंथनेकरहे॥ तोकुनी
नाम सिंहके [redacted] नुनहीगरबे॥ ऐसोक्र
मकरतकुललरबे॥१३॥

श्लोक

॥ध॰॰सारद्यारिरस्य॥ वाचासार महीपात ॥ ॥
॥ वाचाविचलतोयेन॥ सुकृतंतेनहारीतं ॥ १८३

॥व्योपाठ॥ ॥यायाअंघसारकरगहिध्येत ोनकुहे
य देव सअ॰ हीये॥ मुठअथन [redacted] शरथलहीये॥ जेअपने
सुकीनकुघहीये॥१४॥ [redacted] नतअ॰ [redacted] स॰ [redacted] ो [redacted]
लन्॰ाज्ञास सिंह॰पे आयो॥ अअतुमडहोसो कूनिडरहू
॥तुममतापकाकुमहीडरहू॥ ॰॰॰से [redacted] रारि नामरग॰

रसिया तु मलोआनलेऽमलमसियाद गऊ दीनांओर
होतार सुषमेरापूर्व सनेहातिगामोसेरह लेहो हुय-
हरीता गनी मलिहे सिंहनना या याहो मोहपरी छादीले
[redacted]
रहेंतामृगारे कयहीयेर नटरहा भरनेओह सिंहकी नेहुता
भगरेनां गिहामरसतोह तिणा   ता [redacted]
मोतनओर गिया यमामनकछुओरेहें ता न्योगुंगो हीगाह
मनमेंहीमनमें रहेता णा   ता न्योपायो   ता
तोलनयाह सुरतन मिंडा भरेत य हीगर नछंडा घोंजे-
मानहामर अग्रासेता न्योहीपर भगरे तमनासेतणा घों-
जे घामधरयो नही मुओ घोंजे हामजगनहोय मुओ घों-
जे पटूलअछर नही मुओ घोंजे सुर रणमां नही मुओ ता

रसें गनजायक

अने रजे विरे हसेजैयो मरीयोतो मुळतेहीतनैयो मर-
जोरटेन गीजेनाभूलमरियो नेरचारयेयोंजेहीतकरीये
रता

कुजेस जायक

ता जनोह ऊमिरससलोजेगी होता नलोरहरगोरर ससजली
होता सिंहन गजोहोतनतरी भायेताञ्जवनसजे संडेरह-
मिरायो गीजसहीने रतीके रस हून्यो ता गराथो मृगही
त्रियलूस्यो ताजले णमंग डोले मदम तो ता गसिंहनजे
सेरसनमलोतैंनां माह्यो भ्रमनहछुरुतम आयो अेर जेकुली-
नप्रानगम योसिंगन आरतछेछा पायो मृगडानछेहल
छेजडाछेपाफोलिंडरतपरेनहीयारोता अमलोलयो सिं
हतेगा सिंगनहे सपायेपुरोसुननहेहींगडायरर रोड
ता चिमाह गरेनरहाररोता सिंकुलयेरमरी जीरहोस्यो प

न्यसुदेष्मकुसेकोकुरनाा लृगयैजठ कुरेलिये [redacted] ग
आनपासपसुकुरेनहोणीा मृगसिंघन मिल जैहे होणीासै
सेलयेदीवसताकुंहेताा होणीनमेंड्रोणिअेकुन अैताा ।ााताेसे
सिंघ सेलतेआयोाा सिंघ [redacted] ोग्म्राकुडपायोाकेतीकुदुर-
सो सामी आछोाासोनोाआदरअकुोतपेडाछोाा।ाोरेनलन्यो
तोसो मृगनैहोा लागे शन सिंकुडीतषैहोा मृगडरडरीजहे
[redacted] ोाय्पलाछे अपनीसभलृल्योाागीध्योमरेहे-
जीध्यो मरछोाातासो दोष सोलसिरधरछेााकुलेनयलेटरेन-
ीटाल्योाा आयोसिंघदो [redacted] ोाा ।ाा ।ाा

सातीजा गृह

सुनभ [redacted] जीसाल्योाा अैसेनहीमृगकुमाल्योाा
मोसे जेतापरपंच नई [redacted] नेकुप्रसगमोपेसुनलीनोाासा
न्नेदीन सिंघ [redacted] तआयोाा छेनलेमृगकु दुरदुमायोाा री
न्यारसुजसुरलहीसीनोाा कुनीकालपीतनकु चीतधीने ाा
ोनदीलं रयसीआयोहोणीाा मृगजेठोम्गदेप्यासो [redacted]
सिंघनजिरीयाहोणी जंभारीााआछे मृततटरेजोणीनटारी
ाासीाा [redacted] कुन [redacted] योकुरनाााा मुरारजु [redacted]
करनाााकुायकुाय [redacted] मेंरोवे सिंकुजजद [redacted]
रलेथोारपाा न्यारेणयाइान [redacted] आवोाामोदेमत मृगमो
नगमावोाा कुण [redacted] अेतोनहीपीनीााडीरताासोन द्वंष
मोहे [redacted] [redacted] ेरछोाा ।ाा न्यारे
न्यजअकुाल [redacted] अतरपेरााासिंकुनकेकुललान-
मै मृगपकुसी [redacted] रोसीहमतमोअेहनअारले [redacted] धदी-
सालय शाछेहुनहे [redacted] कुछु आोरंघसेाा
पोामोगलजं प्रीतमृगकु [redacted] रजेईा

[illegible]ीप रेह्योऊा॥ अपे भरन्नजी कोमनने कैसीत
हा॥ साम्योप्रीतर नाजी मृग पेहली ॥ सेंहन मु [illegible] ॥

श्लोक॥

॥ उदयतीयदीभानुपश्चिमायां [illegible] ॥ विकसतीयदीपद्मंपर्वताग्रेशिलायां॥ प्रचलतीयदीमेरुशीततां [illegible]तीवह्नीतदपीनचलयंतीभावनीकर्मरेखा॥ २११ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ [illegible] ॥जिधेकेअंकसिजेकर्म लेखने नामे
छुअंतरनां होयो [illegible] गकी मोत ॥ सें [illegible] ॥ साखो॥ चीलहे
सुनो मह समयो नाको॥ [illegible] जेठो मृग सिंहन नभ हे
व्या॥ भा जेहे मुयो कर सव्यो॥ [illegible] यलो [illegible] यला जेठ
न रह्यो॥ कैसे भाइ सिंहकी सह्यो॥ [illegible] केसरी मनमें ये
हजं या ॥ तोलुं [illegible] ठकारो॥ न तबिंह डोप य
ढी आये॥ [illegible] तोलुं सिं
हन माडी ऊाछो॥ [illegible] दोर सिंहनपरन्नछो॥ ट सिंघ
[illegible] गो॥ नी [illegible] सें [illegible] [illegible] [illegible]
मृग जिह्यो सिर आरी॥ सिंहनगिरीपोठनुं डारी॥ नी
कसें आंतकरे न कुटो॥ अन्यन प्रमान कीये तन छुटो॥ [illegible]
परजत [illegible] परो न्यों [illegible] नी न्यां जीनस
[illegible] जांदर [illegible] नैसो॥ सिंहनमनकीनो तन
तेसो॥ [illegible] सतीजेसेकोजीसत घरहो॥ न्यों पतंग दीपक
[illegible] जेसे सुर [illegible] गेनमरहो॥ सिंहन करी सो
डा जीन करहे [illegible] तोलों सिं [illegible] मृग [illegible] सिं
हन कारन मुंड पछारयो॥ जेसे जीघ के हे कारन कीनो॥ अ
[illegible] आय जेकरीन [illegible] ॥ ॥ ॥ ॥

श्लोक

॥ यादिनंपतितंबिंदु ॥ मातगर्भेषुनिर्मितं ॥ न
दूीनेलषीतदेवं ॥ ह्राणघ्टरिदुरवंसुरवं ॥ २२ ॥

॥ योपाठे ॥ ॥ सांणघ्टरदुःष सुष क्रम न्हेछे ॥ ता
दु नरसदेनहीदेछे ॥ रोथेकुसेनमानदेछे ॥ तेरीरन्नसो
सीरा [illegible] ॥ माल
लीकुथा [illegible] डी ॥ मधुमोसें कुतबीसारयो ॥ ग्रे
सालछे तबमरग मारया ॥ रेस ॥ ॥ छेति सिंक-
ठबायकसंगुणे ॥

मालतीबाग -

॥ सोरठो ॥ ॥ मधु मरघो जेक बार ॥ ओरजडोकेष
धप्पदो सजहर ॥ संसार ॥ मरग पेहली सिं न मुछे ॥ रे ॥

मधु बायक-

॥ योगछे ॥ ॥ सिंकुनछे ॥ कु ॥ कारनकीनो ॥ मरगम
रायजपना ॥ कु यहीनो ॥ श्री याकी घणीजेक- यीन्यो ॥
॥ मे सुष संक्षोष कु [illegible] ॥

मालतीबाग -

॥ सोरठा ॥ ॥ य धकुप्रीतन गयो ॥ ग्यानसीया
रीयीतघरे ॥ सां नहीनी सोया ॥ दुल्ले सिंकु होय सो करे ॥
रपा ॥ ॥ [illegible] ॥ ॥ म समयोके ॥ अली
समको ॥ मार सीकेमन जेकनआछे ॥ वजलछंनी रे
दिरीमंडे ॥ घोरीमेरारेकुनछेडो ॥ रेरे ॥ ॥ म कारनकिरां ब्रां
नीकुकुछे ॥ मामनकीकछुन्नवकुछे ॥ बिर [illegible]
कुसगा ॥ छे ॥ कु [illegible] हाछे ॥ नेरुगे ॥ मा मधु-
सहननुंजसहीं ॥ तुमोप्यितमेंनेकनकुसही ॥ छीन छीम-

हांभकाल हायंडस ही [redacted] कोगांकहां लोकस नीासर्व

म० नायक

ाामयुनं [redacted] नीाासीनीके धनहोयसया- नीाानेतो कप्रेम [redacted] नेाा ततो के [redacted] गीतन- परसोणाचंदयकोरकमोद ीनपेजाा कुनिरविहमलन्ने लन गीहेपो सिपीक्युंमेघदरस सुंमपायेाापरसेंथे स- जन्नरमगमावेाारुणाा

मालती नायक

हेहे मालती मनोहर मुरंमाा कैसो न्नत ग्रेह नहीपुरषाा भैतेरेज्यही रजन्ननीाा ततो पत अरकी ठानीाारहै

म० नायक

ाामालतीकुं मधुजुके कैसेाा नृपतीकुं अरको समयोहैसे ाारे [redacted] सुनसीनेाा तोकुनी ताहेणिन्तरहीनेाा ारहेनाा

॥ अथप्रसंग नृपत अर तो ॥

मालती [redacted]

ाानृपतीं अरकुमोनकोरान्नाा रननामताही दह- गान्नाापंनजेकुमीपरांत लसीने ाा कैसोक दहज हीनहीकीमोाीाा करकीहात्रांथान्नेगनकरहीाणील- टीरीतमनमें न्यों धर गीाा ने अजलाम्ना प्रथम कर- धरे ाा तासुसेनरजनकीकरहेाारीा लिग नीरचैठे- हीबिलावेाा केकक्षकुतनन तीयीलावेाा जलेजयन नहोणे बोलेाा गेह [redacted] रा करधर गीाा [redacted] अपनेज्यडरहीाानजला प्रेमजा- तदगन्नेाा [redacted] [redacted] शाा केनी

यस अहो जोधी इरव्याहै।। दुजे ओर दुसरी ज्याहै।। ताकु
नी ओहवी धी इरहो।। पिलजेनार चीत दुजंदु [redacted] पे
।। थांहो इरत साठत्रीया ज्याही।। इनी दुजे कोणी जो ओर
मन्याही।। अंधकुप मंधी रमें नावें।। ताश्य चीत हां देवावे
।। हां जो [redacted] दुजी नोसत्यारंन अहोत्त अ
पकीरत कीनो।। अपकीरती थोदीस होरी।। इरन नाग हाणि
सेहेनलोरी [redacted] रसें
नृपोसुनपाछे।। जीन अपराध साठत्रीया छांडी।। जयत
लनथीारलछे सजरांड।। पं।। सिंगरेलोइ नगरयो हुछे
।। नीरएण आसमां ऊसुधल हुछो।। सुरसेन होधी हुवा-
रीौ।। पदमावलीनां मत्त कु जा।। ।।पं।।णीन ओजा [redacted]
सुनपाछे।। इरनजरन मनसाघाछो सजीजुलायता
लपेंप. छेत्र हांथों पद्मावती छे जीठथीणे।। इरनराय
कुनीस्रे अरहुं।। दुजे जयमनांही चीतधर गैलातजीयार
गयेही सुनलीनो।। रजन सुनत कछु जिसमनहीं नो।।पीा
सजीयली जेग रायपें आछो।। नृपके रजन जात सुनाछे
।।पदमायती इरनकुं यरी हैं।। नहीं इरप्रान तान के मरी हैं
।। रीसाप कछे मोह हुन कू आछा कुंयरी ताहारी ओहणीपा
छे।। केयाको मोहुं गीत्तर दीनो।। नहीं इरआपन्नय सुध ली
नो।। रपा।। गी।। राजसुनत महेलमें आयो।। आपनो सज
परिवार जुलायो।। लाछे अंधकुंठं अइरानी।। जोलनसा
गे तिनथें जानी।। रपा।। णी।। पदमावती मोह कू पठछो।। कु-
रनअरनकु मनसाणी ठछो।। तुम सीगरे मिलजरले लछो।।
नीस्वारथ छे हजोन जाछो।। पा।। साठनार ज्याही जन
छांडीो।। नजुऊलुतापरमांडी।। असी सुधन हीनेजारी

अंपेहांनमोर कुं गारीा रैगासभामेलनय कुंमरी
कुं मुजो पदमावती तोहीडाहा सुजो प्रथिवीमांज नहीडे
णीं रानाा करन भरनसोंडेनहीशनाा रैगा नेघरत्री-
य कुं सुभनांहीाा लुं डाहडारण छे ताहीाा भेडभेडे रावन
डी भारीाा ये अपनो लव पहले हारीाा रैगातहां तुनायड
हा सुभ पैयेाा पाछे डे मुरीसीभहीयेाा कह्योमानसिगरे
थोंकह्योा हरीयललकरीडीगल लह्योा पदमावती सभ-
न सुकह्योा करतारडी गतडेणीन लह्योा मांगे ते सुभल
हे नडेछेाा भिनमागे हूंभ हूं रन होछेाा माता पीता भ-
पुरे कहा करीहैंाा लीभ्योअंकसोछे हूंलडलीहेाा हूं डाह
डोकह्योनडरीहूंाा मनमेरोसोछे भरभरीहूंाारीाा ॥
दोहोाा ॥ मनडपुरडी भेकगतडोछेकहो हुनराा
कुंयनडंकरकरताने मिरंभ अनुसारारैवेाा ॥
चोपाइाा ॥ कुंअरीनेनमललाम्योंभादेाा सु
भहुभर ... ाडोहूाा ममोंकुं भरनेडनीडेणीाा न-
लीभुरी कछुहानीसा होणीाा रैगा रैपपाा मगरमडोरह-
रीयलडीडा ाात्रीयाडोण घयाहीतेमाठीाा फेलो आप-
नो नंन्योंकरोकुंाान हूं करप्रा स्यानेमरा ाारैवाारैप
भयलकुं ... नपायेाा पतां सभमिलसमझा-
भेाा भिप्र स्यायनारीयर पठायोाा सभमंडान भ्याह
डोणी ायेाा रपाा लग्नमुकुरत सु लीभायेाा ाातयेंकरन
लसकुं भायेाा मंडपपरसमहलमे पैठाा पालीग्रहनये
रांमेभैठाा रेगा कुंनीयोरीडां सभभोघडोनीाा समू भो
हतिडहायभ दीनीाा डोनीा सडर भाग्यारसलेरथराा भेसो
रानकुं ... हे भाराा रैगा सोधेमहलभन ... डेहूर

रीहैलासन ।हीगामेलीर।गुधासससमेंमिलमाठेगापेर।ग
वतीर।नारपाठैगास्पेहरनहुसुमसन्यासुभंडरहीगाहुज
रीन्नयलहांन्दुस्सरहीगापीदालेंपारीदींगडारीगापलंगट
ऽहुरमें।जालीगारचागायेनरेमसमीहेरनलागीगानीरजल
नैनसजेल्न।न्नागीगापेहेर [illegible] गामैसें-
मानल्लासहईदीनेगारांणगाहुसेनम्पलेंजोलेन [illegible] ।णे-
म्पेत्रभमानजैठे मीलदेगीगासोधेपालनहीझेणेपेरसो।
[illegible] अगनधाभ्रधेलनसेगाउरीगाम्येनरेमपेसहोननठेपज
मननलेरजेहुइ।तनसुनाठेगा
॥ म्येनरेजाजाय- ॥
गापेरमाधलीसजेंरसमोहुगाल्मीनलहांजललारी [illegible] गाउरेगा
ठेनलोसाडसाठत्रीयाछंडीगासुंमेहुस।होधेसापे [illegible]
साढहोसाइजसीदनीसील्लगेंगाजासढजोहोरीङोनहुस-
लागेंगाउगारदेगा मीलमुसल्नरेहुसमारीगाहुलजपत्नपुं-
रम्योंडारीगामेरनेनजेमधेंहारोगा।रनणीपलेंपधिरइारे
गाउगारदेगा गारोहेगा गाप्रधिमसमागम
पेनेहंमजमनडरपेंभालागाम्नोरत्नयेपसताघेहांहोथेंसा
ठेहुलागाभेगा गाम्येपाठेगा गाजटरसस्याघ
जम्मलशहान्ननेगाजंघोशहापंय्यरंगमजानेंगाम्लहुजीलें
सोहीपुजेगाजीरहुम्मधाशहाजेहुंसुजेगाउरेगा ॥
• दमाबली- जाम्येहु-
गारोहागा गासेमजनाठेपेंपरम्यागासोधेतजहुस-
धारागाहुंहुहामुम्मथीयोंहुगाजायजेंसमोहीमारागाउगा
जंबनहुरमंबनडीयोंगासेहुगोधंरमोणीलारागाजोरहुहामें
[illegible] समोहीम [illegible] पीजे

वांसागे केडारा।। अं अकु औसे कुयों कुं।। आय औसमा हीमा
रा डए।। मोनलपंथी ।। लिछ।। दीगहीडाएत्ती रासा।। अनग्र
तो बुडकु।। ग्रफुतो जीबंधर आया।।१५।।

चौ० रेआ आयक

।। चौपाई।। ।। नरखुषु ... ।।
कु।। सीआ वेझेछे।। लसीकुत्त रोणअुरी जिम्पो ।। सीआ
वेसोछिगां।। केहल्ते।। तेज ।। दलीयो रआ ।। अज
अकुजकोंनही रुपें।। तुंनेरी कुसलीकुल पैयो।। मेरो ।। गांके
नैकु ।। रा।। तीन पहर निसरे समआ।। छे।। येनरेज मनमेंकु
।। अलो अयाल सरकन ही।। हे।। मो कुं दोष सडलत्रा
चां दे।। आसेगुर ।। जलरा अकारी।। पदमावती कु पीठमें
म री।। यो डाणी यकु परीणी रला।। डी।। नृपत ।। अर अतसंज्या
।। गी।। ।। लाने अक्रु दुरनज नि।। दुजपाये सुजहोल ही
सी दा।। मे मोसें औसी डील ...
जघरही।। २७ ।। ।। ।। ।। ।।

म ? आयक

।। नृपत कुअर जपनो अर राज्यो।। नैसें जडो अरमला ज्यो
।। ज्या रपुरुषला ।। कुं कहीयें।। समजे जिन कछुकरनां गही ये
।। ।। ।। दोहा।। ।। लप चीत्ते जिअरीनार नर
नारीने गरथा।। तुरी वयल्लें परीजीये त्ता कुनीग ...
।। ।। २८।। र सता आयक

।। चौपाई।। ।। श्रीयकांत नकछेशा ।। पावें।। नरलल
यायें स्या नल्ले यायें।। अेकु तेरे मन अकु न आये ।। कुछ कुछकु
।। कुं छुगावें।। २९।।

श्लोक

॥नाग्निस्तृप्यतीकाष्टेन॥ननदिनांमहोदधी॥

॥नांतकःसर्वभुतेश्च॥न रुषावामला - ना॥२८१

॥अथोपाठी॥ ॥ तनय [redacted]

तनसायरसरितादेठरा॥अपतनदास प्राणबेलेही॥

अपतनन अलानारसन ॥२०॥

म बाय -

मधुनपे मालतीसुनलीनो॥सतछोडेदीनदेतरु बो॥ अ

यानहोईबातेद जो॥सुननहारदेसेर [redacted] ॥मो

गुदेत [redacted] ज

समजबिजेद मए ना॥अंधीलछेतोहदहार जो॥२॥

म सतीबायदः

॥हृसगहृ बाह्सा जी॥णितपतभेदपुराणे ॥ला॥

अं पानदेयद रा ॥ मुरेबसुनसुधीसा॥

पा॥मेहगर्ल्यिणीपभेदेणी॥नाडेदोषधरेनही णी॥

ले मेतुनअंत आतिबादेराम्लुडीडीरमडाहा डदो॥३॥

म बायदः

॥मंत्रीरु [redacted] हलनहों

हरो॥मालतीतनअसछनबादे॥म्नेनपर नेला॥सी

मेठादे॥ गा॥सन चेदनदसबनन हा॥तुरे॥तज्यपंथ-

बोरनहा [redacted] ॥हुःभपैभो॥निस्वारथप-

रथामे मै॥

श्लो ॥

भिन्नाकार्ये येमुद्रा॥ग परमंदीरे॥अन

मेवल तायांती॥रविबिंबयथा त्राशि॥५॥

त्म्योपाठि॥ [illegible]ग्रहनतम्यंरत्नयो॥ हरीयामे
नजलकेघरछंदा॥ संकरनटार रससरीम्भाठे॥ निम्धेफर-
घरलघुतापाछे॥ रत्ना ॥दोहोरा॥ ॥
ससीसूरन अइसुरसरीतनयामन जल त्नूपा॥ निम्धा
रथिपरघरगम्भे लम्भेदीन लघुइपा॥१॥ ॥म्योपाठे॥
॥ ॥मधुछे ॥सायमनहीमनगायें॥ तादीनथें-
पढ्येनहीम्जायें॥ संम्रदीनराम सरोजरमांडे॥ नरन्यों
भेंवोजनछ डा॥रत्ना

प्रसंग रामसराजरे -

[illegible]रडारे॥
अरजराम्भेनलतेंऊीत्ला॥नो॥ पंजप्रजाहमानुघन-
गा॥नो॥डे॥ उ डहांअरजजरजा॥जेरोही॥ मानुंघरामे
घडीसोहो॥ [illegible]नेपंजमांउ घनजरसो॥ सोम्नलम्बु-
अापनेतनपरसो॥ रत्नरहिनीर सुंदरजरनारी॥ म
घुडेम्पनिन्त्र हेम्भेडुहारी॥ [illegible]
तयतम्यडीतत्नअेदुनीतैसे॥ पा॥ मानुंहुंम्नुयेम्नुपा॥
[illegible]जेरोकानी॥ अंगत्योमेनडंम्पुडी
तरडे॥ जलकेहुलसीससेंढरडे॥ रत्ना ॥ मइ अेहम्परी-
त्रहेमेडेसा॥ [illegible]नल॥नो॥ सोउ अहां
लहांमोहीम्भागे॥ छुदुमें [illegible] लागी॥ रत्ना॥
तमडीतुरीम्पदीकेग्रहआयो॥ जोहोठोरडोछ भेल-
भिटायो॥ दुति भगछगली साथे॥ माजतीन्नु [illegible]
जहमारी॥ [illegible]भडभिली॥ सेन्नु
सेमजरगछेतहांदुती॥ भेलज [illegible]
छे॥ [illegible]

जिलीहुंनोसीयोपीयरसुनाय: ३१ कैसीयो ॥ ज्वनेगे
हुवे हनाव्यापीयो वोभे ीडारह [redacted] ोडेण्णो
॥ ॥सो ॥ ॥ ॥ अंतरगलडीपीयोकु
[redacted] मन धरेनंधीनोकासपुजा
रेडीसउकुंयीयोभोरकुव्यथाडीधीरा॥ोनेनेडासेकु
ॉमें: [redacted] मन्कोहृदरसभीनारामेरो
मनथीरनायो [redacted] पा ॥पोरसुंयाडीसकुं दहोनने
यो॥गुलजालमधुमालतीयोउन्जो ॥ ॥ योपाछो
॥ ॥मालतीजायसरोजरकंभीयो ॥ थीतवतवी
पतपरीसजपंजीयो सभीसउलके ब्राहनलिसोकेोमां
नुंनंदन्योहो हीस धोपोयोउण्णो ॥ ॥सोरठा ॥
॥ ॥ अडजीलये जिछेलाअकेन इमल्तसपुटह्ये
॥ पंदप्डोर घरनेहायेजजहन छबी मालतीयोपीरस
सीहेध्यो [redacted] हीग डीकेसथा॥ मालती भे
हननी हारा ॥लेनरहीतहीलकरल्योतेरो दूसेकु भुहजि
ब्सासो पछी जारल्मकु ल्यलो ॥ रपनलागीयोसोस
फीसहनहीगमालतीयोउण्णो

लंगीआजेक-

॥ योपाछो ॥ ॥ लंगीजायपुडारपुडारीयोमाल
तीछेहसंदहनुटारीया॥लेरआहनन्नेलअलीहैपेयोजरेनभ-
सभारीन: टवंघयोउण्णीसुनतजयन मालती रीसानी
॥ लंगीडाले कहे डीरीआनीयो डरही हाष्ट घामसलरहगो
सोडमल [redacted] नाडेतसहगे॥र्ल ॥ लंगीआन
अडो ॥ ॥ योपाछो॥सोरठा॥ ॥ पपर डीसे
मडी ॥सा॥ हरन [redacted] ीदे [redacted] नजरपे तासपो

श्रीसरीत छै मालतीा१॥ ॥ गाहा॥ ॥
सुंगें गुराम सुरीघामीा नआनिंहगम रहो आयो प्रे
म आपवे [illegible] जनंपोर नै [illegible] [illegible]
॥ ॥ प्रे मोरके [illegible] येय [illegible] गोनां
तरज [illegible] नीगगन [illegible] नीको ग्रहे [illegible]
नीरारूयोरागीा घंटनाद सुनी म्रगपिङ्योाासरसन
[illegible] मालतीा२॥ ॥
दोहा॥ ॥प्रांतकोम रीनेमेरोा लाडीनरे येमा-
यीाजसीयरहुटी [illegible] लोगयो [illegible] गमरनडुं न्याउ॥
॥ ॥चोपाई॥ ॥लंगी प्रेम जरदायजसा
योा नैरें [illegible] न गीरलायोा तजही मधु मनसा-
मां [illegible] याा तनस्यर पटीमाजुं छुंज यो॥ ॥ ॥
सोरठा॥ ॥बिरह ब्याथीाव सजा ापड्यार-
चलीई गछेाा अब्रवीईथ पुकार सबहर न्योयह मालती
॥४॥ ॥चोपाई॥ ॥अबवी पीणी पीजीक ।
अंपेाालेणीसाा सहाय हरकु पो मालती सज सुनतर॥
ाछेाा अहु छै सुया [illegible] तेरो
न यहु छो पतीजीयो गहेकृ क्यां स छो अ्यरन पंजनों
ही पीरीथक्रीा दींग दुरायामय दीस जक्रीा५॥ ॥
मालती कहे नलस [illegible] मो कुम छै राम कीकरनीा तासं
कहे [illegible] नहारा टेतो मेरो आप से [illegible] ॥६॥

मार तीजायक-

॥ [illegible] सर [illegible] घो [illegible] ग [illegible]
पाणीा मारो [illegible] तासेन [illegible] तेरे आपराम [illegible]
[illegible] सरा छै सद्ये [illegible] जी ओ कहु [illegible]

मोटो करी प्रपंच्य सेन करग कहै तो च्यकुची कुंचे मिले सो कहै
यीतो पंछी पड़ रकर यंगरनाओ तो च्यित्रसाले हार जं घाते
॥२॥

च्य वीवाज

॥गाहा॥ ॥ न्यजानडी रनो च्यकुवी स्मरती
चेकरुगा॥ यरंज्यो यिवि डारजे मिटे रामजे हणा ३॥
॥च्योपा ॥ ॥मह [illegible] ॥
जिरह जियोग डीयो सच्य पाजो ॥ ४॥ च्यकुयों नपेर न
सननी॥ तुजके सो नांही रननी॥ औरसे मीलये न्हे सुजन
पायो॥ तो जहोल पंछी पीजर नावो॥ ५॥ संकट मध्य न्हे
र जपाठ ऐसो ॥ कुं [illegible] गनसी [illegible] न
कुओं [illegible] गुर च्युसे करार सपैयो॥ पो॥ ॥

मार तीजाके

[illegible] रटा जो॥ कुनीसंके [illegible]
आजे॥ पीयपीय बरस सजनी सषायो॥ गुर च्युसे
[illegible]

च्यकुवीवाजेक

॥ सरससनी रसडी लुंका ॥ठांनो॥ तुभारी छेतनो॥ इहानं
नो॥ भेयम समागमर रतन जुको॥ भागु ज्युसो तो हीक
हार कोऽ॥ ॥

म ८ तीजाके

॥ [illegible] ॥ ॥मीटे न सहन सुलावा॥ क [illegible]
ना नैसो दीयो॥ रे [illegible] पी [illegible]
यो॥ [illegible] ॥ ॥ जर [illegible] जेन ही॥
रंयात सुनत पीडी धाया॥ सीपसीयां नीको करी॥ ३॥ ॥
भाहेनीस [illegible] ॥ [illegible] धवार रयीह सरसे॥ च्यं [illegible] नी

हंसायाकमुहङहाइनतुलयहाउङगा

चहुवीजारङ-

ाास्योपाछो ाा.पंछेथोरी ह धमेनीाोजाराजगीन स्याईगतलेरोातुंचङोरहोयहूरहे ..ांगमलायारगतलु वंगमङीयसुंढीााीमङजीजम्पन ङ नतनअयपाछे सेजन मालसर्पं ... जुलाोनसङ हू मनसंरहा र हीाकुनी जानङछुम्ोङ... ...ााो ... ाा श्रीनसुरगासोर ाायेयजोनाशेउनांजेाानीन्हेडगतार सोजीासङसेसिवें नाथणीाोगेर ... ाा धोइनीयजसीढन हे छेाासाचीप्रीतलेङहाजेसोछोभांलु में नहुव्पाधेपानीाासेसीप्रीतसोडु नीधानीाडर्णासस जीयोराचह आपनलजांयोाहोयेडु मे... यमें आयोाजज ...तनलहीयेंाालजतार ... संङहीके रापा

श्लोक

॥ च्विंतातुराणांनसुखंननिंद्रा॥सुधातुराणांनबलंन तेजः॥कामातुराणांनभयंनलजा॥अर्थातुराणांस्वजनो नबंधुः॥ ६॥

॥ ाासोरछो ——— ाासुधाजर्पमेरेजु नाणीाा च्विंताहामहामङे जगााालनन्डरमेनलयलागीाासुनस जीनेह ...ङीलागीााााबेलसालतुहीनङीजाराााामेरी सजीमध्यलुप्य नीाातोथेंहुसरोनहीङछुमे ाामेरोशल सङलजर े गुणााहिन्गु ...ङसजधावेंाार नतेछे छेसांङ ...छुङ ...मोसूापाछेमनङीजु जूतासुंााउङणा

ञतमालजाय-

।।जैतमालनेपेर नआछोतैमोर रुफाडे र नाछोसंज
नगनआफोरपेडपंचो।।सडलेपेछीजिनेडमंचे।।३५।। ।।

श्लोक

।।देवाधिनंजगत्सर्वं।।मंत्राधिनंच देवता।।तेमं-
त्रा ब्राह्मणाधिना।।तस्मातब्राह्मणदेवता।।३४।।

गलेतीजाय

।।न्योपाछो।। ।।मैं सेमंत्र सजीमुखतेरा।।डानतआ
पेओडहीमेरा।।मधुमधुरतनफोलदेनजीतो।।तेलीस
डेडडफांतेजलो।।रोन्योंडनरोन[illegible]तीनआयो।।मुक्त
मालगलडुठननायो।।मगोघरमगीडीगली अन्यि
फा।।तेरमंत्रजे गलहिन्दू।।३६।। ।।दोहो।।
।। ।।मगामगलसीरस्यालजुतपंलगमुप
[illegible]
।।७।। ।।न्योपाछो।। ।।तोमोंप्रानतहीडु
मंतरा।।जैधना रे रच्येहेणीअंतरा।।मोंमरतेतुनी
न्येमरही।।दुनीतेमंत्रडानफाकुर।।५।। ।

जैतमालजाय

।।जैतमाल रीछीतनडीनो।।तैजपनसमेरसीरदीजु
।।जथप्रपंचमधुमो हुरायो।।नेडनडजफुलेदजलो
।। ।। ।।सार।।। ।।पलटूप्रानरदप्रीत
मैमनपच मझीडसीं।।पीडजायसडी ।तो।।तेमोंसुम
नमें पडीं।।गोजनडु यजनडालाना।।जदछेदतीन से रो
सरनताडोडाज ।।ठीढ उपर [illegible] [redacted] ।।

मार तीजायक

।।न्योपाछो।। ।।मालनीदे [redacted] दपटांनी।।मेरी

मुंह सजे में मानी ॥ अब तुं मो मरत ज्यावे ॥ मथुं ड्रामुंज
अब मो हे देज्यावे ॥ ३४९ ॥

नेतमाल वाय कः

॥ अपे नेतमालती लोरी ॥ आरत अंतड़ा न जुध थोरी ॥ ले
मनसा ज्यातु दड़ी अंधी ॥ बीरह बिहाल ड़ामड़ी अंधी ॥ ५०

श्लोक

॥ नैवंपश्यंतिकामांधः ॥ जन्मांधनैवपश्यन्ति ॥
नपश्यंतिमदोन्मत्तः ॥ चार्थि । अंनपश्यन्ति ॥ १

॥ दोहा ॥ ॥ जे नेहगतडां मांयडी ॥ सो देगत जन्मां
धा ॥ मद [illegible] जांपदे ॥ आरत [illegible] रन अंधा ॥ रा ॥ अतिआ
रत सनमा [illegible] ओलजन होयो ॥ आरत जिन सुन मा
लती ॥ मालन [illegible] ॥ [illegible]
पजाले भीरा ॥ गरल सरे समयां टेरा ॥ ने नपाये नीरा ॥

मालती वाय

॥ चौपाई ॥ ॥ मालती नेतमाल सुंह [illegible] ॥ मेरण अ
न कोन मन ग ह [illegible] ॥ आपतन कुं [illegible] ॥ जोगी
जातन मुजले ह [illegible] ॥ पी ॥ ॥ धा [illegible] ॥ ॥
ज्वलपुरणीपगारहीर ॥ देजो धरनी आलाती यज जेवे
नीपले [illegible] मागे लागा ॥ ॥ दजो के [illegible] डीत
डुर बिन्वेडे [illegible] ता ॥ [illegible] हलो ॥ वेणीत पें डूल दत्ता ॥
॥ कुनी तरवरड़ी गत [illegible] ना ॥ ॥ [illegible] हीत कुं डरवायो ॥ धाम
सेहे सीर आपनो ॥ जोरन कुं [illegible] ॥

श्लोक

श्लोकार्धेनप्रवक्षामि ॥ कथितंग्रंथकोटिभिः ॥
परोपकारः पुण्याय ॥ पापाय परपीडनं ॥ ९ ॥

रा खो पाछो ॥ ज्याय श्लोक मंत्र थेल्ला ॥ छि ॥ ज्ये पु-
रान सकल कुं ग ॥ द्याणि ॥ परणी पगार णु [illegible] ॥ ऐसा ॥ परहु
न सभो पाप नहीं है सो ॥ ७ ॥ श्लोछे ओछी बुध जीव्यो शा
जडो जड़ा धेकु रतन ली हा रो ॥ जे हतो ज्याही सज ने लछि-
ला ॥ जीत र र गेर्हे नज्ओ रहछी ना ॥ ८ ॥

ज्ञेतमाल [illegible]

ज्ञेत श्रीमालती जीमाला जीतकु ज्यरो जनमन हु लणा रे
गाधीरन राज जयारह तेरा ॥ ५ ॥ शोभा दे जे ज्या में
रा ॥ २ ॥ हे तो गगन मंदर थी है ॥ हे तो छे मे
पाणी सरग पताल ज्यार हुरजा ॥ ३ ॥ है तो जिन पाव हु सू
बांधू ॥ ४ ॥ है तो लगन हु हनि है तो गीसंबन-
सें गीरो मा है ॥ ५ ॥ है तो जीह घृत करीला ॥ ६ ॥ है तो [illegible] सु-
[illegible]
ललिताजीलरी [illegible] ॥ ७ ॥ है तो मेघ ज्यनरीत ज्यर जा ॥ ८ ॥
है तो ज्यष्ट धात गीरी छाणी ॥ पा मलीन मंत्र हुं है तेह ज्यनु
॥ सुर नर सकल ज्यांधे है ज्यानु ॥ ज्ञे मधु ने है रजवे पाणी ॥ पं
छी लोग रही है ज्यज लाणी ॥ मधुडी रु घ राम सरोजर पाछा ॥
हुती है ज्येत पें ज्याछा ॥ ह्रि कुज्यरी सुनते जीह धाछा ॥ माल-
ती हाम है तज्यील लाछा ॥ मंत्र मोहनी मुज ज्योज्यरही ॥
ज्यसीकरन ज्यानी मुज घरही ॥ थोरे ज्येसर मुघजल पुरी ॥ पर
हील हाम करन कुं सुरी ॥ लेहु हानी सभी दोणियारा ॥ स-
करी न्हे [illegible] सार स [illegible]
॥ [illegible] ॥

श्लोक

आदे मंजन चारु चीर तीलक नेत्रांजनं कुंडलं ॥ नासा

मुक्तिक पुष्महारधवलं झणकाररनानेपुरं ।। अंगे
चंदनकंचुकीमणीमयिर द्रावलिघंटिका ।। तांबु
लंकरकंकणंचरु रत्ना॰ गारले स्रोडषा ।। ३७० ।।

।।श्योपाछो।। ।।मंजनश्यारश्याईणरहाराडरइरएण
नेपुरऊगएझरा।। तांसहुल्लालनें नदीअंश्रंजनां।। [illegible]
क्ताइलमनरंजना।।२४।। तनइश्यनमेंइश्यडीजलडो।।इदी
परछुर [illegible] गीडी अली डेरा।।मांनु
डीर पंकजलीरश्वारा।।२५।। अलीश्या र तन सोल्ना सोहें।।
ल्नंदेजे मन र नीयरमोहें।। मत्तगयंरश्यासगती सोहें।।
ज्ञल श्योहूलीलहीं मनमोहें।।२६।। सरवरनीर समीपे आणे
।।मिथु जलल दजेत र जपाणे।। पेहलें याए [illegible]
इसे।। श्यालु [illegible]।। आप्रेम घेरा रलइसर साधु।।पा
छेमंत्रसइतइरी बां।।२७।।नलरामसरछाडीरहृघी।।मघुकर
मांस मर डारल हृथी।। पेम ललीकुसुमनसि स्पेल रा-
श्यो।। जेइ समे हूले स्पेल याख्यो।।२८।। ।।

नेतमाल बाऊ

।।सारठा।। ।।पाऽरर लगसरमूरा।। प्रेमनपूछे
[illegible]

म र बाञ्ज

र गेअमंसधरीमांनी।।आलहूतीहृणु [illegible]
सहीडोंनी।।अनरीत समालती।।२९।।

नेल गाल बाऊ

।।स्पिटरह बार भांसा।।सडलकुसुम मधुकर रहा।।रीझआ
इ पलासा।। घेसथेर सीर मालता।।३०।। ।।श्योपाछो।।
।। रीझआइ पलासइटा छो।। सुघराछ सघरां छे

९ पाऊँामनमों धरी जुरीनहि जुडेंाा तोतीह प्रेम इहांते
जु केाा८९ाा मधुनायक

ाा जोगीतो ते गजल जलपीवै जलन तोये इनपेाा म-
धुकरने र मालती तजे हेाा जाइ पलास इरायन लजे हेाा

नलमालनायक

ाासोरठेाा ाा इलह नआवे नाा कुसुम कोबी परसेन
गीाा आपर आइ पलासाा मधुकर रीझे तास तुमाा८९ाा

मधुनायक

ाादोहाा ाा तुम जे तुम आइ सोाा मधुकर लपटोहे
ााधें लसमी दे जलने इम जो दी सुन नेलाा८९ाा

नलमालनायक

ाासोरठेाा ाा प्रथमरस भम्र जालालार छेडि के जग
मायहेाा केर कुसम अतीलालाा जसी नीरन्यो कैन गुन
ाा८९ाा मधुनायक

ाादोहेाा ाा के सुपा धक अलीकेाा मधु इरमर मोहेल
ाा अवन शल जोही कुमगयेाा सत्य जपन सुन नेलाा

नलमालनायक

ाा सोरठेाा ाा लेण लीन्ह टकराथाा नीन्द प्रीत के
गुल घनाा कुसुं लपट लोलयाा लन लीलन्यो कैन गुन
ााएाा मधुनायक

ाा दोहाा ाा सरपेजर इल्यान मीान जले
हेलाा इावनमधु गयाा गीरा दौरर नजेराा८९ाा

नलमाल नायक

ाा सोरठेाा ाा आपसु पारपि जनजन लटकेाा रसले
उरे अनन लइ अटकेाा मन मधरी जीनहीराखेाा नीवे

भेलजेंहके १० प्रेरणा मधुकरजीवायक

॥दोहे॥ ॥कुमजेलीमधुकरचक्रीरे॥भगजने रस ले
हा॥मालती ओपदशरने॥जनजनदुर्द्दल तेहा॥१॥

जतमालपा १८

॥चोपाई॥ ॥वेदीन शेन आही मधुकर तन कुमपेली
लरहे सजनीसरीना॥सपीजाल मोहे समजावे॥शेर कु
लावत सोडीत गावे॥२॥

मधुवाय

शेर कलावत ज्यों घर लूले॥मधुकर कूनी पेंठेगल झूले॥ये
अपरीन लागे मेरे मनमें॥ललांनपेजे ललक्त बनमें॥१॥
नेतसकु [illegible]॥
मे मधु सांप सांपके भुजी॥तेरे कचकुछ और ही सुजी॥र
॥जनीलालता॥देपंडीत नरा॥छेनडे आछे सकल जेकु घरा
नेलोंने न आभिमग हघो॥लोलोंललोंन शेणि कुहछो॥३॥

श्लोक

॥वैदूर्यमणी माणिक्य॥हेमाश्रय विभुषणं॥विना
श्रयेन शोभ्यंते॥पंडीता वनता लर ॥॥३९४॥ ॥

मधुकरवायक

॥चोपाई॥ ॥मधुकर जनम आपना भुजे॥मिलकर जेत
मालकुं भुजे॥मधुकर कौन मालती कैसी॥गीतपल मोही सु-
नाजो लैसी॥४॥

जतमालवाय

॥सुन मधुकर बात कहेउ आडला॥मधुकर जनम मालती पाड
ला॥गीतपल लंठे सो तोहे सुनाऊँ॥पाछें कछु त्याग हूं पावे
॥रा॥माह्यातनज मिश्रलर पो॥लस्म अंगार छार कुरड-

ज्यों अंबर लख अंग रेखई गोरी॥ अली आकुल व्याकुल होय
रोरी॥५॥ ॥दोहा॥ ॥संकर को अनंग दह्यो॥
ज्यों कुल लखे अरुनारी यामें कर लघु अंगुरी लीना निमि
तु सारा॥६॥ ॥चौपाई॥ ॥लख लरी इम पहोमे
जीस्ता क्यो॥ लोक जस सिंगार को ग हार्यो॥ जो सिव इम
दहन नां करते॥ तो मानस पर अकगती सरते॥७॥ अरीज
री इम लयो अगक्ष ॥ तो लसम अंगार रे ॥ ऊहि इम राग पा
डर लमरता ॥ [redacted] ॥ ऊन [redacted] ॥
दोहा ॥ [redacted] पाडर छौ॥ अरल र ॥ अंगारा
मार्हो म इर लये॥ होय येही जीव्यो राग॥ ॥
ये पाठा ॥ तांगे ॥ अछे ॥ सबली केरो॥ सो अवता
ल जाही म ॥ मेरा॥ पाडर ल ॥ भा ॥ लुम होउ ॥ विधि के अ
जल कन [redacted] कुलाय ॥ पाछे और आ
ल न मज [redacted]
लकुमभलारां॥ गामालती [redacted] लनकू लो॥ मधुकर में
त अलके लूलो॥ ला रस ल [redacted] लय दाणी॥ अं
रहो र लगि कूर इणां॥ णा॥ कज [redacted]
मालती जीना न मन सायार ॥ जे ॥ मतांत आलसे कूके छे
॥ पाडर कुल लमरल ॥ होघो॥ मध्य रैन समथा ल [redacted]
होणां॥ रीव्य इक अगरल ॥ दोछो॥ अती रस सुरत केलत [redacted]
करेहा आसुर लये ये ॥ लनध [redacted]
ल य ॥ छो॥ जल्पांत रगल होणीं न ल ॥ णां॥ लि इल सजली स
ज पहीपा नो॥ लमरमा [redacted] लहन लनो॥ गारा सिर बसंत
[redacted] रतु बिती॥ जषा सरद हेमंत ॥ नलो॥ दीन सील
॥ मंत लयो लारी॥ ॥ ॥ लुसा मालती अन्न रां॥ जैसे

संमं अतीदयलागेंा सोपीसींजामूललोंदागेंांहूंमनरी
अईपावकनर ेंा जिंथी लो ।रकेरीगलठरहा[redacted]ासेव-
तीनरीकछुअेक भंयीीादीन दोयक रही मानतनषंयीाा मधु-
करप्रीतलो हूनपरजीााबरलमालतीनेंनहीनरजीााा
दीयस सेरडीनीकुरीाा ऊनेअयनसेयतीरीाामे लीरणी
सजगती तीहारांाा मर प्रीत करे तीहूग८ीााोंाा

सवतीजाय -

[redacted] ाालयेजे देसीलांनाा निरजेहोतुमनेंन-
सुंागछे प्रीत पहुयांनााडेमधुकर डे मालतीाा रोामुजे ह
जेडी प्रीताा अेसीलो सजकोछेकरोावे [redacted]
जुरीसीरपरसेहााशिााबरतमालतीहेजाा म कुकरके [redacted]
वेनहीीादीनदोयगया- साडाालो ८ नेसोजिलग्रीाा
रेंाा ाादोहाा ाानरनामरनो डठीनेहै मधु-
मालतीकेसंगााचुगजेजारनकुरर घोाालसम्यदावत
अंगााचीाा

मधुजारक-

ााजागें तीछे ंडेतइ ाान [redacted]रंगााभ्रांत रातन-
ननडेाालसम्य ावतअंगाांगीं ाा

नेतमालजाय्क-

ााबरीछे ाकतडीाामधुकरबरनसंगाा प्रीतसनधन न
गत- ाालसम्यदावतअंगााशगाा

म कुजायक-

ााजनरीछेहांकेतडंाालजम नहतेसंगााकारडीडाज
न हमरहाालेडारनकुंगंगााणीा

नत ा ल-जायक-

ााग्रोप छोाा ााछेहजियजयनकु सजडजेाा नी

सेजनीकछलनर् प्रासा । आंहीनैन हिनदेहीाा मधुमे।
सें सीगवी सुनरे [redacted]

म ? आयक्ष

।। सेयनीमेंतो आल कहांनैं ने।। नुठी आनपयासरू ठानें।।
कोरूप्रानी। नरूआतन प्र[redacted]कापैरो [redacted]

।।४३।। ।। दोरठा।। ।।नरतमास ।। दिआ।

धुरन्तेपकलेंको ।। सोप्रतीतअप देखो।। मुखे बिनाहुठखि
आलेरा।।४४।। ।। ।।ये बिनाह्रोठि।

स्मरगन देखो।। ये बिना अजतह नपेखे।। मुखे जिना
हुठी प्रीत- [redacted] ।।४५।।

कैलमाल आय ।

।। से तीनती अड़ आत रगदाजी।। लेती अक्षमें तुम आगे-
लाखी।। के लूसेलो। रिसरी गुनि यो।तो साथी नेरे सुख-
सुनीयो।।३।।

? आयक्ष

।। मालेलीनवलमधुबरना घेटा।। [redacted]
भगदेए ।। आपन्न कछलयोनज ।। मालुदुघ लयो।
।। रूपकू [redacted] रूपे।। मिले सरग
कलन मन अरूपे।।देख कूछि [redacted]
त मालती [redacted] ।।४६।। मनमें सकल आपने [redacted] प्रीत
पुरातन सास [redacted] रग दायो।।यं
तरीक अपनो [redacted] अीलेक्षे
रूरन्ते।।मालतीजो गेरसितपायक नरते।। त [redacted]
[redacted] लाभ्यंतरजो लहनपाथो।। म ?हुर
औरठीडत ल दिखो।।भिनये सजेअक्ष हर लेजे।। अपेलैन
न रूप नर पूरा।। कहे [redacted] ।

अलोजाय

।।सोरठो।। ।।मुरज त्रमरलू र ।यंे ।जेनलूजे आ
तेंरु ।।वे मधुकर अैनायं।।६।। सुनी वही नयन माँ

म जायक

।।सोपाठो।। ।।मरु जय अंतरीप रही आलैं।। सुनत
नेयतीयोरुही जुलैं।।रुतणीतरमोहोतोरुनेरु।। लेती
ग्रंन आंन भी लेतोए।।५३।। अली मालती मिले अन्न
लों।।हीनी होणि परस परजाते।। नेत मालती समयो मूलती
बें।।जेरु मन गृही जेरु प्रीत हीनी।।५४।। ।।मधुज
यरु धाहा।। ।।अंत ।।जे ८ मर ओर मालती घ
णिन हें प्रान संयारलया सोजार मरु नेलमालकु सुना
वोरी।। अलीआ ।।

।।सोरठो।। ।।तोर नन रतही रेजम हे ।तीपर रही
।। जिछरा निभीषन पेजा सोरे रे हीन क्यों रहीं।।६।। तोमो
पूरज सनेहा।। लछेत जोए जीन हीनेडं नी गती तेहाले
न्पमांधि तामही।।५।। ।।सोपाठो।। ।।रु
नी मांप ताग रहेर रनी।। तेडीनी मसे छे रुरनी।। त्रीया
सूप्रीत रोजनी होछे।। छेह ‘टातर जुको जोछै।। पो।। मे
मेरा यतो पर हीनो।। ले भपंन्य मोयर डीनो।। मेरी हृष्णा
रहोनी धरी।। तु जनम नयप दूयप्रगटी।।५३।। ।।अंतरग
तडी पीरन जुओ।। मालतीडो मुधतो हुए जं।।जाहीग
रर ।मोगत यीनी।। होल जल ‘जाल सब डीनी।।५४।।
‘रष मरे त्रायाजीपर मरहुं।।त्रीया।जीपर डाणि ‘रष नज
नी।। सो मंतोजीपरगत ठानी।। तै मेरी इछु जेरु नन्नी।।
नी।। ।।दोहा।। ।।‘रष प्रम जस होयो त्री

थाप्रपंच पुरन घडी॥ ११॥ नीनदेया नागर जेस मंडपमदीॱ२॥

अथ राग आसावरी

॥ चोपाइ ॥ ॥ मधुकर अपन जोसे नज मैसे ओ सि रहत मालती कैसे ॥ सो फूली फूल रस्म अपनो सुनी ये आपनी सनेन सा यां गुनी अेा ॥ ७ ॥ पुरख के रूसो स जत्रीया ग्रहे ता पेज्रीया इठोर आनी डीलड ॥ डो॥ अपनी दीन अपन मधुकर से ॥ लेर मीस नहे तत न तरसे ॥ ८ ॥

अथ राग आसावरी

॥ सारठी ॥ ॥ फूल ता न न मन देहा ॥ जेम न मुतो नम यह ॥ १ मधुकर रस लेहा ॥ ते छब घले माल ती ॥ ९ ॥ उ त पत जेह सन्‍ रा प्रीत के तत न होय ये ॥ १ ॥ पो ॥ भीन गीगे रस्‍रा ॥ न अंत रहे न ल [illegible] र सा जो कु ॥ २ ॥ के तन रहे न जांदा भ ९ कु पर स मालती ॥ १० ॥ ॥

चोपाइ ॥ ॥ मात न [illegible] ॥ ज्यो नदे [illegible] दीप सो लट डी नी स आस र हरु ने डेन अटडी ॥ १ ॥ पो ॥ ग्रहे रथ रूपो कत हु अपायो ॥ पेक्षा ॥ डजेन न दे अत्ताये से छी तन र अ ॥ न सब [illegible] जिन र अेसु [illegible] ॥ ज्यो जि स जीडी गन ज्यं र जीन कुनी ॥ २ ॥ कुल जारी ज्यं पकु जान डु जी ॥ ३ ॥ रत अस तपी ॥ जेन न होनी डी ॥ ४ ॥ जर आधन दाम न जी न डी डी ॥ ११ ॥ सन स [illegible] ॥ ५ ॥ सर जर पं कु न पंछी जीन ता ॥ ६ ॥ मणी सा स हे जेन [illegible] चो जन त्रा य ड ये जेन र नी ॥ १२ ॥ मालती र गा कर के सूना ये ॥ ७ ॥ पें कु न असी डी र धन पाये ॥ ८ ॥ जब हूनी श्री मान ग मा उ सप ती स्व ल ग कु [illegible] म

[illegible] गुं [illegible] कुरु गति [illegible]
तपीत धारी ॥ जेह बचन कही हे प्रभु नरी ॥ ४५ ॥ रणा पवन
प्रतीत प्रीतम सग धावी ॥ दंपती मीसे दयी तहां साखी ॥
कनको णी णीप हेरा नझदें ॥ प्रेम न प्रेम कोणी घटे न आदें ॥ ४६ ॥

पवन बाच

॥ सोरठो ॥ ॥ मालती समोन प्रेम ॥ मधुकर सों प्री
तम नहीं ॥ शेन नीलाये नेमा ॥ मन माला बाला कर्मनाप
रो ॥ ॥ दोहो ॥ ॥ प्रेम प्रीतम धुमालती ॥ कुं
णी घटे न ले ॥ मीसरु गगहसे घोछेयो ॥ जेही परंतर पे
ख ॥ ४७ ॥ ॥ चोपाई ॥ ॥ पवन जवन सुन
के त्रम लागे ॥ जलीक्ष्य जय गगनसें लागे ॥ कृनी ज
बतार वनी के गृहलीनो ॥ जेह प्रपंचकी हश रन कीनो ॥
१ ॥ मालती न नम नृपतकी कुनिझ ॥ तुमतो लये साह के-
लरिझ ॥ तुम ज नो छे हां अंतर परही ॥ नृप कुंवरी सों नृ
प कुंवर हीं ॥ २ ॥ मेरी सुध न लै के कोछी ॥ रान जनी कु ज्या
के कील ॥ छी ॥ ऐसी तुम भ [illegible] मन में भुली ॥ [illegible] गत
कछु न सुझी ॥ [illegible] तुमता [illegible] देव अवतारी ॥ जीन की
त्यक [illegible] ॥ मा गी [illegible] राय रंक करन्य हे ॥ कुंचे-
न बिना कछु [illegible] तनन [illegible] ॥ ४ ॥ देवन की उतपती सुनावी
॥ निंद्र [illegible] आपे [illegible] गाणी ॥ या वे मोहे [illegible] तन [illegible] ॥
ने [illegible] मधु [illegible] समझावो ॥ ४८ ॥

म [illegible] बाच

॥ दोहो ॥ ॥ सब [illegible] पछाड [illegible] मा ॥ नैत माल सु
न जैनो ॥ पूरवली [illegible] रवगधे वेया सूरवे [illegible] ना ॥ ४९ ॥ [illegible]
चोपै छो ॥ ॥ पूरवली बातां सब छांडो ॥ वेतोर ॥

दगयो॥ पलकगातीपवगरौसापीयनाद कोनहीहोमैत

सयां॥ एक कोरिणोराकमीत दु न्योनहीहोछोतील

लोइमेमुकासोछो॥ कराहनहोणकरी गोन्यपी प्रीतन

आगेसारे॥ ॥ कैइक्रांयमलतओरन्मलंगसीाएहतो

मोतसंपूर गकैसीपमेसेलताकेरलिकरहीा तपिरजहो

रणहायनचद्दही॥ ॥

श्लोक॰

काकेशौचंदूनकार्येषुसत्वं॥ क्लीबेधैर्यमद्यपेतत्वचिंता

॥ सर्पे शांतीस्त्रीषुकामोपशांतिः॥ राजामीत्रंकेनदृष्टंश्रु

तंवा॥३॥

॥ पो छो ॥ कागलोहसंदु न्योनहीहोछोकुवाहो

रसायकीत गेछो॥ अहंलहोणीसूरनरेण गो॥ कहाताणत र

पिलनपेञ्यो॥ जोसर्पसांतीलीतनार राछोकुलीत्री

याकामवाल रे होा॥ राजमीत सून्यानहीहोछो॥ नेत-

मालसर्प्याकन सोछो॥ पा ॥ सारछो ॥

जगुन्नमीत्रनहेपोनकुदेकहपयहोछ को मनगतीजहन

होयागमरर नमारीनगे॥ ६॥

नेतमालवाच॰

॥ यो सोछे ॥ तुद्धेलतछनमीतपोरसमालतांतो

मनकुल जिम्यारो॥ पूरवप्रीतमनमीत परहो॥ नहीतरण

नीइमीत्रहोकर ॥ ७॥

श्लोक॰

॥ नचार्थनच नाभयं॥ वणिकमीत्रकदाचन ॥

॥ प्रज्वलंतीचकेशानां॥ नचांगा नेभस्मिक॥८

॥ चोपाछो॥ ॥ जयेतीरसरेन गेकैसीायणीकमीत्र

डेरीगलअैसी॥जैसेंअरेडेसडे लाला॥असमन नेयनपरे-
अंगारा॥ ५ ॥

मन आयक

तुछिहअ तहोनपर करेहे॥पतंगलहांनीपडअरेहे॥रा
अडुअ गतिअहनअुजे॥ढिंग् लीअ मागयो सुजे॥६
॥सीअहूनयआलडी डीली॥नापोछें महरोअडील।
॥हेपी सुनीनहअहूडीने॥अ [illegible] गीत दीने॥

श्लोक

॥ शांतेसुरा भयेदीना॥परस्पर विरोधिनः॥
॥ नविप्राः प्रथर्वीयोग्या॥भीक्षायोग्या पुनःपुनः॥२

॥योपाछो॥ ॥घर छांडे रए डअहूनल रहे॥परसप-
रे अती अीग्रह डरहे॥स्वारथ तृष्णा अतीहि आढी॥ता
थें लीअडपासहि याढी॥७॥ ज्यों चडोर पावडलअडरहे
॥पंछी ओरछुयलअरमरहे॥राअडाअडीगतहें न्यारीम
डोअुजे गुजेडी गारी॥८॥

अलमाल आय

॥मधु जेह अयनमांन नीरधारी॥अपनी गरअ लोरहे
गारी॥तुम दोउ मिलन लिज्यो डीरतारा॥अप तअ गंग
सोरपारा॥९॥नर अती आपसयांनपडरही॥जेलोंत्री
यासूं हामन परहि॥डुमलहु राक्षि आए जीरला गे॥ज्ञान
ध्यान सअहीतअलागे॥१०॥ ॥आस्या छंद॥
प ॥प्रत्यवती विवेकी॥२ विद्वामपी सतां ल-
घु॥याव न्नपतितो दृष्टी॥स्तायत्तेयवरस्त्रीणां॥ग॥ ॥
॥दोहो॥ ॥तडू नपुरष ग्रेह जह ओंघी॥लोलो ड।
सयांना॥जेसो जीरलोरे नहीः त्रीय हगावा वांअ आंनग
नी॥ ॥चोपाछो॥ ॥ पुडु आलनडि करल्ल

छै सांभीपठाय मालती फुलागींझ्मान आय समनी
झलक्षीानीरभत नैन लयी भोपलक्षी।। जात अपेय
छअत: भ देभ्योंा अभेदूप नभ सिभलौपेज्योंाांउपमा
उभ परंतत कुत्हछोासुरनरनाग सकलत्रीय मुहछोा ।।
भहन दलानिधिपुरन लहुनीाडभिरोउीपेमाझारनभ
रनीासमसिकुलकघेर तन भदहााामुभसोला दीन दीन भ
ां भरतीाााभेनीमेभ्रमांभेपारीासनुक्तीसफुनदु
रथल भारीाातापरसीस कूलमणौ धा सरत्या भ्य लक्ष स
न देकुरीाारो [redacted] कुलम हथिस
रस्पती भनाछोाक्षीना डाम यन कुरर तुटोा चितयत न्यो
न्यायकु सर छु [redacted] धुकर जैटोा गजं
भन भरन र पेटोा कूनिभिसालरान क्रग सायेाामा
लह मीन णरपीयोा गानासाई सुकली भनाछोाकुसरी न
भद्दी गोला पाछोा मुक्ता भ्य रभलक नहा सोहाा भडल
परन्नेनागनमोहेााोपोासूपां कुलम स्वजन छजी भेसेाा
कुनी ल सांपरस्पालकी भेसोांताा कुरन लछजीपायेाा
कुभ कुमकमानुरवि आयोााोाभय भ्रपोर नीरभलहारेाा
भानु भिंभकूकूलधारोाातामे हसन सोहेाानिधि
भद्दालपालरीमोहेााोाोडीकुमुदकली कुनी कोरीाासोला
चीभुकतासपरडोरी मृगमदभुद्धीलकोभाद्योा।कुभलीकु
नकोरीमुभशद्योााणााग्रीवाहभकपोलनन्ननोाा कुनीनराा
घ लूषन तांहां भानोााभोकी स्यामलेर छजीपायेाा कलकी
लटनय ग्रहभायेाार्णााकुम्य संलू कीघो संपूटयाद्दोा कुलक्को
सक्षीघांनारंग गाद्दोाा तापरभैस्य कुमुद्दी दीनीाामनकूस
माहकामतन्न कीनीााम्यालेहे गाभरलगारभतलसको

।।लापरअरहमीरअरइसडो।।सोधैसंगमआनरहीसुपरी
।।मानु छैरतुथनथैंजीतरी।।८०।।तुअम्रनालडीघो भूमगो
ला।।कैडहली सुत सुंदर सोहा।।लापर आनु अहोत छबि
सोभो।।मानुआलससिअल्योंआयो।।रोअंगुरीडुलीडनेरअ
नाछो।।कूनीपोहऐं पोंहोंची छजीपाछो।।अैसेंडुमलडहअली
लागो।।सेपायोजिमगेरसपागो।।८१।।नालीडुमल हाटइ ध-
टीअैसी।।कूलिश्रीपलीबलित तहांहैसी।।पेडीडाम अदनकुं डी
नी।।डैजिय आनअंगुरीयांहीनी।।८२।।लंगीडदीइहरीडे छ
अहो।।मानुकुं दुरपेरजनि जअहो।।लापर छुदघंटीडाआंघी
।।मनुजीधितुछअंनिडेसांधी।।पाइनइ पेंलडहलीअंघ सो
हो।।पीडरीडामतरइसीमोहो।।इतडीडुलीअहूर छबिअैसी।।
अडीछैश्रयनदूजअैसी।।८३।।राअहीयरन. मजरयिअसी
।।गअमरालडुरीगतनसी।।नेपुरसपहीसुरतडु सुरो।।मानु
हूं डाम हूतहेपूरा।।८४।। दोहो।। ।। ह्रोंदग अालन अंग न
सअेा।।कूलि सिंगारनयसत।।जीलरी सोलाजोन, [illegible]
अ हूंघेअहगता।।८५।। ।।चोपाई।। ।।श्रीयत अ
नसतहेसोल- डुं।। सोगतजीलटीलघे सोइन ।।अंगअे
पेसोलह सिंगारा।।कूनीलरसांधै आलन [illegible]रा।।८६।। ।।
दोहो।। ।।डा- सीगार [illegible]गेये सो कूनी सोला होयो
जिनलुछ- दनरालहो।।सापी सोला सोधो।।८७।। ।।
चौपाई।। ।।मालतीजी- पुन तन सोहा सोला
सीयरमी [illegible] नमो।।ओतीन [illegible]जो हूलजेन होछो।।जिपन
अडधरी हैं [illegible]।।८८।। ।।दोहा।। ।।मृदुल
ल्यो छबीनीरअडे।।चि तरअेक नहोया।।मालती अयन ड-
हाडहो।।पीतरे सूनीयो सोया।।८९।।

मालतिबाय

अटरितआरेहमासलोप्यालिङ्मरहीपप्यासोंस्यात्पुरुपे
पसकेरलपिलन ोथेलासोंरेरा

मधुआयक

।।सोर ।।। ।।१ अहासयानेलोया। तुमसेंकेलीक
।। ल्पागेमीलेनहोया।मनमाली नमालतीरोंरे।।क्य
हया पिनन गेयाोअहगनमनकीमुजीथें।।जेगेवीक
मेस्सेथा माअण नक्रमीलायीयेंापे।। ।। ।।

नेतमालआयक

श्लोक

अजायुद्धं ऋषिश्राद्धं ॥ दंपत्योः कलहमेवच ॥
चत्वारो निष्फलायांती ॥ प्रभातेमेघडंबर ॥ ६ ॥

।।योपायो।। ।।अल्नुरूसीरयोटनपरह।।हिने
अहरलमालिङरहोरेपरेडाननीराननहीन्यारोओनर
फेन गिमातघनकारोा।।निरसनयनलुममुजणेयरीह
।। सुनलमालतीअन्हीमरह्।।सजेसयालपनठेहले
रो।। मधुघेह सत्यजयनं नमेरो।।णे।।

मधुआयक

लैलेलणललागेणेलयरि।।हिरीयीलीयारनइजहृड
।।ओ यलसत्यनलजह्मेंनरा।।डरीहोअेलङहांलोडेबो।।ण
।। ।।घेहा।। ।।ओ यलसत्यनछंडीयोनारी
नीलारीणे।।आहलणलह्लीकहेंसत्यमेंनाहेरेआपी

।। मालतीआयकोसोरठो ।।

मालती मनरो जीन्यारो मधुडरनजानी होलसायी
जाल सुनायाो होमेंन। सत्कुसेल ।।।।। ।।

॥ मधुनायक वाच दो ॥

सुनत मालती मधु सत कह्यौ ॥ ऐसी करेन कोय ॥ छैनय पूं
ग सत्य - छांडीओ गती मैं नां कीन ॥ २ ॥

॥ मालतीवाचक्रा चोपाई ॥

॥ [illegible] रे माल [illegible] लुके ऐसी ॥ मैं ना सत्य [illegible] सौ कुस
॥ फूल अम्बन फूली ऐसी कहीयो ॥ मैं नां को सत्य कसो रहीयो
॥ १ ॥ मधुनायक
॥ [illegible] न मालती मैं नां की बाता ॥ आप मो सत्य [illegible] आप [illegible]
[illegible] सत्य मैं ना [illegible] तो ही सुणा ॥ [illegible] सी बात [illegible] गा ॥

॥ अथ प्रसंग मैं नां सत्य ॥

॥ दोहा ॥ ॥ [illegible] लगर [illegible] पुरी [illegible] गली ॥
॥ सो [illegible] महाजन सब सुखी राज करे धरम धीर ॥ पाप मो हो
[illegible] सेना [illegible] साह जिण्यां ॥ म [illegible] सुन
मालती सत्य मैं नां की बाता ॥ ३ ॥ ॥ चोपाई ॥ ॥
सुनो मालती [illegible] न चीत धरो ॥ [illegible] स अरन [illegible] नगर
कह्रीओ नगर अरन पुरन कीलन [illegible] यां ॥ [illegible] मैं नां
[illegible] गीयां [illegible] ॥ महाजन लोक तखे तहां जसा ॥ माहीरा
मंदीर मन [illegible] स ॥ ॥ सा [illegible] अेक महाजन ना [illegible]
मानु [illegible] थंल [illegible] णीन मान [illegible] अेक धर में त्रीया अेक
सो [illegible] ता [illegible] पन अरने [illegible] रथी में [illegible] जेसी नांहा
देवपुरी अप [illegible] गती तांहा [illegible] क्रीया रूप अनोपम त
रीयौवन रूप [illegible] अनुहारी ॥ अेक समें सब महाजन-
मीलीयां ॥ साह [illegible] स्वलीयां पेलणा [illegible] लन
साह त्रीया सु कह्यौ सब महाजन परदीप [illegible] कहयो [illegible]
ए [illegible] होली खेल ही सखी [illegible] ॥ [illegible] अपूरव लायेतां [illegible]

हसेंहीराजतइंताषायांहां मोतीसाष्याल इंताजसजम
हाजनमीलसमुदनेंहैाहीरायणनदेगेजोहारा ॥
दोहो॥ ॥परदीपकुं महाजनध्यलो हमहें षालन-
हारा॥ लालनसाह जेसी देहै॥त्रीया मेना सुजेजार॥

चर॥ मेंनाजायइ

॥च्योपाई॥ ॥सूनोसाह जेमंदीर मालीयां॥च्योकं
जंपइध्येदालीयां॥नेरनंडारसो जतनांपारा॥ घरजेठे
सुठे इनतारा॥परगा जेइश्रीमहाराजइीयीता॥ छैणमंदीर
मेंरहोनयीता॥ष्यालीयेसजापमोघर रोणी॥छोटेमो-
होटेजोरनइोणी॥परसा॥

श्लोक

विद्यामित्रप्रदेशान्च॥भार्यामित्रगृहेषुच॥धन
मित्र आतुरेश्चैव॥ धर्म मित्रमर्णातकः॥ ६

॥च्योपाई॥ ॥तासं घडीजेइ जिलजनजेइीगे॥
मेरेजप्यन जेही सून लीनो॥जेठे मंदीर इरो जिलासापप
वेरीगयेघरइीसीजासा॥७॥

लालनसाहजायइ

॥दोहो॥ ॥सुन मेंना हम जायेंहें मासजेइमेंया
सा॥तुम मंदीरमोलइरो जाजोमोहोटी जासा॥ ॥
च्योपाई॥ ॥मनमें चिंता तुमजनइरीहो॥हरी
इी नामसहुइेंणीयरीहो॥ छेह जप्यन इहीसाहतमलहें
॥जेइ सहस्र महाजन तहां मीलहें॥षी॥ लालनसाह
परदेरीगयो॥मेंना मन पीदासी नयो॥इान रतीसइ तजेस
णगारा॥ मेंनानीरतनरेनयमारा॥पेइ॥ जीन नाह स
ज दीये जीसारी॥ दीन दीन रूप घटतहें नारी॥परपुरुष

होणीनेन न थीनो॥ मेरो तम लालनकुं दीनो॥ ॥
दोहा॥ ॥अेह लनन्नइ आज कुरा॥ रूपरेख सुभग्रनय
रूपन देखुं नेनसुं, लालन बिन संसारा॥ ॥चोपाई
॥ ॥अेसी सत्य रहे मेंनां नारी॥ परपुरुषकी दृष्ट नीवा
री॥ लालन बीन देखे नहीं कोई॥ ऊन बिध सत्य मिनांकी जे-
छी॥ आनगरकां राजा बडो नेरसा॥ गंगापार पूरबको देसा॥ र-
लपायक लहू नही पारा॥ जुग व्यापो सघले संसारा॥ पडेगा॥
ऊनके पांय कुंअर जलबीरा॥ करे राज्य गंगाके तीरा॥ धरमरा
ज राज्य ने करहें॥ पापपिंड थीत कबुन धरहें॥ पडेगा॥ यार कुंअ
र राज्य रीत सुं चलो॥ अेक कुंअर कुबुधी हतो॥ कुल मरजादनका
ही कीनी॥ पढो सकार आज्ञा नहीं लीनी॥ दासीना मंदिर जे
कीनी रहनरी हे॥ कुंअर नकार देखतां हांप रहें॥ रूप स्वरूप देखो
ऊनका॥ क्रम चरीत्र देखी संसार॥ पाना॥ कुंअर मनमें मीनां
असहीं॥ ऊनने देख मनमें लेहलसहीं॥ अेसो मीत्र नां मिले है
कोणी॥ ऊन त्रीया तें में सो होणी॥ पणा॥ कोणी साथी अेसो करतां
हायों॥ ऊन त्रीया कुदृष्टी न रचायों॥ याको दृष्ट चल्यो परदेसा॥
सलहै ये धरो नरेसा॥ पाना॥ यो कुंअर अेसी चील कोठोरानो रू-
ली आन मीलावे सोठी॥ कूती अेक काम चील पाये॥ अेकोक
मे पायक अनेरा॥ पडेगा॥ लय कुंअर साथी सें कहायों॥ कुती कुन-
नगरमें रहायों॥ अेसी कुती बोहोत अपारा॥ रतनमालनी
नेह संसारा॥१॥ सूनत कुंअर नगरको सूना॥ कपट रूप नार क-
को पूता॥ ऊनने रतन मालनी कुमारी॥ सत सू मेंना रहे कुवा
री॥ नारा योहन मोहन लीजे सलारी॥ कामण टुमण पेरस-
णगारी॥ अेसे मोहन बेग संभारी॥ मेनां सत हरायन कुं धा
नीतो॥ ॥दोहा॥ ॥कपटरूप चली मालीनी॥

गछे मेंनांके जारीा जे सतराजेसांछेयांा सोकुन लुलाय
नहारीाणा ।।सोरठो।। ।।ने राजे डीरतारा।।
साह कूं जेरी कहां कहेंा ने सीरनयतो नयां साय घन सत
न छंडीयेंा येणा ।।चोपाइ।। ।।मालीनी नय
मंदीरमें पैठीा मेंनां तांहां सींहासन बैठीा चंपक फूल नय-
सर हारा दीनो लेट कीयो नुहाराा येणा ।। ।।

मनांजाय.

।।हुसकर पुछे मेंनां जनीयानीा कहां गमन कीयो सयानीा
हूं तो ही पूछु मालनी रतनाा जन मीतये हीत जो ले जयनां

सीजायक

।।सेर पीता मोये घायन कीनीा में जालपणें तोये पुंम्पी दीनी
।।हूं घायतो वीजा छे मीनांा पोहोप सुगंध हारतो ही दीनाा
।। ।।सोरठो।। ।।मालन जयन सुनहा मेंनां सा
मीकर गहीा सत्य छंडायन तेहा कुतीकुटीन मालनी ाा
।। ।।चोपाइ।। ।।मेंनां घात साम्पीकरनंणीा
मालनीकुं जोले पतीयांणीा तब्जहीं नाछेन जेगे फुलाछो
कुंमकुंमडे सरजीपरणलाछोापणा

मंन जायक

।।सोरठो।। ।।हुंघेडे कछो साहा मुजरोये नेणां हुसो
घेणी लछन तेहू पासा सायघन जास समारीयांा ।।
चोपाइ।। ।।मेंरोपीया समुन्द्रके पारा लेंगयो सजेस
णगारणीतारा कहा डरूं मालनी डहूं पोकारा मोहे परहरी ग
योडेंपेपीयारा रा बेरी डुरसो प्रीतम कीनो ा लाजी जेस
मोही दूप दीनोा हान्लरोली कुणपरसाङा पीयाडां नत
न नेजनगछाा गा

दूती उवाच

दूती वचन दीनता ऊचरी॥ कपट रूप बणाये मुख धारी॥ तेरो दुख दे-
ष मरत हुं मैंना॥ सो हर गंग अब है मेरे नैंना॥४॥ अब है रीत-
अषाड अरु सैंयया सारा॥ सब होणि संत्ता लै अपनो घर आ-
रा॥ दीप गये सो छैं आयन हो रा॥ तेरो कंथ न देखुं क्यारा॥ पा-
ये घर रहे सो ऊरे बिलासा॥ परदेश गये ढीढ करसी आसा॥ छिण
रीत दुजी अब ई लीनारी॥ याकुं इथन हैं घर अवरी॥ ५४॥ ॥
दोहो॥ ॥ तेरो दुख दे अब मरत हूं, बोल अबन दे मो-
या॥ जैसो मनव्यो इस लमरा॥ सो आन मीला युं लोया॥५५॥

मैंना उवाच

॥ सोरठो॥ ॥ पुरुष पराया सो या॥ अपने प्रीतम है युंय-
रो॥ अह यादी देहा॥ जे दीन असे हीं लरूपणी॥ पुर पुर पर सुनेम-
॥ जैसी तो मन में पड़ो॥ हूं सत्य छांडुं - छाया डार-
नो॥५६॥ ॥ दूती उवाच॥ ॥ ॥
॥ ये तो अंजन अया॥ मालनी मैंना सुं रहो॥ मनिष अंनम ऊ-
लाया॥ टेड अंध ढेसे रहो॥५७॥ ॥ दोहो॥ ॥
छिण रीत अंजन लाडी सो॥ जण गमाये डाया॥ मालन बो-
ले पापिनी॥ तो हुं रसियो देणि मिलायो॥ ॥ यो पाछे
॥ ॥ दुत वचन ने मालनी कहीयें॥ मैंनाय यायर मुख-
पहियो॥ लीषे येन सो ढूबे नैंणा॥ बोले सती महा सम्मुख बै-
णा॥ ॥

मैंना उवाच

॥ सा बरुण तेरी मोह नही आयें॥ अब से बोलत ढैसे पती-
पायें॥ डा दुता हे नारी ढोळणया॥ अब ढोळन हुन डीया॥
मा अब अब करुणया नैं देहा॥ युग दुसरो होनाम नल हो॥ अ-
सी मोह हुं ऊहां सुनायें॥ मेरे मन अब नही आयो॥६॥ ॥

दूतीवाच

॥सोरठा॥ ॥नारी अेकली सेज॥ आप अनतो अरसे घ
णो॥ थांणी होयकरेजा॥ साहथण साही अआहीरीं॥ पा अर
जन अमकु जीवा॥ स छैयर अेज हिंडोलनां॥ सजज़ो अेले तीआ
सायथन सूनी पीया बिनां॥१॥ ॥चोपाई॥ ॥
साहीन मैंना आंनतुलानां॥ घर घर सजी हीडोलन तांनां॥ इं
द्र सुहागीण मूलेयांनां॥ गाजे घेरो आपगी रांनां॥२॥ ॥
सोरठो॥ ॥जन सुडी अे नेहा॥ लासूं है युगथीर रेहा॥ ला
सूं अैसो सनेहा॥ तुटै झथ्या सुलझुं॥ परणी॥ अेड अछ अड़ाआ॥
ता सजी सासैंनां रेहा॥ झूल झूल अज अस रसथा॥३॥ प्रीत रीत क
रे पीयो॥ परणी॥

मैंनावाच

॥चोपाई॥ ॥रीत मानुं जा लालन घर आयें॥ नेहत
मैंनां प्रान गमायें॥ सुन मालनी सज अंगमें हार॥ अेललन
लेह अंगनमें नरां॥ अणा सुं पापनी मोह पाप सुनायें॥ छेन
आलेउं संपती पावें॥ अेतो आततो हुं डुहीयें॥ या ढे जय माने
यूं सहीये॥१॥ ॥सोरठो॥ ॥प्रेम पीयारे सोय
॥जणय यरीमें डर ग्रहो॥ अयरन हुन्ने डोया॥ मालन सुन मैं
नां डेहा॥२॥ ॥दोहो॥ ॥ये अजन लालन जी
ना नरी डइं तन छारा॥ प्रीत अे छै छैण त्यांत सूं होय सुनग सु
जडारा॥३॥ ॥दुति आयउ॥ ॥त्याहै घेरो घ
म घमो॥ वीण अंधारी होया॥ सेअ अकेली सुंदरी॥ अे दुःअल
गे मोया॥१॥ त्याहे रीत सोहांमणी॥ ड्रपरोडी अेडारा॥ डुंठ डो
हिल बिलजी रेहा॥ जुगल मोती हारा॥२॥ ॥
चोपाई॥ ॥सरर सूता त्यय आरर मागेपा छैया रीत

[illegible] लाये॥आपलोओर

पनायालाधेरी॥अ [illegible] जयारी॥शायर [illegible]

तुंआनी॥ओह नेपन [illegible] गमाधे॥गये [illegible] पीछपस्त।

थो॥ ॥ [illegible] ॥ [illegible] गये॥

[illegible] लीला [illegible] ॥ [illegible]

नरे जीलोयाणी॥ ॥सोरठो॥ ॥ [illegible]

या॥पीओसे [illegible] सपटायो॥ [illegible] सनेहां पि

लोणी॥ ॥दुहो॥ ॥ [illegible] सी कारडी॥धाय

पापकसल [illegible] लालन [illegible] गीतरतेमो [illegible]

॥ ॥चोपाई॥ ॥ [illegible] मेनां चोस्यदाणीवा ॥

स [illegible] संसा [illegible] यो [illegible] नांगती [illegible]

[illegible] मल्यां हांमिनर [illegible] णी॥

मेलांजाय

[illegible]

कुयरमासइसी॥अनुसाइ॥मालेपेसंसारणी [illegible] लोग

लुगलीलासे [illegible] मालनां [illegible]

[illegible] आपलगायुग [illegible] लालन [illegible]

ला॥ जो॥ ॥दो॥ ॥ [illegible] लालन-

ओन [illegible] नछारा॥भीतया [illegible] सु॥हायेसु

रगभुजिश [illegible] ॥ ॥सोरठो॥ ॥ [illegible] मारेहंपी॥

माली- ओलपापि गा॥ [illegible] छारा [illegible]

पणी॥पीव॥ ॥ [illegible] ॥ [illegible]

॥या॥आने पीने [illegible] गयेन मुंड [illegible]

[illegible] संम्पी [illegible] ॥ ॥चोपाई॥ ॥ [illegible]

[illegible] संसा॥पीतम [illegible] गा॥

स छे ह पर्ने दीयारो ।। जिरहनी छे सरदकी मागी।। ।।

दे हुो।। ।। योजरीतलुयंगमएीाकहा जोहोलल्यां-

हा लागो सरदसरससरोलन्नल गोहेजोकु [redacted] ।। ।।

सोरठा ।। थोजनलोज्ञयपालीसोज्ञचलेंचलकरे

।। सो घरकी कहा जासस केे मनने मारी वेरीखं ।।

नांजायक

। [redacted] ।। मालेजें सं-

सारछि [redacted] पर्यनमां छोछोान जी सरीरमालीनज्ञय

[redacted] छोपण्गारीतमा लालन घर आयो छैनेतरमंनां मा

न गमावो छे युगजेकहीपीण मारा कु न्यीतने क

जियो ।। पषा ।। सोर ।। ।। [redacted]

[redacted] गलता मनमें वसोा जीलाथेसो [redacted]

नल लाजोपण्ा ।।

लीजाजक

।। अधनमासदीनसोयादीवस घरेंरेणीयधोामीतहारोसन-

जकोयाज्ञ्टालेह जोहोरेय्वेढाोगा ।।

मेनांजायक

।। योपाछे।। ।। अन उरलसव्यछाडपरायो ।। [redacted]

सदुउ नहेपायो ।। जीरानालर रमांलेला ।। लालालन

उहा जरजलावुंजोय मालन अपनो सल हागीुनम

लोष सेंनज्ञयजिरा ।। [redacted]

उजहूं न कीलोपा ।। ।। दरा ।। ।। ।। पा अव्यल मो

[redacted] ।। सत छै घन जातसें न

रकुन्नयपतजा ।। ।। सा जजिनप्रेम ज्ञा केसी ।। [redacted]

केसो सन [redacted] ।। तील तीलन्नई देहा ।। ।।

तीजायक

॥ चोपै ॥ [illegible] सरित जा ॥मोर रदंत

पेतस [illegible] यारु मान ते

रो सज्ज जा ॥ ॥घ ॥ ॥ नपल नेह तनइ

मनी ॥ जिलसे सब संसार ॥ मन सो ॥ रसीयो मगवुं ॥ ॥

जो अन्यन हमा ॥ ॥ ॥ सोरठो ॥ ॥ पीस म

रेली सेना ॥ हो मेनां ॥ रहे ॥ परीहे सांत ॥ आराम दन हु

[illegible] सह [illegible]

नाजायक

॥ चोपै ॥ ॥ लो [illegible]

मेड रन डराणी ॥ पे सभा नइ हाइरहे मेरो ॥ हुनी लछन दीसे

हे तेरो ॥ ॥ ॥ तीजायक

॥ सोरठो ॥ ॥ ॥ न सेल सन ॥ दोक्षन जीनरे से होयी

॥ प्रीत ॥ राजी नेह [illegible] नृ ॥ रुरो ॥ ॥

चोपा ॥ ॥ सायल सीत रंग जा ॥ नर

य मुनी मन द ॥ म ग ॥ सार मड ॥ ॥ क्रीया पेन

॥ से तिवारा ॥ ॥ ॥ दे ॥ ॥ ॥ बिरह पे

सारो स [illegible] नीनाग रामैये संतापी ॥ [illegible]

॥ अहु छांडे सेपापा ॥ ॥ चोपाठो ॥ ॥

बीरहप्यान लागे सोधे ॥ रमनारीहा ॥ प्रेम पीक ॥

अहु रील अवे ननन दीनो ॥ सर ॥ घड तन ल्लो ही ॥ ॥

॥ ॥ दोहो ॥ ॥ नित मेल नित जिल सीगो ॥ हे

जग्निजु ॥ या ॥ गयो न योजन मा ॥ हीना ॥ मेल गमायेड्य

॥ ॥ चोपाठो ॥ ॥ ॥ [illegible]

॥ घेर घेर त्रीयाये ज्याल मयायो ॥ प्रीतम के संग जले होरी

॥ढेनरीत अेकसी मेनां जोरी॥७॥ ॥सोरठो॥ ॥

नित जेसतन ,मानां प्रेम मगन रस रंगमें॥ ले देखी तन स

मझाया॥ मालिन मेंनां दुइ देखा॥

[illegible]

॥चोपाइ॥ ॥जीन सोहागके सेंदुं मदुम अंगा॥सेंदुर

जुडी नेह जेणी मगा॥गीतन्नाह [illegible]

हे दंयपीयोराप॥ ॥चोपाई॥ ॥चेत्रमास -

त सोहे तु मारा॥ जन जनत्नमराइरत गुंन्नरा॥ अगरकु

सम फूल सज आवें॥ कामनी फूले मन्न सजावे॥ रीनारेन-

समें नज सेज सुधोरा॥ पीया प्रेम रस लज कु हारें॥ आलीज

तहे येसलु मारी॥ लोसें जयल सुनायल हारी॥ ॥

दोहो॥ ॥येत जसंत परम रसा॥ अेह मान अेहत्नोगा॥

सज प्रथवी तुम देखेइ पइहा इरत हे लोगा॥ ॥ मेंना

आयक॥ ॥चोपाई॥ ॥मेंनां कहां मालीन कुंवर

कठो॥ जो होत मांल्य पतराफे नांही॥ दुली दुल जयन सज

सेरा॥ मेरे नेइन आयेने वा॥१॥ ॥दोहो॥ ॥

रीत जणरीत रस जेरसा॥ सोमोहे जयम सुनाया॥ रते सजे

रस त्राय ॥गा॥ जजलालन घर आया॥२॥

तीआयक

॥सोरठो॥ ॥ अेह जालीमे घाया॥ सायधन योजन

[illegible]॥ ओ॥ मांल जिहूणो लयाप सतायो पाछे रहें॥षा॥

दोहो॥ ॥जेरा जा मनड़ी कुहा॥ लग लग कुपलन्नयां

ढेन रीत ल[illegible]एणी अेकसी॥ मुरजं कुं समझायो॥३॥ ॥

सोरठो॥ ॥कुपलल [illegible] नांन्न योना ! अेकसी पीउ

जीनां॥ ढेण रीत क्युं समझाया॥ सेज पीउ जिन सुं[illegible]

वीा६॥ ॥ध्येणडो॥ ॥मेंनांमासस्यो मैंस
मुंगीमहनलयणः मतनकुवी राजुं॥ सुलराजिरह उडाज-
लणे॥ जेहहीनपीठ मीनाक्यों सोहाथे॥ णि॥ मनलव
ठामनहोत सुजपायो॥ बिनाकुन जिरहजज आयो॥
सरसरस जे अंजनु आयो॥ मेंनां बोलत देह मीला-
यो॥९॥ ॥सोरठो॥ ॥जेह योजन सुंन्नयो॥
मेंनांसुं मालीन कहे॥ प्रीलकरे नहीं आयो॥ टेक अंपदे से-
रहो॥१०॥

मेंनां बाच -

॥चोपाठो॥ ॥लालनबिना होय आप मुसावें॥
यें या करी तेंसों आगे पावां॥ योरे उत आपल लवें
॥ धेनयातेकेसे पत पावां॥११॥

ती आ ५ -

॥अंजमुंढरगल अयो॥ ला लयेरवि रगणीगावें॥
मे कुणी रीतपीठ बिनां मांनो॥ तह मालीन पीठ कुहेठा
ने॥१२॥ ॥दो हो॥ ॥मगन लल संसार है॥
जिरलापेल ग रो॥ जेठ मास तन जति लपे॥ मेंनां बि
र अपारातको ॥सार ठो॥ ॥जेठ मास र
ग प्रीत॥ मेंनां पिउ मलीया हो॥ रस अन नही री॥
योजनांयो तनमांए॥ ॥दरठो॥ ॥दो हो॥ ॥
जेठ मार पीउ प्रांत रु॥ मेंनां मन र
लया जनम वे॥ सोरें नहो हली ज ॥दरठो॥ ॥

मेंनांबाच्य -

॥चोपाठो॥ ॥उंल हीन दुती जेठ सरा॥ पाव अ
रे धन धुलणडरा आयो॥ ती लोहे लडोर न जी॥ र ढ-

होनेरुन लालन पाऊं ।।९।। सांधसी गगार बोलन धाछो ।। ५
हार रणीगो लोकु लागगो बालालीलाररार युगायो ।। लज
मेंना घर लालन आयो ।।३।। हेरे त्नोगर, मोरीलजांयी ।।
आजसूती घर लालन पाछो ।। मुण सुरंग तन लालन सूरत ।
।। लालन आज्ये घर मय मत्ता ।।४।। । ।।

मेंनां लालन सें

।। दोहोरो ।। ।। ले ।।सी याले मेरहू सत्य राजो मीर-
लारा रा गी गोन ले गीजे रहरे । गीगुन जैन गुले गुर गीए
।। [redacted] ।।सोरठो।। [redacted] ।।आप पुन्य होए जीनो ले पा
यसो ही पाजे ।।१।। सायधन जेसा हीनो ।। तेसा आगे पायहै ।।
२ठा।। ।।ख्योपाछो।। ।। मेंनां मालीन कूरज्यो सा । ।
।। न्याउ हार हुर गधे यहाछो ।। मुंडे रस सज हुरही हीनें ।। हारापी
र सुपरीहा हीने ।।१।। गधे पर मालीनकुं यहाछो ।। हार गट स-
जन गरह हीराछो ।। जेसा हरही लेसा हूल पावो ।। हिग याले ये छे
जणण न आयो ।।२।। ।।दोहा।। ।। नल मेंनां होपी
र रह्यो ।। आल रही संसारा ।। हुती मालनन रही ।। सत बा-
जो हुरलावो ।।३।। ।।ख्योपाछो।। ।।जेसो सतन
राजे होछो ।। लाडी आलम्यु नुगमें होछो ।। ल्लो आते ल्न-
नो फूल पायो ।। पुरी आते हुरज लल्नयो ।।४।। ।।सोर-
ठो।। ।।फैसी हेन होयो ल्नहुं हुनाय सायसी हरीो ।।
मेंनां सत्य सही गयो ।। मधु हुहे हुन मालती ।।२।। ।।
दुहो ।। ।।जेतमाल जानी सुनी ।। मधुही जुहू जपार
।। जेहु ही हेहुतां हस हेहुतां न लागे बारा ।।३।। ।।
छेति मेंनां सत्य लालनसा हुहो प्रसंगा ।। ।।ख्योपाछे
।। ।।जेतमाल मन मध्य बिच्यारो ।। आलनतो जेहुज

कूलफरेगो।जगरल ।सीगरोहीनके ।पाछें मंत्रहानकाहू सेहें।गीगजनही मंत्रसलीन ।। कूहे।।कूनी ।सेनरथरूस मुहोमाले कूनरमरणीता।स्सोजि जके पीनकहोगे।। म लनचालछें नीरलानि गरीपपदीके मंत्रमो नीहारीौ सहीनोऊ पालसगारे।। ।।नीलागपिलयोरनलायो।। ।।मधुलेंडहीसोमोमनमानी।।जातीयो। तोअनकहोतामी। ।।हेयनमें बीतीसों हीनों।।मेरो जयनसत्यसुनलीनो।।१०।। णीजा जानिहै लछ हें लोहीा।।गाद्विपष्याहुकरोतुम सोहीा। पुरणनेह ग्रहेश्री रामें के आतन ।।आतंजनडीनो।।११।।

म जायक•

पुरज गतीतें रोण नन्दे।।अजनृप जनीयांकरठानो।।लरड पुधले मनमें धरीयो।। छेनआतन सें ।।स्थीरो।।रो।। उनत रायजेह छानमें मारो।।निरस्वारथ जेहु उधजीयारो।।जिगरें तें जसीडीइ रेहो।।सापछछुंदरडीगतसरहें।।डो ।। दोहा।। ।।सापे ग्रही छछुंदरी।।दोआतनजरनोयाने छे तोआं रो।।लषेतो डोढी होथा।।।सापछछु ग्रहो मनमें जेनोय ।। छोड नआंधगोगगे तो डोढीहो या।।।।ते ।।उजलेनहुं।।सोसुजगयो दुरायां।।जैसें साप छछुंदरी।।।।१३।।

मालतीजायक•

।।चोपाई।। ।।जैसें जयनहोनपैं लांवो।।लो हूलेनमें राजो।।पूरन ।।तलनल मीतधरीयें।।लो मरवेडानकहालोर सीयो।।१४।।का घेरसोसज्जामरे।। ।।हेसोम्पनहोणिध रे।।जजडनी यमें जोराजेम्यारो।।सुज डुपस ज्योसोडो जीनहारो।।१५।। ।।दोहा।। ।।लाजसयानहोर

सुधि।। [redacted]सो सगरेही या।। अनहोनी होनी नहो।। होनी होय सो
होय।।पंगौर। चरा अेड सुलछनी।।रेहलो पर अल ठरा।।सब पं-
छीन ते अेड सेसल्त हराम्यो करला।।दपणो।। ।। ।।

मं ९ अध्याय·

[redacted]चोपाई।। ।।मालताडु नंधुसुले अैसी।।सुवटाशी पतरा
[redacted] सी।।पंछी।।सुपि सहजही भु[redacted]।।कुल तें गो।।

मालती अध्या·

।।दोहा।। ।।कोयल कही कुंधि सूं छांड चली घरभारा।।सुय-
टे लागे[redacted] योग्य।। सुयो[redacted] डोपकर
[redacted] चटा।।पर [redacted]।।सुघेटराम पु[redacted]
[redacted] कोयल कुंधि जिग्रह [redacted] नमें ाोघ अनाय।।तम
ढेरी क्रम पुरष न [redacted]।। ।।चोपाई
।। ।। [redacted]।।दुख छांड तुम अजो
नारी।।जिग्रह अेहनां हासरही।।मोटा हुज सप जिग्रह हरे।।
पा।।जिग्रह रायरं हत छीना।।अेग्र [redacted] ग्रंथकी डालेता जि-
ग्रह नयलोनय अभाग्यत जिग्रह जिग्रहो अदो संसार।।दा ।।
दोहा।। ।।तब कोयल मनसो प्रडसा।।हरहे डरे जिम्वार।।
पीणी लक्ष पीणी जिन ज्युं रह्या।।कुन हड लरथारा।।दपणो ।।
चोपाई।। ।।नेंन झरे मेहले नीसासा।।मन में क्रोध करणी
दासा।।फेर फेर कोयल पछताये।।अबतो मोहू न हे मनाये।।
दपणी।।अब हुं कुन सरन चल अणी।।काल दैन हे अती डराणी।।
आगे मेंहे सेंहर ही रहा।।पुरुष दुब अरतेडर हूं।।ए।। ।।दोहा
।। ।।कोयलणी हांसेंनी करी।।मनमें सोच अपार।।सूय-
[redacted]न पती।।घेर लगी जीन पारा।।दपणो।।सुयगा अेडही पन
पीको।।ला जो हरी हर नामा।।हू आधे तुमही सरना।।तुम राजो

कै ।।।।। ।। रु धराजायकु।। ।।तुं आछे के

सरनो।।मोसूं स्नेह खलाया।। कुअंगलडो सुघरा।।राणु कूं न सू

ला।।री।।

ढोलस जायकु.

।।थ्योप ठो।। ।।मेरे कंथ रीसा घे।। हो।।अजके थे सन्ध्रे कं

हें तोहा।।सुघड़नो सेइरा घरपासा।। ।। अंगलम हीडे ठीहास

।।उ।।

सुघड़जायकु.

।।ए दोहा।। ।।तु हाली कुहर सनी।।सूघडा थतु रसु ल्न

ना।।तो मो प्रीत कैसे जनो।।अंकुर राष्ट्र प्रान।।णे।। ।।

ढोयलजायकु.

।।।कमरन मिलनके हारनो।।जाये ने हनी ।नो।।सीस दीये ठी

न ब्यात थरा।।सो क्युं दीने लनो।।।। कुआ छे तुम स्नेलडा।।न

प्रीतर लग।। जलतीला।। कु कुनी डर कुं या।।डरी।।।।तुम डरी हनों

र प्रीता।। दा।। कंथ प्रीरोध मेसो।। यां।। ।। ।। रासो कु

मा ढोलुसघड़ रला।।तु भराजो के रतरा।।णे।। ।।थ्योप

ठो।। ।।सुघड़ जालडोयल ।।।।री।।ऐ हूजग सार कु

दीपररा नां।।हु रहीडे सभन संसा नां।। हो।।अज ढोयल मिछरे

मो।।यल्नं हो।।णा।। ।।दो।।।। ।।ढो।।।। ।।

सा।।परतल जरायो अंगो।। जन सुरायो रही या।।सोल रसंग

नरंगा।।ड़ो।। ढोयल कंथ मंदारगय ।।मय. रलये हना।।

।।सू रल लख्ठे ठोधत हुश।। रत गाम ।।।।।।णा ।।थेयोपा

ठो।। ।। मय.. रज हीर नगर मुझार।।।।जुपणे।। सो

अलनारी।।पाय ना।। हूअज डरहूं कैसी।। दल गया।। यरा

देखी।।।।।। भर रैठो।। हे।। ।।री।। जल्यां हां ढोयल-

नारी।।गाय लगत ल्यां ।।हूरन मिलाया।।।। ल हरन ल्यां हां

लय रानिरा।।।।।। ढोयल कंथ ल्यां . रा।।गये।।।।देखी-

नीचा कुचरोस लरायो।। अब हूं बोलहूं तो मोहे मारे पे
करे अपंच्यतो सूवटा हारे।।७।। मन में बोस करत हूं सा रखो।।
सुवटा देव के कहतमासो।। सब पंछी रग लायु कुहारी।। ते
री आज उडाणी नारी।।८।। ।।दोहो।। ।। अथकु
रन तबरी सहकरी।। उठो पंच पसारो।। अंतर कुयमें आय
रे।। हून लहे संसारो।।१।। ।।चोपाई।। ।।
कोयल कुथ उड्यो सीरझारी।। सब पंछीन सुं करी पोकारी
री।। मेरी मेहेरी सुघरे आही।। अब हू कुरजल लेहू नहीं
।।१।। सब पंछी मीलके पुछे जांनी।। केहु सुघी तुम कुये
करठांनी।। मेहेरी तेरी आब मीलघु।। कसी तुमरे हेकार
न अणी।।२।। ।।दोहा।। ।।पंछी दूत बोणुं
मीले।। सुन सुघराणी पर जांया।। कोयल सुं संगम करो।। अ
बनासी डील नयो।।१।। सुवटो समरे राम कूं।। पंछी करे पो
कारो वे पंछी मोहे मारी हे।। अब तुही राखे करतारा।।१।।
सब पंछी लेगे नयो मोपर कोप चढी आयो।। अब केरा
खो सामरे।। पंछी परके दायो।।२।। अही हरेनां करता सु
नी।। मन में पण लाना।। अब के सुवटा राखी हूं।। वेसी ल
उ अयाना।।३।।

कोयल आयक

।। सब पंछी सं युं कहे।। कुल देहूं ये ही दाघो।। के मोही कसी न
न होके सूवटा लावो बांधो।।१।। सब पंछी परजत च
ढो।। सूवटा उपर नया।। मेघ घटा युं उलटी।। मारो मार बो
लायो।।३।। बगसारस पंछी मीलो।। कोयल काग अपारा।। हं
स मोर चकोर सबा।। पंछी पांच हजारो।।४।। पंछी उलटे पो
कार सूना।। लसाली कोयल नारा।। सूवटो पकरो पेखं करो।।

सो कहो मेंहु मारो पाप पंछी कोप करी कु गइ ऐसो कहता कहेसो
हुयो आगे आडकु याल छे। भील हे सूनी ये सो या।। दो
।। ।। श्लोक ।। ।। पारधी अेक नगरमें रहीतो।। त
को टैल सब लुभो म रहीतो अेक जव जीवनकुं मारो पाप
करत कुप नहारो ग।। ।। दोहा ।। ।। परी लुभ
जजपे थीतो लीनो जाल कर लथा गर्म लीभ्यो सो जां
मीरें।। सव [redacted] लीनी साथ बांधकरा ली-
नो आज रंधेंग [illegible] पर जनपर सब [illegible] लोत्यांकुं
प्रसंग [redacted] जो होत देख के। मनमें लयो आनंद तो अ
अहूं ल लेवेकी हूं।। पंछी पड के कुं।। दृष्टा।। हंस, मोर, कपोत
हा बग, सारस, कु[redacted], होला चकोर के।। आल अ
डोमो लाग।।।। ।। चोपाइ।। ।। युक्ति करी कृष्णरे
रोपे।। तीन पंछीन पर करता कोपे।। कृष्णर पायके कुष मी
लायो।। देख्यत पारधी जो होलर अपायो।। रोक रता मोके
आन कृष्णु दीनो।। पुरन कृपा अनुग्रह कीनो।। मनमे सोच्यकरे
के आरा।। पंछी आये पांच कृष्ण राता [illegible]।। यो करी कृष्ण
जीवकुंहुं आयो।। कोठे अे रोठे जीवत ग्राहयो।। [illegible] मे
रे घर हूं हुं बंधा [illegible] लीसोन धर्नी थपागो [illegible]।। ।।
दोहा।। ।। कुठे मा [redacted] कुठो कुठोन
ल लपेर हो।। [redacted] गांठी।। [illegible]।। सब पंछी बंधन ल
ये।। जीवनयंत [illegible] लासो बांधी गांठ पंयो [illegible]।। लज रू व
टा रहा सरा सो।। दृष्टा।। [redacted] ।। ।। समरो म
कपोला।। संकट मध्य [illegible] गारी यो।। [illegible] अखंड [illegible] ही
है मध्य संता रीया।। [illegible] ।। [illegible] क
पोला [illegible] गत गया।। नर छत [illegible] री [illegible]

नन्म अहारथि जोयाा९९ ।। ॥ कवित्त ॥ ॥
॥ऽ जननडी आटसेंग्यां जग्रहीं ॥ तजे तांन कुंआंन र गेसररे
पै लप कपोतलीपीयार ने कहा अज आंन जिसमरो
[redacted] रहद् हाल न कंगउसो ॥ लप छु लगो सेग्यां
[redacted] नसरेरा॥ जनडरछपालगापोलथनी ॥ऽ लकुं अलजंतडोउहा
डरे॥ ॥ [redacted] ॥ ओहीमहा अलअंत
॥ ऐर कर लहघ गो॥ श्रीकृष्ण जुचन थाहो संथ्या॥ थाल
न थेडुतेकुर गो॥९९॥ ॥ ॥ ॥ गोधारी
सो जनमीया॥ तापांये जनमेर ॥ पांये लारथि जतन्यो॥
घण। ह शां कुरसा॥ ॥ ॥ चोपाई ॥ ॥ र यरास
मरो रं पकी गण्यो छी सउलहीं शान गमायो॥ ऐसीहर
सुधरापती राणी॥ मालती इथा कहसल लाणी॥ ॥ ॥
दोहो॥ ॥ ऐसा सोयजु याकुं करी कुल लेल सन लेह
॥ रअलेहु संसार सु॥ ऐ ी अलीयील रहो॥९३॥ ॥
चोपाई ॥ ॥ मधुकुं गांठी सकीनो॥ ऊत्तरनीद
की करीनो॥ ॥ रपी मालती ॥ र तुलाजो॥ रील असंत था
यकुपी कुभांनो॥९४॥ ॥ न ननीनाए सयांलपे घरहो॥ हसीग
र लगा कुंजलपील रहो॥ हरलाडेहीं ढाकु र गर्भगारो॥ अंत जी
अांन श्रीयापैं गोरपे॥ अबे थाल लेलपी घरहो॥ मधुर न
कु दोहे थोलधरे॥ हीना उर कुलो न्योलकुरा॥ लयों
न्यों [redacted] लीलो लगन जेहजेधी न्योंह॥
॥ परपलपालां गसपरस्यो गो॥ कर कुल जंप्य [redacted]
श्रुटोनाह [redacted] रेकुलसल हांजेंपु अ करो॥
भर मालती मुरायेमुरो॥ मंगल ग्यार कैलउजि रहो॥ सुरलर
मजसूपजुयाधरहीा॥९५॥ ॥ दोहो॥ ॥ जनज्या

ई मधुमालतीा व रानिरखेसूमहोया।। कूनिजिग्रहमादीईथी
।।म्बोले ... योमोयाणी

—अथ कंवरयुद्धके

।।थ्मे पाठी।। ... पमामस ोमरके दौं आयो।।मीलसेर ...
मधुमालती नारी।।मालीमे कुर्योत ।रकछै।।खिजरी मा...
त रायर्थ ... मंत्री सूल मंइराज मारो।। दीवर ... न
हां तबे नपारी।। हरहीके ... रांकु नघर हो।।मोपे छे हइणु ह
तन जन हैं।।।। पहुम पर ... लमें आयो।। कुलकु ...
या जेग मुलाये।। सूनहो मात ... हो।। मंत्री सूल
सूं हीलमील माहो।।रा ... ो छै।।सूं ...
तहां मती हुम होछै।।नीके रहेतोग्रह ग्रथिथाये।। जिगे नो...
जी लजोवे।।७।।आह हुजेगपाय ... कहारा।।म ... मालतीरोणी
कुं मारो।। मेइ कहेलनोजे अनुसरहे।।ताखुरनह मालशाहा
कहे।। ८।।म्येरी मेइत ... ला छै।।पहछे राम सुरोजन
छै।। ... मालती होणीनसुकहीयो।।तब कूंठोरयहे रसनर ...
मो।।पा।।नृपलहु ... मारनो ...
ना।।सूनत मालती मली मीलमा ...।।म ... के कंठधारल ... टानी
।।९।।

माल्हा जायक

।।श्रीतम अम्पन ... मनसूल लीनो।। मेरु ठाहर रहां नीरन पीजे
रांम्पदो ... रंग जमालिलमकहीनो।।म्पलोर ... लनहां रसरीक
कनो।।१।।

॥ श्लोक ॥

यत्रजलंतत्रतिर्थं।।यत्रयज्ञतत्रदेवता ।।
यत्रभायाग्रहंतत्र।।स्वदेशोयत्रजीवका।।७१०

... जायक

।।स्थो ...।। पमालता ... यपीरा।। रंग।।लोलहरता।

इणोंका मकुंपर हीन मीराम्न्योंमलीं हसूतही मछो॥ रपी॥

मार तीजा ॥

॥ यों पाछो [illegible] ॥ जो गेरमालती हूं ले अेसी॥ इहो मली
हसूत म छे सो कुंसी॥ मेप्रसंगसमयो म [illegible] नैसे॥ मधुसु
नाथ प्रातक [illegible] लैसा॥ रणा

म [illegible] जा ॥

॥ यंपा धती पती [illegible] पली मालिंगा॥ लाउ [illegible] अरनाम लर [illegible]
॥ अरर [illegible] जाछे [illegible] सोछे॥ लासपरंत ओर [illegible] छे॥
॥ लास मंत्री घर कन्या [illegible] इरो॥ अरस अठारे मध्य पुरंदरा॥ [illegible]
रेख नाम तर सोहे॥ [illegible] नोपर मन मोहा॥ रे॥ [illegible] रसमी
प अह ऊीसम जारी॥ पोहो प सुगंध प्रेम सुभ्रजरी॥ [illegible]
कुरन तहां जाया॥ मछे [illegible] मजना धो॥ [illegible] अेक [illegible]
[illegible] वा चार जांगमें
फिर [illegible] रूप रेख हारन प्रीत घर [illegible] मार [illegible] डोकुरी
रहछो॥ तासूं [illegible] ॥
[illegible] छे सी॥ [illegible] ॥ [illegible]
हौल हून रूपे देहो॥ जेह प्रमन हुही मंदीर आयो॥ [illegible] सोमा
लल जगजानायो॥ [illegible] रूप रेख कु [illegible] फिरी पाय
जागमें मछो॥ आपनी [illegible] नमें लग छे मालन॥ लास समत [illegible]
आछे हाथ न॥ [illegible] लपिं पं कुअर [illegible]
न सेहअसूलायो॥ अरजेगजोला यल [illegible] आयो॥ नेर जी
कुंअ जहोल [illegible] अपायो॥ पणी रूप रेख [illegible] यल्क्रम लूला छे॥ मन्यो
मालनमो [illegible] लाछो॥ सजीयन छांड आपण्यल जाछो॥ पंह
[illegible] कुअर [illegible] मनं॥ रूप रेख ते
नहीं पहप्यानो॥ तासुं पंहकुअर तहां आयो॥ अरस पेरसत हां

रंगरस—रन—॥७३॥दो॥ हांकुरताडीइरनी॥निरजतगीरी
व्याकुल होय धरनी॥मनमेंमालीनसोय जती इरहीं॥सकु
तेसीत लयो तहां मरहीं॥ पापर आरत्न अहदेरी॥लयो
प्रसंग छेहां इछु जोरी॥स्यहां कूअर आपही जैठा॥मानु नैन आं
नणीरपैठा॥रा॥कुअरी येतणीही मुसकानी॥यं इकुअर सन जुय
डीननी॥ग्रही लूनअंगणीरहीणीरपरसी॥मानु छुट गछे मं
न इरसी॥७३॥लन मन भानलये थेइ दोणी॥इही जेडौन ला
तसुं सोणी॥आंधी गांठ दोणी जेठीकानें॥लीन्हे आलन डोणीकं
नें॥७४॥मछ्य रेंन समयो जहां होछी॥अंधे अयन मिले त
हां दोछी॥जेइ दीयस आरीडे मुझारे॥इपरेण अइयं इकुआर
॥७५॥कुसम सेन रची जैठे दोणीं॥कूनी छेछा लछेडामडी सो
णी॥यरये अंग सुगंध सूआसन॥रतां सूज सूरत मिले जेकु
आसन॥दो॥ जोहीजीशीयां जेक [redacted]
सजाद सूनायो॥मोहूतक महामत लागे॥याना रजायेसु
अजागे॥७॥यीलहे सूनो धीरजडी सापी॥यं इकुअर नेसे र
दराजी॥त्रीया आसन राजी ग्रह जैसो॥इरइ आन कुअर ज
छे तैसो॥७॥लज्यो आघ नेसो मुजडास्यो॥इकरीसया इ
मुजमाख्यो॥छूटे आंन लयणीर अरज्यो॥मानु मान लीये सं
ग छरज्यो॥७॥तैइमान हाथ लेंडारी॥डीनी सेज रेज सुजडा
री॥मनमें इछु संज्या नहीं डीनी॥इरता हीमत पुरनदीनी॥
७४॥जैसे सनेडाछे धीरज धरे हां॥जेइ अरतासें सजडरेहां॥७॥

श्लोक

उदयं सहसां धीर्यं॥ बलबुद्धी पराक्रमं॥ खंडं
चयस्य विद्यंते॥ तस्य देवो पि सांकती॥ ७५२

मालती आयरु

॥चौपाई॥ ॥ कहूं [illegible] होहीं॥कूली
सातपांचसे लरी॥कृपरथु [illegible] मेरी जे
नले चील [illegible] घरीपरी हैं युद्ध छै
हां असी लारी॥ जे आयुद्ध तुं [illegible] लरी॥ हायेंद्य
[illegible] जी येतो नहीं पुजी॥
॥धुरन लुम आगम सुजी॥ [illegible] याही छी॥
[illegible] हेपसारे॥ [illegible] निरर्थ
गमायो॥ [illegible] पायो॥ कूलीतामें यह जीग्र
ह आदयो॥ करता [illegible] करममें [illegible] जील
जीलाथ यों करहें॥ [illegible] स्वामी छै न ही
[illegible] लीजो॥ [illegible] जनुग्रह [illegible]
[illegible] रहें॥ मधु [illegible] कैसें करी [illegible]
रहो कैचील हीलें॥ कुलीया [illegible] हरी गे
दीकैती [illegible] मधु [illegible]
दीस लीर [illegible] परी हें॥ जिन आयुद्ध कैसे करी लै॥
॥दोहा॥ मधु आयुद्ध
॥मालती लुजनज [illegible] पायो॥ [illegible] परन
[illegible] तेगी लोल [illegible]
[illegible] गीलालकी परहें॥ [illegible]
ट जिस्लर हें॥ [illegible] लागो॥ आ
कुकहां घरे छै न आगो॥ [illegible] पदाये॥
न जिह्वा सप मोहे [illegible] जीजायें॥ [illegible]
॥ कैसे तो हपतीत [illegible] अकुगीलोल [illegible]
[illegible] सांग [illegible] छे कैडारे॥ [illegible] रहें नां कै
ठीह सुकाजी [illegible] सोजी॥ [illegible] नां रंगी [illegible]

अपाछोतोल [redacted] ठाठाभार मारहरअपन
ढुरोअेडु गी [redacted] मुअेनारनही
भागे [redacted] गाये पपें लागेंासौन्पआगन्न ढुरोम
ढुपे सजपायडु [redacted] पान्पढपेनउयरोसल गाेभ
हुलहुधें भूमजपु [redacted] लरीडुआलेडु [redacted]
रअक्रीनीं [redacted] रहु [redacted] रीसहस्त्रअेडुसन [redacted]
ापदीसावलअेगअलाआयााबेतमालतीस ीतमधुधेरे
[redacted] अनी सजहरुरहैराागा

[redacted]

ाडडु सेरधारमेंडीनेंाहुधिगीलोललराज्जुलानेाा सीग
रो रुटडुलालडु शहुानालरवनीडु [redacted]
पधारी [redacted]
डे अरसजनसुन [redacted] होयुरुडी धालेंापीालुलो
ल अडुलोअरीहुाउयमेंत्रासमालती धरीहेंाअजलाहु
डु सूनतमरबेहुाापछे युज्जू [redacted]
पनोडारन सारोाामथि मालतीअनभिस्तारााापाछे अ
ने ल रहुडुरोाापूर्जबनमरोडुरं [redacted]
नल ी डारबहुहेंाा लमरसमुल [redacted]
लवीअरेहुा [redacted] गेरअजमरेहुागिरेाा ाा
मधुआयडुाा ाबेतमालतेंअलाअलाछोपछेहुजूअ
[redacted] अेरीयं अेआलनहोछेाा ानसयोनस
अहीअेाठीााणीअल मध्यम नअपरीहुाामुसलधाय
डुहुालाडरीहुाअडु अरछनडु समजणीाडुनापाछे छेहुअु
[redacted] ााडुरडु आयगयेनेरााा [redacted]
[redacted] डुरटेराडु गया पायडुडीनमारोसाडु [redacted]

[redacted] ध्यारे॥ पाछे गजमुख युद्ध छे करे है॥ क्षित्री तो क्षि-
त्री मुख यह है॥ तो ही परको आयुद्ध धरी है॥ अेक थिपेर ले मा
रत मरी है॥ ७६॥ सुनत अध्यन म हूकी सलागे॥ गयो-
पलाय पैड दस आगे॥ तम गी लोल हाथिमे लीनी॥ अ-
रज न मंत्र समरण ताहां कीनी॥ ७७॥ आवाहन कर कर
मारो॥ क्षित्री हुड अिलड करी डारो॥ अेक अेक कर कर के लागो॥ सी
गरे युद्ध न के त्रृम लागो॥ ७८॥ क्यों अर पान र लागे कारे॥
पंजर हीड मुर करी डारो॥ के ते क मुखे भान सल छुटो॥ के ते क नी
सलर धरती छुटो॥ ७९॥ के ते क घायल सो नर डोले॥ के ते क मु
खथें अध्यन न बोले॥ के ते क गर्व लरे तहां सुतो॥ के ते क मान-
लंगल ये मूतो॥ ८०॥ के ते क मुख नीर नहीं मागे॥ के ते क ग
ये राय पें लागे॥ के ते क मधु सरन पल आयो॥ संकर निरखी
अहोत सुख पायो॥ ८१॥ मधुकू लीर अहोल अब परहै॥ तहां-
श्री सुल कूर है॥ सीयर छाजे सी हीडरे है॥ सो नर कू
कल कीन ते डरे है॥ ८२॥ ॥सोरठो॥ ॥हांसो
कटक कन्नर॥ नी पाय कु सोय कहुने॥ नृप पें गढे कावा
घा रल अे यखधनो॥ ८३॥

राज चंद्रसेन आ कु

॥च्योपाई॥ ॥चंद्रसेन घायल सूं जुको॥ के तो क क-
टक आन नगु जुको॥ सो आत स्वजन सुन पाई॥ ता-
पर लैनसी कुम कु यहायुं॥ ८४॥ घायल केहु कटकु कोउ नाहीं॥
रनगी लोल मधु मारे ताही॥ कुकन मारी छीक सज कीनें॥
॥ हुवे आयुद्ध हाथि न लीने॥ ८५॥ चंद्रसेन नृप आत न
मानें॥ अनीया कहा युद्ध की नने॥ लरी का अेक कह युद्ध-
करी ही॥ कटक गीलोलन सूं कीन मरी ही॥ ८६॥ पर अक्री-

रोणी नीच्चे आयो॥ सूनत [redacted] ला जो पैंचसन
ह मनभो गैरसनझीनो॥ च्ये ह्दभग - पआउयादीनो॥ छल्ल॥

न [redacted] .

॥म ? अभ होकुरो .मार [redacted] अपनोकुलभि
त्तारो॥ जेत्ता न्रतो ठारही छांडो॥ घोछैथल में अइथलमा
डा॥५॥

म ? आयइ.

॥ न्हपेकोच्योर गेच्यफील न्नणी॥ छेन भालनरैलो पन पाणि
॥ न्नेसू [redacted] र गतें त्याने॥ जे रे हाम झरन कूलसा
जेर॥५॥ ग अगभनाया। । न्ने [redacted] न्हपकुभरी
क ग ठाले॥ .मतम पभ प्रेम नीरघोरो॥भी नीरमीती-
गेयननयारो॥७॥ वन सं ? म तजीलत्रणी॥ लुभकही
रेछ कु [redacted] ग मालती जनयीसतारो॥ कुनी
म ? हरके न्नुधि हुडारा॥८॥ रामसरोजरके दीगचारी॥ छे
टेजडे फूछ मतवारी॥ त्नार सठारे न्नत न्ननेरी॥ सोसल्न-
छे मालती केरी॥९॥ तो लुनेलपवन आराधे॥ सीतल मंदसु
गंधही साधे॥ अलीसुभासपणीघीसकु ? ग ॥ छे॥ न्नमरसमुह
सेनचद आछो॥ गोझाडरमधुमांषी बिषकेरी॥ र नीसुया-
[redacted] थे घेरी॥ मंत्रीसूत सुमरन अकरहो॥ ह्यो त्यो-
अलीसमुह बिस्तरहे॥ ११॥ लैसें समेंकट कयली आयो॥ म
धुकुजरउतसे उठ धायो॥ मालती घेरजाने लप ।नं ॥ भे।
ले जैतमाल कहा बाली॥ पाघीरो कुजर जैनयील दीनो॥ आ
[redacted] ।नो॥ न दीलीन हुमनीश्चे हो छे॥ सो झारे
[redacted] ह्दह कीछे॥ डाकीटकपें सजकटकु जयाणी॥ लाकु जेहप-
तीन देजाणी॥ अलीकेडसतनु वतणी जरी ॥ त्ताको आन-
युद्धतुमकुनी हे॥ १५॥ सुद्ध सयान यातुरी त्यांजी॥ जेतो-

सत्य सुनाणिं साभीीान्नेतोन्ने हलरफेंा साफ्जयुक्त
हुणी ह्रफेंा ॥ आवत हरह व्रछ ऊंग्रे ने लमर समुफ्
माछीसजछेरा [redacted] ौंअसी रेन
युधिपरडारोाणा जिरमे लमर हरहमें जायेंा जैसें टिड्जे
तपे धायेंा कोटही हेर जेह तन लागोमा अंगार भृष्टं
तन दागो ॥ जो स जरन सज हरह णीन्नेरोापरसमें लये
हागले हरेाा लमरमो रमांभीलनहेरोा मानुहरह हमरी
जोरेाा ीाडस ीलमरमानुपे भिछुा ऊड़ी तुरंग फाडा
रतपिछुा न्नहा कुजन्नी जती गरोाणिधरमुंड लये मतवा
रोारोा लुरी ताले रजपहले लागोमां ने मांहे सज नन्या
गोा हकु हुजान ह जहलर तुरोा नेन्न सांग हुरसी सज छुट
ाागो हहू भंजर हहू गीरी हटारीा हह [redacted]
न्यारीा हहू जं हु हहू हतीभंडाा हहू गुरुज हहू पटा छंडा ॥
रोा हहू हुजान भाल हहू हहा डारडोर सज लूहन लूहाा
गीरचोा हरह लरफे आयेंा भिलमाहेसज घरनी आयेंाप
ानरह रंगतनु हुणीन जंम्योा निय ले सुज सजइमजंम्योा
मधुरसों युरु [redacted] आयेंा जैसें मेघ घटा घोरायेंाा हा
न्येअहु घोणीसो लागें ॥ णीमपुहारहीनी नृप आगेंा सुन
[redacted] नपाछोगो
पांच सहस्त्र सेअलीआयेंा नुठी भात हहांथें ल्यायेंा हू
नी पुहारतो लोंजहीआयेंा डसे लमर ते अंग दिआयेंा
ाातोणी नृपचीत भानन मानो हछू सांची हछू नुठी ननेंा
परचक्री हुणीनीहीआयेंा लमरहेप हछू सिरु रचलायेंा
ाा हू ऊंहनहो हुथे नणीा घरबैठे जैसोहीतपाणीा तोरे दूत
नीसानेघाछोा अंग्यासहरहूहरनाछोा ॥ णाधोरे नीसान

मांनुघनराठौसैं गुरागजनेसरनाठौगजतुरंगतनचंगी मढायौसज सेनाहुसावतम्पदआयौगौतमरडसनकूं ठाकुरनांहीसजदलबतनडीयोतजतांहीतुरीसत्रस्ने: सच्यंच्यलनलातोकुंनरपंचसहस्त्रमदमातो । गजारसहस्त्र तींटछजीपायौछतीससहस्त्रनायकतत्र आयौतांपेचदे- लतीठोरआ गोरेपंचसहस्त्रअलीबायौ । ओसत्रोणीतस जतगीते तहांसूरोनृपजनेछेहघायलपूरोलागेसांगप रसपरनेजाहाडपंजरतोडफटीतेजाथायाथेंनृपपरच्यक्रो जनोत्नमरघातलजकुठांठा । [redacted] कोजेरचुला यौसीजधीनीच्य रीसपठायौपा रोरे [redacted] आयेप अंतक जनलरजतायौ । ठात दीसा दूतअडधायौ । सोकू नासज सरोजर आयौ । गजारीमें [redacted] रेजादीगही जेतमासतहांपेजो ।

दुर [redacted]

गहोहो ... [redacted] दोसलाअरचीजनडीषा यातोकठन जांधेसजीाहाडहीयेसपरायौ । ... राच्योपाग जो ... । सडेन [redacted] नीासलासहनजनीसकूदीन नीादोगकु [redacted] तोहीपी जोरे [redacted] आंजपरंतरडान द्वा ... [redacted] मपु [redacted] लेंानंतेडो धुसहा [redacted] ग [redacted] या सच्यजेलछेहसेवाासिहमांसडच्याहगंवेवाासीटपेजेल ० सच्यपाठौतोकुंजेहगुडदीत [redacted] राहजरडंली [redacted] चारीाजिनजसंतडातजेले [redacted] जरतुंजरदलहचेंल पेतोहीचेहकु [redacted] डोनप्रानतो । पैठौाडहीयेडहाडोनजिघता गीाजेडपेरडूरे

जनानांहीसागलेसरलमारीलयो गयोसीमैठेजानजेडेरान
न्यानेोसेंसेंसमें जानडेणीधेरतणीचे डेरसोडेणीनतेराणी
तेरीडुमण २२डेणीआयोाहूंठेरे वीरायपठायोाछलज
लहोयलोयुद्धहीमंडोीजांतरम यहठाहरछंडोाणीसीय
हरहां जरीमाजलीजीनेोालसीठेनडे रमेंरीनोाहुनदीं
टहोयजोलेगादोागीरयीरालजाग लेराडोा ॥

मधुआयक

॥गारनकुलजधायपजावीामधुडुजरहटीणीहीजारीा जे
हगरी जणीपरडीलजीनेोाजेंसेंजयननाीयीलदीनोणीा
जलपर नरहोयजननोाणीनरं रोसनडेरेसयानाहोन
हीजोरनु डरनुंडोठेनजालनडछुसेरेनसूडोाणोाहेहरीनेडर
गेंदेपछारोाणीनहयिनमेंडरडीतमोरोाठे त्रुठेगजगहूनजने॥
सोडरलुतजेडेगतठनेोाणीा

श्लोक

यस्य ष्टेभयंन॥स्त॥ ष्टेनास्तिधन ॥
उग्रहोनीग्रहोश्चैव॥सकृष्टेकिंकरीष्यति॥ ८०

॥दोहा॥ ॥लडेठेडछुडलहीातुठेसेरनडनोातहां
रीसडलडीजदारोजालनडाजाजेरीा ाचोपाठो
॥ ॥दोनो लजिदायडरतजहीाडेरहोरायडरीसडेसे
जजगाोानयनयमणेडेहपीठगाजाा सोक्योंडेरे पेडु॥
जोाणेरेवा तजा जप रलहीडीनीाायेदयोडेपन्पजा
ग्याहीनीाापहलेजेहदाजी पेरडुपछारोापाछेडुटडजोजेडु
मारोााजाादलडीने ायींनडेहसडाोसीन गय ाटे लनडाा
घेरेरामस जिरयारीाजालजहांतहांसयगारीाणोज
लोयाहुयोडहां रहोयोापरताडेरलहांनुसमैयेाा यगान

थरन धुलमीन मैहौंा दुदेहा ड निसानीन पैहैंा पा मैंसें जय
न डेहु सन्जे टेरोा आरी आलम्यहू हीसघेराा सिंघन हुन्ने रजन
न्यघरहेगा गन्न तुरंगडो गी भैठन सड्डाराा लजन नृपडेहु झ्टोय
न साने गा गन्न लगायसगे रहुमदा रोाा अ नहुंन र हुमतो रनत
गेाान्नमरमोहारजोहोर झ्ीरन्नगेाा गाणीडोन्नमर हु छु अंतन
पाराा रो उयो न्यसज जेहल न्याराा लागे डसन झेपहुरतां
हीां पैहुरतुलयले हु छु नांहीां ा यसु थरन यामसें दां ा स
अ सन्नाहुताहु पर आहेाा नजसी जलोंझेगी नाही गी घानेाा अ
[redacted]
ाहुरगीलालअरे [redacted] य अटेाा पे
हलें आयगनन सेंलेटे [redacted] नरे हजहुम ा रताा न्यों
मालीमुलीगु होडारताा यहू हीस आगहात [redacted] ाा माहु
डीसा सज्योअन रुनााीाा नीरजि हुअर आहजन नोला
मुजले अमन नाहीहु छु आसेाा गृही गीलोलसुंहे हुरन्नेसाा
मेघिम सह [redacted] जिछीडु
हुरीडाे ाा नर ाड जिहुडहुर डारी हुडुरझेटी [redacted] जिस्तारे
ाा यहु झ्टे नंपरे होराा गोानर ाा पं अन्नेसं अगालन ाा
झ्टी जांहु साहु डगालन हांाा रसन डी रयहुं रीरराा गलेाा तु
री सू ड नसंडजिराने गें नअरन्नंग गानाज नैसोंा हु
र अति प्रभारहोय लैसोंा ग ा न्यीस नेने घलमा नु ा
सूनलरोसन्यैाहीसलगां ा पा ा पन्नन ा रयहुरी आ
[redacted]
नलागाा अहु सून हुअरां मालतीन्नगेाा घे ाा
दाहेराा ाा ाा र नलरवर रण न्नुहुडीाा भी ठा ला
गां वील [redacted] धांडु घी धीरन्नाा [redacted] गहूं नहज्ये

स्यांमाणी ॥ ॥थोपाडो॥ ॥दोहा॥ हेमे मधुकु
अनलो॥ ॥ मालतीविकुल अरजतणे ताही॥ केलमाल-
गडीणेरकुलीनी॥ कूजरीविकुलहेकुडीतडीनी॥ ॥ वाजुज-
नीकेयमें कोरविंयारो॥ मधुकुअरकुं डोणीन मारो॥ डामन
अंसपुनन अवतारी॥ ॥ याकीम्भ कुलवातहे न्यारी॥ ॥ ऐ
तीन लोक सीगरे छेन कुं तें॥ ॥ जैसें भेज अकोतकी जीतो॥
सूरमुनी अ नूरनाग नर न्येडो॥ व्यापे सकुल रह्यो नहीं-
को छो॥ ॥ गायेगी कोयन नकूमन मारो॥ छेनणीनकूबेत
प दारो॥ नसीसराप याके गुन पायो॥ छेदसहस्त्र लगअ-
ग लगायो॥ ॥ गौतम नार नीलाछेनडीनी॥ ॥ न्लसंघर छ-
लप्रंघसीनी॥ ॥ हरी ऊपाय यिकुमरयाको॥ छेनसीगरेन
गजेलजेस योनीयाके गुनलीलन लछे औनी॥ ॥ ध्या
नर छेककैसरो॥ छेनकीजस आकाडीस नो॥ पारथतीनेअ
रतणेगारो॥ ॥ जेवतन क्रांलोकंल्लेछो॥ सो॥ ऊतीजांजकु
लोकोगेयाके अणेनन सूरनांही॥ तेरोपीता लज्ज-
मांही॥ ४॥

श्लो०।

मत्तेभकुंभ दलनभुविसंतीसूरा॥ केचीत् प्रचंड मृगराज वधेपि दक्षा॥ अन्येचवीरस भटारणदक्षथीरा॥ कंदर्पदर्पदलनेथ्यरला मनुष्य॥ ८४५॥

॥थो०॥ ॥मातंगैं हजिइ रनसुरो॥ कुनीकेस-
रीपरजनकुं पुरो॥ जैसेरन त्लरणेरा कुमन्लेरोपैं॥ सेरजन
कु थोरा॥ दो॥ प्रथमनहेकुकुमकुं आयेंडी॥ सत्लरई॥ ॥ ऐ
बा आथीयाय दुकुन वीरस अम अवतारी॥ तुं डीनसोन्यकुलत

कैआरीणीयहुकुलरी नजनैत सुनाछै।। कछुअेक पीरजल
नमें आछो।।सुलेपुरअसोलतै अपनी।।मानकूअगहसीन
स्वेपनी।।नीअगहे स्यान अथांनप ु रोगीनेसें रविणहय त
म लुरा।।सभरथनाम अेकहे सजहोपी रेपापजनमांतर स-
जहो।।णी।।नेतमालतीयोजीपेरसा।। [redacted] नाम श्री।
केरा।।के । रो लकृतवछलकुर लहीयेो।।आगेंसेवकताराथुं
कहीयेो।पंणा।।सोमुरतकुरे नजआनो।।लुअ जे जेरहीये
अगनेनो।।सुन [redacted] तनेआया [redacted] यायीसुनीछै
ए साप्ती।।।।जन अपराध कोटी अेक करो तुं दयाय [redacted] लु यां
के [redacted] न अजगुनने नीलमें जिप्यारी।।तोगुणीक है।
अ कैडीत ताशणरा।।तृगुरुषीआय सातछे मारी।।लगत
जनतणीहीयरन संस्यारी।। [redacted] छै हुअहाछो।।लुमरें
सोपुरन सुजहाछो।।ो।।तेसरपेयहै [redacted] आंन जहज-
[redacted] पीनाीघनीघटगरहीरे राजी।।मानकूं लगीतहारापे
तनी।। [redacted] योरकमहरी रोतीं पालहुसासंनछेरो।।
अतीग्रेया अमृतनवहछो।।ते नजमेंजनपानीयहछो।।पंच
।।पृजराजन ध्यान [redacted]
मधुजालमेंघआन अतोतारो [redacted] छुपेजनपुरीहारोरा
रीोकमलनयन [redacted] लु [redacted]
।।अेक छुपेंजनपुरीहारो।।कर मोयंनजीरह तीहारा।।गे।।
परीकुमहेकाहीकमहोछो।।कुनीजरी लगत सं [redacted]
।।सेवक सतकुयहांन जिप्यारे।।पजाहोतानंन अहोरोणि
नालो।।णीप्यार [redacted] नमी मकडी
लहीयेो।।जोकहे [redacted] नकरही।।भेरहाह सो भ
न अरहीरा।। [redacted] तीस्तुलीजनलीनी।।गारू [redacted]

आव्यादीनीतीयोछे तेजीतांसुदस्यो तो जेग हु आछे महुमां लते [illegible] पणा गरेड जेग [illegible] आलाजोआव्याले डेगीडी प जे [illegible] ती मलडपल्याना ही सेतापेर न सोला डरसोंपीसोंतातीडेही तद्रण ासमताहेंतापंजप्रव्याहसे- लसैरराहेंताल्डे पाय जेड छ डे धुराव्युदालमा ढेडु मडी [illegible] नव्योंजलरात मंन गेयंयडे ल [illegible] भुनी ग्रहस्त्रजननारसो डाडेसु ातणीपमाजे हु जोरडीपठतरातातजेसें देणेपछी दलपेठायोताजेसे न- रपिजांनाग ज ायोतापिवन जेगपसइमें आयेंताहेजडु दडग्रासनमुं [illegible] हूराछेलसीजहिं नरव्यौंतोमा तेसुलटनाठगजेजरज [illegible] हरीधायोतसं डरउदडसा पठायोत स्पागज तुरंगहेव्येव्मडुातजा [illegible] लजरहेव्याजयव्यमडेता लागेज [illegible] वाडोतागीरी गीरीपरहीन पेग पाडोत रेशोजेड दीसथी डेडन [illegible] डु ज दीसथी लारेड संहारेता तीने दीसथी सीहगल गरजेताडु जरमेघडारव्यो लरजेताणात्र्यपलोहीडुदडरोहजेलागेता [illegible] लागे ॥ ॥ ॥

डारहु [illegible] रपतन गेलनरसटोंणाराजनीरषजेतवांहाछे ताडसव्यारव्यछे ताहामंडोता सी डणु जेडुन सुजेताभि [illegible] जातडे नसुजुजोतीताहींगहीहृदलपरीगयोतो जेडसहस्त्रकुनरडें [illegible] डुलसंधारेता देवन- जागेंडां गीजियोरोंउणोरा

॥ प्रसंग मंत्री ॥ राजजाय ॥

॥ राजनसोय रेज लाजंत्रोतासीडे जोरस सयाने- मंत्रीतारेडे याइछु [illegible]

गीतान गतो ओरज्यातकुं होवेलाजी ह्रांत्लख छे कुछु [redacted] जी ओ

रोगी लुमसां मलो न ऋुओं आगीतो मंत्रांतकुं . लगांगी

रोमें न्रुपजरोसयांनो गछी मंत्रीकी गतीलने न्कुछो

ह्रू जटरससी सें सोछोसना रीकुमनी कुही [redacted]

त्री जांनरानन नीलन . गों नेसे विग्रह बसदी छांहि [redacted]

छु [redacted]

श्लोक

॥ नदितीरेच्यूएवृक्ष ५॥ आचनिअंकुशा ॥

॥ मंत्रीहीनश्चयोराजा ॥ त्रयंसिघ्रंविनश्यती ५

॥ यांपाछी ॥ नदी तीरे द्रुम नीश्चे जल्लकही ॥ मंत्री

बिनन्रूप रानजर . छो परघर ल्त्रं मत्त नीश्चे कहछो ॥ ०

नायक साजीयौं ढहछो ॥ ७५ ॥

मंत्री न्याय -

[redacted] रकुमारी ॥ हुवें जस्य हलसंधारी ॥

श्रीनेपंच सहस्त्र जलीजाछो ॥ सोकुयों डरीनेनार [redacted]

राफ ७७ ॥ हूनीये तणीपर जली त्नू सो ॥ यदी जन्यजापज

लजूसो ॥ कुटकु दुलायजेत लज्लागो ॥ तजतुम मंत्र कुऊ

येलागो ॥ ७७ ॥ ॥ दोहो ॥ ॥ कंयतें सोत्न-

न छंडही ॥ सज दीन करी हीसयांनो ॥ सरयोंसर कुऊ कन-

ही ॥ सो न्रुपजरो जयानो ॥ ७७ ॥ ॥ यांपाछो ॥ ॥

हांनलात्न कछु सुऊनपरही ॥ दीगही सुगलन्यारो ठर-

ही ॥ कुठ जयन रायचीत घरही ॥ मंत्री लगोकौं नगतीकु

रही ॥ ७७ ॥

राजन्याय

श्लो .

॥सनीपातेभृयेविद्या॥भृष्टराज्ये सुमंत्रणां॥
भग्नसैन्येसुयेस्करा॥मथवार्तीलकं त्रयं॥१॥

॥श्रोपम॥ ॥अथीसन छेदेसोयंत्री॥नृपराजनरा
जेसोमंत्री॥ नारीकुटइस्वरेसोसूरो॥लुपमें[redacted]इयें
पुरें॥२ मंत्रीभाय

॥सुनो [redacted]रायमंत्रीसअठानो॥कु[redacted]मासुकनांकोणनीनी॥
[redacted] मंत्रसापकेआयो॥तअतो [redacted] करनावो॥औ
ते मंत्रीसा नसाको॥सोतुमदीयो नरनाहो॥कि सजता
के आरघ्याकारी॥अती प्रवीनसारनअघीकारी॥अन्यो
ग्रहलवकुनसों आ॥तारनतेतुमपारनशक्यौ॥पुन
पूतकुपूत [redacted]केपीत[redacted]नगर[redacted]छोपा॥ने
रेलखेंतें अंतर[redacted]छोया॥सुत
पे [redacted]धारसात[redacted]मंत्री
रांसअ [redacted] नो॥नकोघेयीतकुअकू नहीलें॥घेयीतझीगे
नृपकोघरसीनो॥मेसेंअनथ[redacted]
तकोन विधिजिनसो॥दथो अनथायस गतपरसो॥कुमंत्री
कुयीतझीन [redacted] सो॥तोपिंगलसिंहकुअछलतेंतरसो॥[redacted]॥

॥ [redacted]संगपिंगलसिंह[redacted]को

रानन्य सेंनगीयर नी॥कैसे सिंहकुअपलसेंउरही॥जे
[redacted]
तो आतनछेसुनपाछो॥सोकहाये कुमकू समझा[redacted]

मंत्रीभाय [redacted]

॥मंत्रीकुं[redacted]कोरव्यो॥सें[redacted]कुणीपायो॥मे
[redacted]करणेआ॥ी॥दछनेदसमोंकैहेंत॥[redacted]
कुडारअक त [redacted]॥रघेकुंन॥
न अछलदेणि[redacted]वां नेसों॥पंथे

[illegible] नजेवह आयो॥ अछल जेइ तहां हुज पायो॥ छोडो
ताही जेकु लो जनमें॥ पोह्यो नपरलयो कुः अमनमें॥ रा॥
अेतो कुमयेरही मनमांनी॥ अती सीतल ताहां पीये पानी॥
नेजन रूप लयो अलीमानी॥ समझत नही बुद्धी आंनी॥
जानीत जनमें ठठकारत फिरही॥ सोनी रलय कहा कहां तें डर
ही॥ जेइ ठोर कष्ठु रहे न थिरही॥ कुरला ना कीरछा करही॥ ६॥ ता
हअनमें जेकु सीं हरान्नो॥ पिंगल नाम ताहां घडगान्नो॥ कर
करदमनकु मंत्री याही॥ नंगुज नली हुयीत कीये ताही॥ ५॥ णि
नयही अछलजेइ दीन देख्यो॥ अती णीदमनमा जलपेख्यो॥
दोय मंत्री मील कीयो जीग्यारा॥ पिंगल अस कीने नीरधारा॥ ६॥

श्लोक·

॥नचशास्त्रेण युबाभ्यं॥ इहनैवपदातीभी॥
॥कार्यचैव भवेसिद्धि॥ यथाबुद्धिबलेनच॥ ७

॥ दे [illegible] ॥ हथिन ते हथियार ते॥ धन जरये नही हो-
यो॥ बुद्धेयंत कारन करो॥ घर ही बैठो सो [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible]पाधे॥ ॥ [illegible] हर-
सें सी स [illegible] पिंगल मन [illegible] न पायो॥ [illegible] मनमां
न नीकर जेठ यो॥ [illegible]॥

दमनक आयकु

॥ दमनक [illegible] नजाल॥ जनमें जेकु [illegible] वो जलपात॥ न
दीगंन सीववाहन आयि॥ [illegible] नीसंकु [illegible] जनमांयि॥ [illegible]
॥ तुमकु [illegible] तांकी कछु [illegible] पायो॥ जेसें
[illegible] सिंह डर [illegible] तो॥ [illegible]
छलन [illegible] अती [illegible] पा॥ दीन अपन मंत्री सूं नपे॥ तु जेह [illegible]
सस्माकु [illegible] दमनक [illegible] पिं [illegible] ये त्यांजे॥ रीत [illegible]

कू समझायोंॱअब वीरत स्यौं धरो नरायोंॱधीरत छोरलेपत-
नधौ॥ कू अरजनरघोषनं ॱ गलीप ओगो

सिं ॱआयकु-

॥पिंगल पुछे सनहो लाधे॥ नं ॱ [illegible]
न ३६ सुनी यांत लाछै॥ नं ॱ [illegible]

दमन ॱ आय-

श्लोक-

॥अहो सिंह बुद्धिवंतो॥ [illegible] स्पितंचयेत्॥
द्र[illegible] पाता येमृस्येव॥ कार्यभयनचान्यथा॥५॥

॥चोपाई॥ ॥ग [illegible] नमं [illegible] ॱ छौपानीपीयन-
ननसोय ॱघौ॥विमीत घोष डांन नअपरयो॥ल्या॥ ॥नलअ
होतजयडरयो॥था॥ ॥ग॥नयं ॱ त्यो रहु [illegible]
मननधरछौ॥ नंन रमेडसेजिस जैयो॥ जेरु वेरजहोर ॱरनै
यो॥ग॥सुकु [illegible] यो॥
नयो जुसालनी रहीगही आयो॥ दमनडसमयो डुही जता॥ यो
॥[illegible]॥ जेसें धरीये धीरत नेघौ॥ अपनो नम ॱ जोयेकोधी॥
जेकु जेरयाडेअनलहुछौ॥ तापीछे तुमकूं डछु ॱ घौपी ॥
दोहो॥ ॥यो डुही डीले नंअुरु पत्यो॥ गयो ॱ [illegible]
सो॥ डुही ब्रात ॱग रानडी॥ वडा जतायोत्रा ३॥ ५गा ॥
चोपाई॥ ॥ [illegible]
जली मंनहो॥ नवे आय अमतहो मारो॥ त जनुं नयकु डहो
पुडरो॥रो॥ जेरु र ॱ भी व्याल पृछत नमती ॱ पेप ॱन साहु हाय
डरो॥ कंपी॥ मेरा रछ लो से ॱ घौ॥ और साहु भे रनही [illegible] ॥
दुहो ॱ नं ॱ नं पै धीर धरा॥ जैसो ड३ णीपाय॥ डुहो
अमृगरा॥ अड्कापाड़ु लेरपायो॥ ३॥ ॥चोपाई॥ [illegible] ॥

गो । जा ॥ न जेम्र गरान्गाणीन्कुं [redacted]

ल्ह सिंह [redacted] ॥८॥

दोहा ॥ ॥ छत्र सिं, दोणमीलो ॥ ल्छे पर स पर प्रीत ॥

तब रच्छर, न्यकों कुनी बात आपरी ॥ ५॥

कु [redacted] य

॥ चोपाई ॥ ॥ ६ रस्र ॥ पुरी ले डीनी ॥ अपनी प्रतीज्ञे

र. दीनी ॥ सेंह [redacted] ॥

कहा दरही ॥ ॥ पिंगल तायपन बल जोई ॥ ॥ छत्र दि-

ढ्याये अति [redacted] ॥ तो रं [redacted] केतीये

कल, जेमरी हा ॥ ॥ सिंह छत्र आले आतो दुर [redacted]

हमार नवर्ध [redacted] ॥ [redacted] छह [redacted]

ल मयान मन में नहीं येते ॥ ॥

६ [illegible] आयक

॥ दोहा ॥ ॥ दमनक तब औसरी कहो ॥ लये छीन सब

गत ॥ ते मोसे पहली कहे [redacted] गे आई आत ॥ ९॥

॥ चोपाई ॥ ॥ ३ , दमनकु एक बुद्ध ठीपाणी ॥ होत-

प्रभात छत्र ले लणे ॥ कुरी ल्हदोणी दरपाणी ॥ छीन ए

कमें बिराध कराणी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ हीच

छत्र न्यये ॥ सू [redacted] पासो आन रैं तो हंमा

रही ॥ आयो तेरा [illegible] ॥ चोपाई ॥ ५

सूनत अर [redacted] डीतार्ध

॥ हुअ संग करी न्न [redacted] लन

यो ॥ २॥ वृषल आयक

श्लोक

॥मुरर्वसंघाच दुःखत्वं॥पंडीतोपिच प्राप्नुयात्॥
॥ तस्गाद य ॥धनं हानी॥मृत्यु [illegible] दोभवेत्॥२

दमंन . बायक -

॥[illegible]पाई॥ ॥तब दमनक बोलो कसी बांनी॥[illegible]
[illegible] अैसी कहानी॥ कैसो ऐंटक [illegible] तेर [illegible]
कुथा अृछलले [illegible]॥

अृछलबायक -

॥सोरठो॥ ॥नंगल अेक अज्ञानो॥यार के [illegible]
तारे है॥नाम [illegible] नराना॥सिंह अेक तामे रहे॥पा ॥
दोहो॥ ॥ताके सेवक तीन [illegible]
रा॥सघा अेक रंगीर॥ अेक के अयी [illegible]॥ ॥
॥चोपाई॥ ॥ऐंट अेक रानको कोणी॥अृकुलयो
बन छोडो सो॥ लैरसी संग रे नर कोणी॥ अैसो कुजहीपा
वे सो॥ती तीन मींत यह बन में डीने॥ड्राग,सीयार,सी
९, यो तीनें॥ बन रान पासे लेआयो॥अत्ले दान [illegible]
दवायो॥ अेक समें गज जीही बंन आयो॥जी बंन
रान जीही परधायो॥पंनकाडतोडे डारयो॥तादीनसींह
लयो अधसारो॥ परयो नल समें मुभन मरही॥आपे
ने मीतन कुं सूध यरही॥ आये मिंत कगीगत्त कही॥ तूब
नमरतसो सूध लही॥ अेगोयारे दीसमीं [illegible]॥
अंतवां [illegible] रडीयो कछु [illegible] आंन सिंह पे कहीं॥
बनमें ऐंट अेक बेर कछो॥ [illegible] सिंह कहे [illegible]
॥[illegible] अरर कहे॥तज
पनो सेजहोडल दे [illegible] सिं, कीयो॥ ऊन राज्यो॥व
[illegible] नयलगा [illegible] मात [illegible] मरेने ही॥ अबनस

सज अपने सीर रहीा॥३॥

श्लोक

॥आ॰ दाप्राप्नुयांत स्वामी॥ तस्य मृत्वा जीवीना॥

॥प्राणेषु विद्यमानेच॥ देहांतेन रकं व्रजेत्॥ ४॥

॥दोहा॥ ॥स्वामी स टपरो सेव नकरे दोहु

र हु लागो सीरो तहु नरकको ठोर॥ ॥येपाछे॥

। सज मिंत मीसकीयो ति आरापोहोम्पेन्नय सिं ह र

॥ज्ञति थिरधर सिंह [redacted]

रायो॥दो॥प्रथम ॥ बोल्यो सत लाया॥ मोय अनुग्र ह

ीने रायो [redacted] मां

स हु [redacted] पा करो अेह कानां तीन

ऊठ बोल्यो मृगरानो मानस [redacted] करो संसारीकुं

लक्षु नन लायो [redacted]

॥नत नत सुं लपेन कोछ [redacted] ना मीस अेह कीया॥

[redacted] विारा॥ जी वंटपांस छे

लांत क गयो॥ मारयो लाही सजन मिलआयो॥ जेसे

[redacted] नलागो॥ जजमें नगी कोनक आगे॥ ए

॥ कह दमनक अेक जुकु णीपाणी॥ कु पहीलेपींगलपं न

[redacted] आय सीस नमाणी॥ ने छे [redacted]

पाणी॥ पि॥ दमजक नयसिं पे ठांनो॥ दमनक कह्यो

सो वृषल नयमानो॥ मही मृत्यु अजहो आयो॥ ह

मसाडे कछु [redacted] तेह थ नहीं

॥नी म्यो सीस कष्ट करी मंही॥ तेसें समें नं दीगन आयो

॥पिंगल न ी सम्पेल कराये॥ ३॥ सनमुख सांग करी

यह आगे॥ घाले मनकी कोनीलपाये॥ अेह समें दोनि को

पही मारोगा तुम दोऊन में कोऊ न फारोगो ॥ ॥ सोरठो
॥ ॥ मंत्रीकी अेह रीत ॥ साम दाम भीधी कुरलेहुं ॥
पलमें करै अनेक प्रीत ॥ छल बल दे पलमें रहू ॥ ५ ॥ ॥ चौपाई
॥ ॥ जो होतउ अयन कहां जौं कही छौ ॥ मंत्री ऐल-
चो मन मौन ही मिठौ ॥ ग अजु अे कूं अे कहीं राख्यो ॥ मंत्री
जिनासू सारल फ़ाख्यो ॥ ३ ॥ स जन [illegible] गीमीलउ प समझा
यो ॥ तज [illegible] तारन जग [illegible] ला गे ॥ ज चलदे अंग वे र-
लायो ॥ पकरी जांहू दीग [illegible] बैठायो ॥ ४ ॥

बालपाग

[illegible] तारन जो [illegible] जा ह्यो ॥ सैंनो कै कुछ [illegible]
ह्यो ॥ [illegible] समझा
यो ॥ ५ ॥ अड यो
॥ तो लुं पहुर अेक अट्टे रो ॥ लरड सिं [illegible] आन लघै रो ॥
यो [illegible] गान [illegible] रंग सज छुटे छि
[illegible] ॥ ॥ तारन [illegible] रंग कुलल दाबौ ॥ रलपल लल्यो जी
ठ्यो सीरलाबौ ॥ हु टक्यो तिं [illegible] हाउ दे गादी [illegible] मरल-
लरड ही फ़ा ॥ ॥ पेरो ॥ र लरड अयन धीत परायो ॥ हू
री फुं आन जे जिग्र [illegible] करीयो ॥ दीनी गरे [illegible] कुहाठे
॥ आग्या मांनरे [illegible] थकुता छौ ॥ ७ ॥ ॥ दोहरो ॥ ॥
आग्या र नत गरूड शी ॥ माने अयन लरंडा पैंडे फुरीज
तन छांड ह्रौ ॥ आ ह्यो मिजल मेघंडा ॥ १ ॥ ॥ चौपई
॥ ॥ ठाडो सिंह महा जिल गर केरा ॥ सज ह सूनल [illegible]
गरो हलकरनो ॥ जिल जिलाय नै सें मधु मांजी ॥ कोऊ-
सुल [illegible] नर तारा जिजायो ॥ आरां मह [illegible] आ [illegible] अज घेरा ॥
ली क्यौं आक [illegible] रंग ही केरा ॥ अेक जिध सिंह रो कुहल डाओ-

नपड्यो संदेहराय दु गाडो॥९॥तारनतारन नृपकही टेरो॥ओही अवसर नांही ढोलीमेरो॥ सुं राजके दरलारोपे ॥तारनसें राज्नयों लायें॥पी

तारनवायक

॥सोरठो॥ ॥सुनत वयन लई मान॥तब तार नकैसीकरो॥ मोकुं अतकुल स्थान॥स्वांमी धरम अपीत मेंधेरो॥ ९१॥

श्लोक

॥मेकतां सकलां प्रथ्वि॥मेकनं सुभिद्विजं॥
॥मेकतं सर्वधर्मणां॥स्वांमी धर्माणिमेकतं॥७

॥सोरठो॥ ॥परही स्वामी कुं कांम॥सेवक अंतर धरमें॥ताकुं नरकन ठाम॥चोरासी लख में भमें॥९२॥

॥दोहो॥ ॥विघना अपने हाथ सो॥तोल सकल दुरं॥सब सुकीत अेक पलेरा॥अेक पल स्वांमी धरम॥९३॥

॥चोपाई॥ ॥तारन स्वामी धरम तन हेरो॥ मंत्र प्रजाप सिंह मुख केरो॥मारी हाक मुठ दुरड़ी संन्यासा॥ दई गौरी सदरही॥९४॥

श्लोक

...त्रः प्राप्तिकरियत्रा॥क्रूरवकरी मायुश्च वृद्धि करि॥ सोरव्यंरीद्धिकरी प्रबोधजननि विद्या प्रदां सुंदरी॥ आनंदं मतुलं ददाति कुगंपाप घ्नपद्माकरी॥देविलंचवणो रुहानुभजतां सौभाग्य सुंदरी॥९५॥ ॥ ॥ ॥

॥चोपाई॥ ॥सु रन वयन रणे नब गौरी ते सु रजंग छांडके दोरी॥अंतरीख र ही बोले बानी॥ रन सिकुली हे क्षत्रानी॥९६॥

गोरीभाग ६

।।अहोयायथेनीश ६ [redacted] ओ ।। ७
नोयालन मर्ह यद्आया ।।तजमेतेअभुमुंडमेंआयो ।। ३
।।देवपरीत्रको जंतनपायो ।।तुलो न पओर [redacted] छुगायो ।।
[redacted] मघुमालती नहीनर दे ।।ग्रेजमानअगतेनलनलेही ।।
अनुदेयनं गोपिय्र ।वार ।।भगते रामकृष्ण भयीनारी
।।मीयामोह् लकलनिस्ता ।।नारे रत् लारणीलारो ।।पे ।।
।। ।।देहरा ।। ।। दनपुर तीम र ता देय रेकु-
मनी आलो ।। हरी हरतां ।। हारे अमृना सेव सहीतसी
लूपाला ।। ३ ।। सूरअसूर पन्नगमीलो ।। सीघुमुता के [redacted]
[redacted] दधियिलो अनहरगरे ।। तरे रतन समेता ।।४ ।। ।।
[redacted] चोपाई ।।जीभ ढींग आनासुरके घरा ।।जेराभी सलअले
महलो [redacted] देवने डरहीं ।।ल्डी संपत नाई घ
हीये ।। देवपरीत्रको जेहनपायो ।।तुलो न ओरकछुगा
यो ।। मघुमालतीनहीनर दे ।।ग्रेजप्रान अगटे नन ले
ही ।।५ ।। ।।दोहरा ।। ।।नैसमाल मघुमा-
लती ।। [redacted] ।।जे पटंतर पेखीजा ।। तक्रणीरज
रूनीर ।।६ ।। ।।चोपाई ।। ।। मोही मघ्यउण
संघ करीगे [redacted] भहपाओ सलकहीयो ।।देवपरीत्र
[redacted]
हस [redacted] ।।लनं ल पटंतर सजहो सूताल-
मं [redacted] घडाछदे जीधारी ।।७ ।।

श्लोक-

।। हंस श्वेतबगस्वेत ।। को भेदो बग हंसयो ।।
।। क्षिरनिरपरीक्षाणां ।। हंसो हंस वगो बग ।।७२

रैदे ॥ ॥ हं [illegible] लोंगो लक्स्वतपय
दलतापे मामले पपीयेगा सिं, सीयाल झपेर ॥ ॥
॥ये ॥ ॥ पा सग [illegible] रायोंपादै तो
वें [illegible] ॥ डिस्मरहीअ ॥ [illegible]
[illegible] ॥

श्लोक

॥निरूपिकुल [illegible] ॥ना [illegible] वान्भ
वेत॥नादेवाद्याभयेतसुरा॥ना [illegible] पथिवीप
ति॥६॥

॥ ॥योपाठो ॥रिषिविना [illegible]
न करहीअलक्ष्मी [illegible] सलहां परहीअ जिस्सुखसवि
नराज [illegible] पुरो देवयंसविन लेरन सुं [illegible] ॥
दोहा ॥ ॥धारवती [illegible] सुना ॥ [illegible]
[illegible] सरन [illegible] स्वर्ग [illegible] सफल [illegible]
[illegible] ॥

[illegible]

॥मे [illegible] तन [illegible] हयन [illegible] लोक [illegible] ते
[illegible] संसारी [illegible] लोकसान [illegible]
[illegible] पतायाया ॥ [illegible] ते सपडेगा [illegible]
॥ [illegible] मरजते [illegible] ॥ [illegible] होया ॥ [illegible]
स [illegible] मपिजापुरी है, सब होया ॥

तार गजायक

॥तेरो [illegible] सनन्हा ॥ जिये [illegible] थाजा ॥ ठे सोहूर
नांगा ठेयो ॥ [illegible] पनिरनमथी ॥ [illegible] पोयन
[illegible] ॥ [illegible] गनमें हूया ॥ तैसें तै सोकुर्म [illegible] ॥ तैसें तै-
[illegible] ॥

श्लोक

॥भाग्यंफलंतिसर्वत्र॥विद्यानैवचपौरुषं॥
॥हरोहरेमथनेसिंधु॥हरिलक्ष्मिहरोविषं९४

॥दोहा॥ ॥जलपौरषको उमतजौके लीज्योक
र्मसोछे हर पैदो॥मथ्या सिंधुहरिल क्ष्मीलायो॥हरकेहा
हल॥ जलआयो॥७४॥

राजप्रायक

॥फुल तारन तैं लडी जत॥ ज्यों जेउ लीणी फुली सो पाछै
॥पैनग हांसी भुरी जेरु लागो॥प्रानि आगे अपनो ह
न लागो॥राणीसमफुल उहू सूनी न जेसी॥परजनि
याकूजरी रनजंसी॥फुल फुलंउ जइ नगमे जेली॥जैसे
जैसलनेसाकी जेली॥७॥

तारनप्रायक

॥दोहा॥ ॥तैंमुजथे जनिया इहो॥जनजनिया
क्यों होया॥जज जनिया जनरा लयो॥जनरी जनाछै
होया॥१॥ ॥चोपाई॥ ॥दो जनरी जेउ
वनरा जनिया॥तामेजेउ आलणकी डनिया॥राजपुत्र
श्रीहिन जनिउ जीसेजे॥त्रीकूट मील्यो तांका कूलकोपेजे
॥१॥हेवनको कोणि लेहनपायो॥तुम फुनिया प्यार जला
वे॥जलपौरुषआकारन मुजे॥छैनन्नी लर्छै तुमकु लखं
सूजे॥७५॥

श्लोक

आकारैरगतीर्गत्या॥चेष्टयाभाषणेनच॥ने
त्रवक्त्रविकारेण॥ज्ञायतेरगतंमनं॥१॥

॥दोहा॥ ॥आकार सम मुजीयो॥अंग अंगकेल्ले

थयेमेत्रपक्षविहारथैं॥ रेनमानर हयोरो॥ कंडरपैथि
रपरभीयो॥ मणी माणकडी जता॥ हलल थलतु अगपर
भीयो॥ सूरनरडुथोंनलहातां॥३॥ ॥थोपाई॥ ॥
जेतुजसेहामननपरही॥ जणगेग्यो जतिजातें डुरही-
॥तुमरेतो सजजागे भीली॥ कहे सुनेडी रहीन छेती॥

हानजायक

॥दोहो॥ ॥मंत्री डारन नृप कहो॥ तु भुजे सतजा
यैं॥ भेगगे जनजेग्यो कहा॥ सो मोही लेर भलायो॥

सगजेग जनजेगेहु

तारनजायक

॥तारन नृप डावन कहो॥ थीत हे सुनियो रायाजे भुजे तोस
भडहो॥ दोय पंनग के लाया॥३॥ ॥थोपाई॥ ॥
पंथि अेक ऊीरग्यानो होछे॥ जीलस्थो हाट भजरे सोछे॥ मो
मीडो घरदुह जायो॥ घोडा डेओदा भूख पायो॥ मोती
कहे भजने कही नछैयें॥ डेरे जायके नाभिम पछैयो॥ भडे स-
हासेमारग जैयो॥ जोडमोघर पैंसे लैयें॥ ॥ढजन लाजन
मेणीदाडस्यो॥ तहां सर्प अेक सीतडो मारयो॥ जोरलये रा
वतयद आयो॥ याके लोरे वाही जनायो॥ पी पडरी मुंड
थरनके नीथो॥ सिथोडस्यो नदाजेपीथो॥ तंजो कयो जेग
सेरगक्यो॥ थपटो डीयो थामसूं पसर्यो॥ छजा॥ थोमर
हरयाडे कर दीनो॥ ओीन सडारजंथ ते आंधही लीनो॥ थल्योप
पंथि डछु थेमन राज्यो॥ जिजिता थंलसूं लां ज्यो॥ छजी॥

जिंजिपंनजो जायक

॥ दिोरोनाडजसपैडुजांडीपभीलाद भजर लाहीप
डसलन॥ गीते डारनडोना॥ मुरभ मुंहं रह्यो भ मोना॥

॥ ० ० रा॥ [illegible]

॥ जैसो राम परयो नहि [illegible] नतो त्यारे॥ कूनिये लक्षन सब जिसो ॥ जेरयो रि रे सो जिमि म शा३॥ मिलो नहीं मणी त्यहि बतावोंगा जिं जीमें तालो अलनायोंसि [illegible] जोइ घर ल्योवा॥ तब तेरो ५ वहै रहि आयो॥ ५ [illegible] आत सुनी ठीरज्यानों॥ ३ जोले मीत और ह्वी ल्यानो॥ जेरयो अन जेरयो है सा॰ मा॥ [illegible] ठी [illegible] ॥ त्यं ॥ जोडा॥ त्यमझ्यो कूट पस्यो तब घोडा॥ हाय हाय कूआस ॥ जंम्यो॥ करता ल्याय संपूरन संम्यो॥ २॥ कू जंम्यो पें घोडा डसही॥ निस्वा रथि यह त्यम राम्यसही॥ ३ हत लयारथाय ३ री मा३॥ ३ सीज रचंघ गाटकर डा३॥ ५॥

जेगे सर्प उपाय

॥ दोहा॥ ॥ अघमुवो आंध्यो लग्यो॥ कूनी सत छोडे सो या॥ सून पंथी पंनग कहा॥ आप्या र॰ तनकोया॥ ५॥

नीरज्याला उपाय

॥ अरीना हरगन सर्प डुा॥ जैनन पीत घरा अेहा॥ त्यह पती अ यो हून॰ ॥ मुये र अडरी येहा॥ ५॥

जेगे सर्प के उपाय

॥ पंनगा के पटोलरो॥ गन ना ॰ र मम रघी॥ घिस्या परह मंही बी॥ पोहमांघो षमया॥ ५॥ जेह जीयी अइ मंत्र अस॥ स तगुरू के ठीपदेश॥ अही कुल ये [illegible] सत अवनी सी रस षा॥ ५॥ ॥ ल्योपा छो॥ ॥ जे सतही तो अ ही सी र अजनी॥ मथ्यो सिंघुलां हां नंता कुपनी॥ ना रायन अही ठीनो आसना॥ जे ठीलहतो कुहीयेता सना॥ ५ तेतो

मोसूलखपनकीनोॱॱमुयपरअपन ननकीलीनोॱॱअब कु
मरतअेरुअसलेकूॱॱअकोतइकुनइ इब्य नींहीहूॱॱगोयक
जिंजितेरमुजअॱगोॱॱनामेंसर्पअहरनीशिअगोॱॱकुनइ क
दाकुनासपे [redacted] रपीड़ाल [redacted] लोक
रनीधरनायोॱॱकुॱ ध्यानआपआयोरीयॱ जॱ गिनसूल
नलाछीॱॱमरे योनिसछडीपाछीॱॱपाअजपंथीमो कु
यसून लीनोॱॱजिंजिमेतातोअलदीनोॱॱमेरे सापअजली
तरलीनोॱॱतज तूं हब्य ठादेहे [redacted] ॱॱदोहोॱॱ
ॱॱ ॱॱरामराम रसना रटे ॱॱदीयोही मांन अरपाॱपं
चीसूणपजशरकरीॱॱ [redacted] रपाॱगाॱॱ ॱॱग्योपा
छोॱॱ ॱॱअेक अयन कहपंनगमरहीॱॱजरध्यानो मन
धिसमेधरकी [redacted] हूंलराम लूआयोॱसरपमरतमो कु
समजायोॱॱ

पंथी आ ९

ॱॱबडीकुराय कहांथें लाणीॱॱदसपआसपानी अजराणीॱॱछेत
नो सांमांनअअइरपाणीॱॱतअलोअसजिंजिमेंनाणीॱॱ
दोहाॱॱ ॱॱसाधनारीतअेकसरीॱॱपंनगकेरे ग्रंथीॱॱसु
रासीषसमरथसरनाॱॱयतनआयेहथीॱॱरणाअेयनप
[redacted] नथीॱॱमगमहनालीकूंगेॱॱ
यतनआयेहथीॱॱ ॱॱग्योपाछोॱॱ ॱॱअेकआर
लनमोपें होछीॱॱराअ जीनजोहेनही होछीॱॱअे ॱआलसज
लयसूनाणीॱॱमेरेलागय लिज्योसो पाणीॱॱरा ॱॱ
सोरठोॱॱ ॱॱणीरग्यानेकी आंताॱॱपंनगनेसीगरीसू
नीॱॱजिंजिथेंकहीगाताॱॱसनमुजहोयजोलेकूनीॱॱ

जिंजिसपज ९ कु

॥स्योपाघो॥ ॥रनपूत होय [redacted] मुख रहीॱकूंनी
घोरापो है रह्योप्पर ॥ज्ञसी ज नहे जिस्तर रहीॱता
कुं देस लिधात घर [redacted] ॥[redacted]॥ ॥लेघो
॥पंकुंरा नजेॱ [redacted] रेरनपुताते जननी गघकाये है
॥यह जनियाइ पूतापा ॥स्योपाघो॥ ॥सू-
न पंथी पंनग के प्रांनलिख लसे लछे मलीया पुरही कहांनी
॥पंथी [redacted] योंदे [redacted] तमेरे जय लेहीॱ॥ रो

[redacted]

॥कुसोंनगरहे सीहे [redacted] गमुनरहो जिन्या-
तोसूनि [redacted] मानुं॥लो इछू जयामें जि
यारही ॥ ॥ रंगा

सर्पजायकु.

॥कहे पंनगपंथी सुनलीलो जे [redacted] नेन पीलडीके
॥ [redacted] लछे है योंहीॱ॥ राज सर्पलछै कु लोही
॥पीनगर मली प्रा पूरकुं दत्ताया॥मूलो पसंग सेन
जछाया॥नागीन जेहु गलेचं ली आंघो॥मुज जिलया-
न असूल लछे ताघो॥ पीलाग्यो जेइ सेन [redacted] नो॥
सूलो राय मुजमां है समानो॥पीजत दुध मुन जे है ज-
ति सेहीॱ॥ पिड रोग जदल है देहीॱ॥ [illegible] तजे दस दसे
जैर जुसायो॥इ [redacted] पन रोग [redacted] ॥जहोत दृष्ट
कुंजलयो है राया॥जे कुदीवस जाॱ डलया॥ [illegible] ॥मान
र [redacted] जोडा॥ कुंजन छांहे प्रसंग है ता॥ ॥जि-
सहीन सेन लया है [redacted] जिसर्प नकु रायो हमाया॥
॥उरा॥ ॥[redacted]॥ ॥पलंग ढाल्यो जन लसे
॥राजपोटो ज्यापा॥ जिं जिसर्पतजजो [redacted] ॥ सजन-

नो जे ।सापां।। जिं जिं सर्प ना ज्यालीयो।। ऊँ हरसर्प
सूनो ऊन्ना।। नर्पनेरे जी घसेरो।। तप्त कुंभ में न्हा दो ग्या।
।। ए।। अरस परस आतां करी।। होन साग जी [illegible] ज्या
तस्वीत आने।। मंत्री दीनो शना।। पा।। ।। गयो पा छे।।
।। । राजा सुतो ने हमो ठा री।। पाछे मंत्री जुड जिन
स्ता री।। सर्प जिं जिं सूं ओस मिलायो।। नृप जी हरसें देन
गी उद धाया।। [illegible]।। सब हू सूं नाकें जी हरसें निकरो ते
अ [illegible] परस होजी जिगनो पकरो।। जे कहे मुरप तु नहीं ना-
गी।। राज कुंभ क्युं देत जलागी।। गो जे होजी तुन मिलेगो।।
लाछे।। तु घोरी मुनो पावे शछो।। गी रही पेरे तुट तुट परही
। असी बिध कियें तुम मर ही।। ए।। घरनी मध्य न होत सू
जपावें।। जेह जातु झ्यघ डाहा गमावें।। ओ हर मध्य जेठे
कु गडु रहे।। सेल ढुनन तु न्हा कार निसर हे।। ए।। ओ हर स-
र्प होप इर डुहे।। हे मडा। ओपर मुं रहे।। पें साता।। तेल करी डा
रे डोठी।। सीगरो मास लेजा को तो ठो।। जिण।। अरसो जोख
जलती कूं न्हावें।। मिल्यों तहे डो ति जेह जलावें।। कर पन-
कू जन देप सुलानो।। ते से जोस इव्य होय सयानो।। ६
।। जेह सून मंत्री चीत दीनो।। लीन लखे घर गमन्ही
[redacted] यत लखु तलक मेर लेह जारी।। मु गा [illegible] सुनो।। ।।
य [illegible] जम डारी।। रात हो सर्प मुवो लेह ठा ठो।। सज कूलां
[redacted] के हे राठो।। जे [illegible] जात शय्य मन लायो।। लेउ ढा
य घसो जी ही ठायो।। [illegible] लातो तेल करी डारयो।। ईन भां हे
।। माता धन जो ही ले आंहे।। जे हु जीप गारथें कुंभ मीट दे
गयो।। त्राहु त्राहु तब मंत्री ये कह्यो।। ६।। ।। दोहा
।। द रन: त रज धंन धनी।। मंत्री कीनो ते ।। नृप हूं रेन-

अने।। जिन सीर क्या लेहा।।पा।।मोहोर अने हीन प्रत्ये हे.
णी।। ने लाने बोल लायो।।तेरे हृद्य कुछु न हा।। युगली
फरीक ग प्राया।।६।। ।। प्योपाछो।। ।। रु र-
नगुलराजरवलेरी।।क्रयया। सांर त्या मेरी पंजि
नला क सेत्यांत्त जानो।। मनुक तुम गीजना।।णी।।
अनमो। गरमोपनील लीलो।। इय हानमोसू जेहकी के
।।पेढीलो नोकु पो होम्याणी।। के छेह भाहररे हे वे पाणी।।णी।।

जीरुग्यानो बाय

।।जेरेल छेया मो जुरा जिलणणी।।तो कहु लिंबिलोक
जोहाणी।।तेरो सेवक सह क ज्योरा।। प्रातः समे आन पय पणी
।।६४।। सूनरे बिर अजकू कनु ठेलो।।ला बिजमेराजय
नप तीजो।। अनुन हपु आपनेने ना।।लो नूपता।। नुगुरु
के जैना।।६५।।

बिंबिसर्प कुबाय

।।दोहो।। ।।तेरा मोहजव्यंन हो।। कुपणहेवी लवला
ताते कछु अलरपरो।। होर जरत परला।।।।

जीरुग्यानो बाय २

श्लोक

॥मित्रद्रोही कृतघ्नश्च॥जेजनविश्वासघातक॥
॥तेनरानरकंयांति॥यावच्चंद्रोदिवाकर॥२॥

।।प्योपाछो।। ।। अंधेजव्यन नरपेन गहोछे।।ती
अप्रालनजनकोछो।। एकटोरा लरकर पावो।। अने मे
गेर नित्य लेनथे।। जो।।था गेकरल मास अने गुनी
।।अ गेलछे सो प्योल हे तुनीचे।।जीरग्याना घरबि
फलागो।। नथे प्रसंगलया ज्य आगे।।६।।

ऋ ग्वि आउ कथा। गणीरग्यानके घरकोप्रसंग।

॥दोहा॥ ॥[illegible]॥ अमरावती॥अमरसेननृप
त इसा॥ जिंजिथैं अेकु कोससमें॥ गणीरग्यानेकोआसा॥ पोदोहा
पहलीनारकेतो॥ दुजु ज्याकी ओरा॥ गणीरग्यानेकी ओर मत
॥ गणनेकेमीतकछुओरा॥ तोलाके घरके संपदा॥ सीगरेमा
नसतीनों॥ आपआपने तोलतें॥ अेकुअेकमें लीनां॥

श्रीयाआयक

॥ओपाई॥ ॥ओहीकंथिमोहीअयरज आवैं॥ लुम
नीत्यमोहोरकु [illegible]
अे [illegible] मा समजावोगी॥

[illegible]

॥गणीरग्यानोजोसेत्रीयतादो॥ अेकुकछुजालक [illegible] नकीनाहीं॥
नारा [illegible] ठेलाछौर [illegible] संपत [illegible] रजैठेपाहीं [illegible]
[illegible] ॥ हमघरनीकमेरा [illegible]
अकेगीदेजतजालनकीआ॥ कूलावुंसोयुपकरजिनो॥

त्रीयाआय

॥दोहा॥ ॥ [illegible] लायेकलीठोरलालसोमोहीठोरअताय
॥कोनदेयतो॥ भिल्यो [illegible] मोहीनेनदिखावो॥ [illegible]
ज्योपरनारसूं॥ ॥नेकरिकूलरा॥ समझजातमोर [illegible]
॥मनमेंसोचवित्या [illegible] ॥

गरग्यान आयक

॥ओपा [illegible] ॥ [illegible] नूं
कहाकु [illegible] मुठकरत [illegible] पुरुष [illegible]
[illegible] रसन॥ [illegible] ॥

त्रीयाआय

लंघन हे [illegible] अबोलेन्नोतत्मतीआहातीहीतरलुजे
हेरखोा।औद्र रे णिल्लाहा [illegible] रखलोनिं।
लनर्ण [illegible] पिलाडेकूपक्खोाअंअतल्नलञ्फ्हत
।।रसोञ्नाहेडीलेञ्योक्त्रीयाावेध्।हीधारायोडेऽ
ग [illegible] गीायोलवेत।[illegible]

गीरग्यानाबायक

।। [illegible] परस्ल्यक्षोापरसीरहोषघरंतापरमेश्व संग्मिमु
ञ्महोयाारोरचनईपडंताणिण्णा ।।श्योपाणि।। ।।
नहिनारञ्जत्रुरञ्ज्युरानोाातामेंडछुल्लपञ्नोाञ्ने
रेगांठ्ञ्नुरनहीपोलेाालेसाजैलसं ञ्नेञ्नेत।।मैञ्नन्योमे
रे। रजस [illegible] मङ्गलह्योयडसहीाहूञ्चधञ्ने-
[illegible] ।। पण्ढोञ्या। केरसोपीसोाणिञ्णाद्रव्य-
लायेक्षोहोषलग [illegible] रजलेरड [illegible] लये
सत्रक्षासंघसे।।ञ्जपनासञ्जेस्पेटीहूातिप्रातःसमे
[illegible] हीरदीनोाानञजिंफि
फेरदींगञ्नायोाञ्नहूं [illegible] सासघुजायोारा।

श्लोक

षट्कर्णेभिद्यतेमंत्र।। चतुःकर्णेस्थिरोभवेत ।।
द्विकर्णस्यापिमंत्रस्य।। ब्रह्मापारंनलभ्यते।। १

।।तरे।। [redacted] ।। [illegible] पोते लछेज
टक्षाजा।ञ्नागेडछुल्लपजन।गाकूटाम्सतो।। घनाागैरा
।। ।।श्योपाणि।। ।।स्वामांञ्नफूलरक्षोहूमेरो
।।सघा।लञ्जसेवकत्तेरोाामाफीरलसोया।।घनोाया
देहधिनसूंपच पीनोासांदेनगडूंपनलातनआवोासरी
क्षामोहूदुघपीलवोाञ्नागेछुल्लसपननहाठोयोाडमेरो

णि घरजे छो ॥ ८ ॥ फोनसे हनु यमं ज्ञतीधरडे ॥ जैसें गुंज-
यथा ये मरडे ॥ मोहे ~ छे जाहीडी । छो ॥ सस । जै छुठैने जा
छो ॥ ५ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ जहू कूठैर बिछुडसो ॥ सुख-
दा न्यो है जैहा ॥ तहां सयानो कहा डेरा ॥ [illegible] सपक्यो न्है डु-
॥ [illegible] ॥ ॥ ६ ॥ पा ६ ॥ ॥ णिरग्यान र रजा ॥ ठा
नी ॥ परयस परयो कही सो मानी ॥ पिता पूत मिल हु यह पा
यो ॥ मोहे र में हु [illegible] लायो ॥ ७ ॥ तादीन थें लखी-
जा ही आयो ॥ आंध्यो रोन सो नित ही पायो ॥ मोहीं डरत दीव
स रस नीतो ॥ यों मन में कछु और ही चितो ॥ ८ ॥ लेगा ह-
थि सबं तन रहै ॥ तहें घात मारन कुं चहै ॥ जो नहीं डरत कयु
संडा धारे ॥ जेही यं डाल मो ही निके मारो ॥ डरत दुयपी
जन मुख लायो ॥ जेह णि परथें डांग ही रायो ॥ साधु के न्हेर कू
लता [illegible] रो ॥ मन में गुढ मूढ तन हेरो ॥ ९ ॥ दूहा ॥ ॥
जेह नहुं डांग हनूं ॥ सिगरो धन ले जणो ॥ जहीं तहुं णिर
पेंड सूं ॥ प्रथम कूल बिगराणी ॥ ओ कूंतो पांच्यो जन्य रहु
॥ कहीं तरपहीं ले जाणी ॥ सारो कुटम्ब नर डसूं ॥ भी सरे
रा लोंन लंणी ॥ किर्ष ॥ ॥ चोपाई ॥ ॥ जेह लखी
डासी सुधहें डारीं ॥ घटी जदी कछु लहे न सारी ॥ ता डु ला
ह अरे डांग लगायो ॥ लागत डांग [illegible] कूं अही आयेये ॥
डसतही प्रान जे लगयो जागो ॥ [illegible] कु डांग सज लहीं ला-
गो ॥ नीठ नीह जिं जिमें आयो ॥ वाके पीता सांज सू पा-
यो ॥ १ ॥ उन [illegible] नाजायडु ॥
॥ दोहा ॥ ॥ मेरे डर में [illegible] ॥ लोजो धन मे
जायो ॥ नजर [illegible] ॥ जे ग्रह रच्यो ॥ तज ही कुल जे रूपायो ॥
[illegible] जित रंडी जि ग्रह हुयो ॥ डील लरि जा कूं आयो ॥ जित मेरी-

मोहूरमिटोआगेआलभयोणीबिग्रहथैतनछिल
हीबिग्रहथैघरजयाबिग्रहथैबिग्रहबडाइहांरह
हांरायाबिग्रहथैराजनगयोबिग्रहकैरय-
रायाअहांतहांबिग्रहपदथोतहांथ्योनहीलयो
एण पंनगजायक

मेरोकछुदोसननहीसूनणीरज्यानारावापुत्र-
सोकतोकूलयोमौडैगाकेघायाबैरबद्योपीत-
नांमिलेनेरेमिलायेनग्रानेजनतेंतनभगटेहोसा
आकूलेमग्रारातेरीमेरीप्रीतथीसोसबनिवारीआ
कातुतेरोकूलपापहीआयायुकहीइआपंनगके
प्रीतनांमिलेसूनणीरज्यानेरावातुममनसालेपुत्र-
हीमोसीरसालेघायाणीभेकहीणीरज्यानोप्यल्यो
सूलकूसकतीसायात्रीयाकुसबआतेहीवेकछु
जयनपत्यायाएण

त्रीयाजायक

तेंसरीकाकूरथ्यदियोलेछोरयोकूअंलामोसूलेरकु-
रावहीभिथ्याआतहीकथाइ त्योपाठे
राडलाडअरुमालोसडाजडीकुआंनअरुहारयोजडा
पेपायेघरआहरआवाअपनेअपनालेदनना
नपकेआगेजयपुकारीझुठीसाच्चीकहतनहारीपकु
लपठायअसमझुलायोणीरज्यानोसूनलतहीआयो
णीराजअमरसेनधर्मधारीसूनिवातसबन्यारी
न्यारीरंडीकुझुठीकरजांनीणीरज्यानेहीसाच्चीमानी

श्लोक

॥अनुलकमारंभा॥ नवैवनातुना॥

॥प्रेमदाजनविश्वासो॥मृत्युद्वाराणीएघन्च॥१९

दोहो॥ [redacted] ॥अ‍ंम्यित इर्मआरत्लइ॥स्यनन्तयेरोधे

आरोघटेसंग्रघन्नीयमता॥मृत्युहे [redacted] रथारा॥१

ती॥ ॥चोपाइ॥ ॥अेकमोह [redacted]

॥तापरमेरीअभ्मलगुल्नरी॥अनकुछु [redacted]

नया॥ आरी रहे नकुता आया॥ रो॥

शत्नजायह

॥दोहो॥ ॥मेहुनीकेधनपुरेअहेो॥आ [redacted] धेनराय्य

॥पावेला नवनीघकुशी॥जिनपायेकृपाआयो॥ ॥

चोपाइ॥ ॥मोपेंरोनसंवायो लीनो॥ रे रन

याकुरी कीने॥जिंजिओदायसबेधनलेओ॥लो घरबै

ठेहूं देओ॥ ॥दोहो॥ ॥जिंजिओर धनलीयो

॥रान्नलखोलंडारो॥रिग्यानो याइरलयो॥रंडी

भुभमारा॥ ॥

तारनजायह

श्लोक

॥परस्परस्यम [illegible] ॥अवदंतिधनराधमा॥

॥नेनराप्राणसंदेहो॥बिंबिकोविगीतोअहो॥१

॥दोहो॥ [redacted] ॥पमाकुरे प्रेमपरदारो॥

जिंजिजेगेसर्पलो॥ ओरोछेज्ञो नारि [redacted]

लीजेगे गजगेहो प्रसंग॥ ॥

[redacted]

कृकुलोरसो सबे मिरायो॥ मधुमालती नेतहजा

[redacted]

री॥ यरनजेर नृपगोर पसारी॥ ॥

जनजायह

धर्म इष्ट छूं कछु नहीं ॥ मान सदेव पद पेख्या नुं ॥ मेरो
अथगुन सबे निस्तार ॥ अेदोणी ... तिहारो
...सु... ... ॥ नगर ने य सवे ... जी
... ॥ घर घर तोरन लछै अधा ... मालशानी सूर्य
...ओ ॥ ... ॥ ... महल मे लायो ॥ म ... न
... ॥ ... ॥ ...
... ॥ ... मार ... गुरु ... नी
॥ ... मालती त्यो ... करम ... ॥ ...
... ॥ मेरो अेही धर्म कुंन्या ... ॥

रानी वाच

॥ धर्म ... तब ... तोतो अेरे ...
कुंन्या ... महात नहीं ... जसमज ... जयन्ते ॥
... न मान्या ॥ ... थारो आपनो ...
... अपने घरही
... ॥

अजस्त कुंन्या ...

श्लोक

॥ अष्ट वर्षा भवेत् गौरी ॥ नव वर्षा च रोहीणि ॥
॥ दश वर्षा भवेत् कंन्या ॥ अत ऊर्ध्वं रज स्वला ॥ ९५

॥ ... ॥ ॥ अष्ट ... कन्या गौरी ॥ नववर्ष की रो
हीणि कुंआरी ॥ दसवर्ष की कुंन्या मानो ॥ आगे अधी ... र
... ॥ ... वर्ष ... ॥ ...
... दसवर्ष की कुंन्या ... ॥ ... अय ... है
... ॥ दसवर्ष पाछे ... नारा ॥ ...
... ॥

श्लोक

॥ माता पिता गुरु भ्राता ॥ बांधवा सह कासीन ॥
॥ ते सर्वे नरकं यांति ॥ दृष्टा कंन्या रजस्वला ॥ १

॥ अथोपाठो ॥ ॥ जब नर मे पढ़े ... जे गहे ॥ छे छत-
ती सोढ़ी गही पाठी ॥ या की [illegible]
ज्यो छे न गे सन छ ॥ ॥ दिसे ॥ ने त माल त हां न्यये न्नू-
र स्यो ॥ जारी मां ... [illegible]
म जिति ॥ ने उपरी पुरुष ... ॥ ॥ ग ... र्व ज्या ॥ रा
म सर ही नो ॥ प्रथिम सभा ... [illegible]
... नु हूतो ॥ पावे ... तो ॥ जीन सू र ... ॥ रो ॥ मे ... म ... गु
जलजंग ने ॥ पे ... [illegible]
... कुम ... ॥ त्री ॥ या ... [illegible]
वार सभा ति ॥ रति विपरीत कछु ... [illegible] ... आस-
न्यो ॥ रारी न्या ढा ॥ प्रेम ने ... टे न ... ॥ ॥ रे ॥ ॥ ... घर
ही ज घर सु घर सुख मो ने ॥ मन ... प्रेम के रही ... ने ॥ ॥ ... सी
या रही ढिं गे ही मरा जी ॥ ॥ ... हे जन साजी ॥ ॥ मो
सू जान ... नारी ॥ ॥ पे निगिरी जीर ... ही भाशी ॥ ॥ ...
॥ ॥ ॥ ... ॥ ॥ मरे ... ल ... ले ... ॥ ... ॥
... मे ... या ॥ ... ... समन ... ॥ ... नमये प्रगटे सो ...
॥ गो ॥ । अथोपाठो ॥ ॥ ... दीवस अपने रस ...
सो ॥ त ॥ पाछ तु म जिग्रह मे सो ॥ सो जि ... तुम ही ... स-
गो ॥ हस ... फेत तन ला गो ॥ ॥ सब ते ... अपने य
पानी रा जि ॥ ॥ रा नो ... कुमाल थो ला ज ॥ ॥ ... [illegible]
गु पत जने ॥ ॥ सा ह जन ... ... ने ये री ॥ ... ॥

श्लोक

॥आयुर्वित्तं गृहछिद्रं॥मंत्रमैथुनमौषधं॥
॥दानमानापमानंच॥नवगोप्यानि कारयेत्॥३०

॥दोहा॥ ॥आयुर्वित गृहछिद्र हु॥मैथुन औषै
मंत्रा॥दानमान अंपमान सबा॥मनमे रहे अत्यं-
त्रा॥ ॥प्यारे छो॥ ॥रूपत मंत्रां सो जडाबिग
रा॥ [illegible] होतीने सबेनुगा हारो॥[illegible] अपने घर
धोरे॥मंत्रां कहा मुं [illegible]॥

श्लोक

॥भावितव्यं भवितव्यं,नालिकेरं फलांबुवत्॥
॥गमितव्यं गमितव्यं॥गजभुक्त कपित्थवत्॥३

॥दोहा॥ ॥नालिकेर फलानेर [illegible]॥गज[illegible] पिठ फ[illegible]
आयो पेह फल [illegible] फलनेरा पेफल हलकंत [illegible]॥४
॥सोरठो॥ ॥क्ये लोंन दीनर्नी रो अर [illegible]
बिरकत्र [illegible] लसुं के ले [illegible] ली रा॥कुप फोदायके नलल [illegible]

प्रसंग श्रीरामचंद्र अंजनीको

रामजी आयकु

॥कुहा॥ ॥लंका जीती सीत सोआयसे अवनेधारा माय
तप बैठी नहां अंजनी॥ दीनां डंड [illegible] ॥मा॥ [illegible]॥राम-
लछमन सीता॥आया थे हनुमानो॥नमस्कार्या के-
दीये॥अंजनी दीनो मान॥४॥रसोद सरीर [illegible] लयो॥
॥हे करे बिन्या॥रा॥लंकु [illegible] हनुमानो॥अंजनी [illegible] पास॥

अंजनी आयकु [illegible]

॥कह्यो राम कूं राम तुं॥लछमन [illegible] छन [illegible] नो॥अ सती
कू सती सीत कुं॥पूत कपूत हनुमान॥ए॥

हनुमान [illegible] कुनो॥

॥नीराहारद्वादसबरसो॥युद्धनपुरेह्योयो॥लछमनह्रूकूर
छनहु यो॥जेनुयमसंसोमोयो॥१६॥

अंगदनीवायक

॥रामप्रतीतजनेसजेो॥लूलीगयोगतिजवा॥राजन
सगुणासील ॥जो अलछनसायो॥१७॥

हनुमानवायक

॥सीतीस्त्री सत ओरह्यो॥पटंतर दीजे सोयो॥हनुमंपे
जनमीसुना ॥जे [illegible]परीज माही होय॥१८॥

[illegible]नीवायक

॥आंधयदेलंकगयो॥सतीहाथेआपो॥तजहीस्तापे
नांहसर्प॥ नरजरटरतापापा॥१९॥

हनुमानवायक

॥तीनलोकतारन तरन॥जगतंपेजहनामपरमातम
हनुमंतकहे॥सोहयोंराम रामा॥२०॥

अंगदजीवा[illegible]

॥हरता करतासकलमें॥घटघट रह्योसमायो॥हनहमृगयी
नोनही॥तोहीतही भ्रम भयो॥पा॥

श्लोक

॥ननिर्मिताकेनचदृष्टपूर्वा॥नश्रूयतेहेममयीकुरं
गी॥तथापि[illegible]स्यारघुनंदनस्य॥विनाशकालेविप
रीतबुद्धि॥८॥ श्रीरामप्रतिवाय ॥

॥दोहा॥ [illegible] लाषिउलकुनांमिटे॥यह संसारकी
ग[illegible]त्या॥सत्य [illegible]ती गौतमसुता॥ने तुम [illegible] सत्य॥
[illegible]॥अथरअक्रहुनु [illegible]॥तुमनिंद्या॥हनुम [illegible]॥जे [illegible]॥
न [illegible] ॥बलपो [illegible]॥ [illegible] छेरावन

कीयो।सीता मोह गीवायो। लंकेश रावणो लाग्यो। जे हनुमा-
न सह। गोपी। पदम अठारे मध्यमुख्य। मेरे हीतके हूता। म-
हाराजा। हनुमानकुं। केसे कह्यो। इः। तालीपणा

अंगदजीबाच॥

एणी रीत चो अक्तन हव्यो। ब्यली दुधकी धारा। सो लाग-
गीया। तीरन्यो। छै आरकी पारा। यह मेरो पेन। पीयो।
कीत ही गये थे। जैसो बालपणे रवि ग्रासीयो। मै कढ्यो
मुख कोरा नी। मेरे तनने कहा कीयो। पदम अठारह जैसा रा-
जन सुं लंकास लंता करता। सिंधु बोना डो। सायर बांध्यो
कोन पर। बंदर मारे लाला। आधी अंगदजी कै सबो। क्योंन
पीये मोहि बाला। रीपे शास वरजगरत्तै कै से पीयो। याद न-
आयो सो। याक्रोध्म नहूं थे तु गयो। मेरो पूतन हा। या ॥

हनुमानबाचः

। सात समुद्र अमजन हरी। लंका के तुहु कामा। दछन ते उत्त-
र घरी। आज्ञा हछे न रामा। हो धरा पहरणी लटी हरी। जे रघु-
नाथ सहाया। पै प्रभुकी आज्ञा बिना। सकून तरन ठौठाय-
। ऐसा प्रलय शाल नग को हरी। राजन के तुहु आज्ञा पै प्र-
भुकी सीना यहाँ जाने। को आपन ताहाणा। न्यो हु मार वा-
सन घेरा। यो ही घडे सजे लैना। घडी लाल के हीन घडाया।
को अपरीत कौना। ण। क्यों हो थे संका दहना। क्यों तु टलु-
न मिसा। क्यों आवे रडा पणो। छुटे क्रोड तेत्रीसा। हंगान
जसीता वेले गयो। तब आये रघुराना। राजन के सीर काय-
कुं। कीयो बिभीषन ठाना। दीघा ते ले कह्यो रघुनाथ सुं।
ताहे उत्तर कहा। सेष सहस्त्र हे णी रसन सों। कहीन सके ब-
खते हारा।

मित्यद आयकु·

॥जद कु जसो द लीरहो॥ डीसर कानको कामोोअंबनी दी
आज्ञा लठीयलेअल्लय्याराम॥ गा॥ छैतिश्रीरामचंदजी
जनी प्रे रंगो॥

रान्ब आयकु·

॥योगशो ॥ नर यक्लजे, लांजी॥ सीतास
नल्हछैसोसाजी॥ महा रेष अतनो उपायो॥ आरन
शील गहे मे लाणेो॥ जो यागं लला गानवरेषीोसब
घेकर्म सुभ हु॥ जी॥ सीज्यो गेय साही कृगपावो॥ जसपौर-
षको शुमन आयो॥ ॥ पाअब कुओ रकु जैसीोसदं म
दहीलीले लक्षीोनु ग लोक कुी अरो हाणे ज्या गोल्लीलये
हम जैसा गोहो गंधर्व लगू रामसर कोना॥ देयपरीत्र-
लायेसोयीना॥ जज दुहो आपन कैसे दिनो॥ ताकीमोह बे-
गसीघदनो॥ ॥

रानी आयकु·

॥याक्लिकुलिरदीनो॥ आरन रन कछु अक कीनो॥ गं
धर्व ज्याह कोणी नल्लनो॥ अा नलिडालन गहा ॥
॥ जेतीनो अकरोर मिलायो॥ जगें ल्यों हाथे हाथिलगायो
मेरे कुयमें औसी आवे॥ नो नैसे राय मनलावे॥ ॥

रान आयकु·

॥भो जुडु देन लु आयो॥ न्यों दधीप लोल लायो॥ लि
नज्याह लग झंसी करही॥ जेरंपकी ददालीलदादीोरी
रीजी॥ रायरंकु लरकनकु ज्याहो सज होछे अपने नस
ल्या गोलनताछब ट न्यारा॥ जोरानार रानय ला
जोरीपा॥

दाना जा

॥ दोहा ॥ ॥ में अजलों लग्यो । तो ॥ नहीं ज्याहके
संग्या मोसूं त्नेह हुवावे ॥ राज करे प्रपंच्या ॥ रो ॥ कन्याहे
उीपहास अेहा हुवे हारे जेता ॥ अजहू इस्यौ अेसी घरे
॥ ती हम भारे इ ने ता ॥ आन्ने तुम अज अेसी कही ॥ मेरो मीट्यो
तरमा ॥ क्यो प्रतीत आछे सजो ॥ आपनो अे ही घरमा ॥

रावलजायद

॥ तुम अन्नन होछे पूजे ॥ हानु चलें प्रपंच्या ॥ दीपक ले हूबे
जीयो ॥ यैनां ॥ हे अजस ॥ ॥ पो ॥ हम पतियाने नग के ॥ ॥ देअ
अपने नैना ॥ अे ब्लेड़ म दस दस्त्र के कर मास्यो सैना ॥
रो ॥ न्थे छप जे न के जान लुं ॥ ल्यो गीलोलकी योटा ॥ अेम
छूटे कोटी लगे ॥ ॥ तलीत बाकी चोटा ॥ ॥ प्रथम आय
[illegible]
छी दबिछिद कीये द ॥ पा ॥ जड पंछी ल ड ॥ ॥ गीरां समा
नहीं सोच्या ॥ हाथी घोडा ऊंट सबा ॥ अघदल घासे सोयपे
पे ॥ के हरी अेक महाबली ॥ उन मारे राजकोटा ॥ हूं नित्री
जे तकथौल गो ॥ जल तील बाकी चोटपीरणा में हार ॥ अ
पनो घरमा ॥ रही नरुछ कहतुला राज पार उीनकुं दयो ॥ छे
हलमाछे छेह पूता ॥ ॥ ॥ ल्यो पाछो ॥ ॥ मेरो
राज्य ओरकी आछो ॥ अेह ॥ तलइ अेह लमाछो ॥ कन्या ज्या
हउीपर करे हउी ॥ जगमें जस संपूरन लेउी ॥ रो ॥ ज हीने
फुला अेने ॥ ग्यो ॥ तपठाये तजही जेगी ॥ दैरा दैरोंई नृप
ती फुलायो ॥ ओरसामन सब जेग करायो ॥ ओ ॥ जन कछु
सामग्री ज्यसहरी ले ॥ छो ॥ अंन इठार लरो सजइ ॥ छो ॥ अइ
लडारहूं ॥ ॥ अहो ॥ मेरे जसकोइ कुलासा या ॥ ॥ जी

भेंगीभाथ

॥दोहा॥ ॥याही सन्ल्ठे ज्याहकी॥ रमाछेतु॥
मझभा॥सो॥ भपेहु लेके हेतते॥ दीनदस ऑगे सभा॥
येथा ॥चोपाठी॥ ॥आछे मंडपनु लभनाये
॥नंभुपत्र घंसपरछायाबर न्या ॥ २ बिद्याबेगा गुरु
डनीशनधन ॥सगानाद्दा॥ लदहामभ स नाछोा
भाभे लरजनु रनाघोा॥कांज दकुलालनु आगीनानो॥
भाल यंत्र नादरसरानाारी॥गनगंर्ग लपेछरा भ
लंगीा॥ संगीतकुला शेडरस संगीा॥गाय गेगीत नृत्य सु
एनाएेाप नु छेअरलारर राष्याा॥ीचानेकीर फुलह
नाकुलहाा भाएमेदरसनु नहा॥ उेडहा सुल्व सूरली
दुम्पमरा॥ आन नलहनभारहा लमरा॥ ॥
दोहा॥ ॥ फुलहादु दियेनाया॥भाोहीसुरलद
मोत्तापरभरज्याहानेय ॥म्बीलयत्तनु रछीयामा॥
॥भरसलतु लानी दे ॥ पंथनु लानीगहा॥ भानलूलानु
स्पीरनही॥ प्रगटथाङामसनहा॥ ॥ आरलीसेभाछे
त्रीया॥ कुहत नु हागनसोया॥ लीलक्ष्लगावनड्ढसो॥
व्योहपिनहोया॥ गिल रगारीगावली॥ मधु देभेल
ठेमोना॥ मगा धुरमनमे रही॥ हेनीयारी डेना॥ गो हाम
रुपअभतारमधुा॥ हुंहालौंकेला॥ जभयहज्यापेलूतहो
याभपरीत्रीय नु भर ॥ गोअठोतरसलज्याधिमा॥ मन
मयाज्ञ्यथाभनलायाॐ भैहुफ डेरानिनेताही सहलपं
॥पो॥ फुल॥ स्वर्‌उपअनंगे॥ भेलनभरने होया॥ दछुभेडफु
सहनडीदु गोचितदेसुनिचेसाया॥ पा॥ देउीपालडीभदाचंडी
॥भोअर परहालाहो॥ सुंदर पाभेसाल्ह गा॥ गोउी हुलहनि

तामांहि गौ। [illegible]
जन नृप नहीं सकुं। अर नुकसा जियाराणी। [illegible] देखे मु
नि तपरो। दृढ आसन भय हया। देख जिमान नयली सकु-
पणै यी रहें रजिरथा। [illegible] जाने फिर जनरमो। धाये तमासे
सोया। न्यो तहार नृप देसहुं। देजन आये सो यीर [illegible] देस
देसहुं नृप सजै। अोर नगर के लोकु। निरखि नैन मुरछे सजै
प सुखमें जा द्यो सो डा।। रोणी पीपर जा रहीं। रोणी से कुत
जंगा। रोणी उीम्यकु घर लेम्य लें। रो जल जिलजन नगारो
जिन जन जत सोगी रो। अोर कुते नृप सोया लोछे परे मी
स जगी रो। निराजत रह्यो नडुया। गो त्रीयाहु ति सो दी गगि
री। लछे नम्ये सी कु जा। जपरे पुरसन कुहु लयो। भये डी मरी
हुं सजा।६।

रान जायकु·

रायेहु जात सृजन सुनि। सो मैं लयो नृप यंदा। लोडु वमा-
सेडु मुखो। फिरके लयो कछु दूंदा।७।

रानि जायकु·

रान रोणी मारे नांमुखो। फगन समान्नो रूपा। मुर छागत सजगु
लछे। पेरे जिरहु कुरूपा। दाल जपरे म्यजंधी हुती। नरहुं नयी
ने नैना। जिन परदे ही पाल जी। सोजल नगायो मैना।८।
नन समुहु जाने मिले। छे हां नहीं डछु डरा। अेहु देखे सज अा-
तडुा। यहु देखे दोणि नारा। दीन दस मधु ना हीन मी लेप नये
जमा हुडे धंदा यालेतन मैं नंगडु। फगन डुराजत डूदा। ९।
डाल सप जाये सजो। लहुर लहु रडी हेता। घरी म्यार मुरछ-
रही। पाछे लये सचेत। १०।

जागे जम्या .डो मैलंग·

ताव्योपाठो।   ।।= रसप्येलतलये सजआयोपालजी
परता जेग मंगायो।। बालजनमनत महलमें आयो।। मालती
परीत देख सुख पायो।।११।।न्योतह्रानृपगये छिलनो।।
नगर लोक्र सीगर सुजम जेंगाजनमयाह्र नगतकु होठे।।
लूजे प्यासे रहेन कोछो।। दीदा।।गरी होए कु सगु सीजाये।।
जर कुंन्या जेकुठोर मिला।। पानी ग्रहन जेह बिधि कीनो।।
जोह्रोतिह दान जिम्रं दीनो।। बान्यपरी चौरीस कुलस न्यह्न-
यो।। कुलि हुला फुल ह्रन ला हं आयो।।जोह्र पकड्ड कुपागिनी
रकुल क्रम विधि हलीसो कीनी।।गोंसी रसन आसन कोस्यो
यो।। आदर करी आपे बैठायो।।बेतमालती देणी छानो।।न
यह आपम धु मध्य जिरानो।।पा।।   ।।दोहरा।।   ।।
छेतही बेन जितमालती।। जिम्प मंड आनंदकुदाये कहीठा-
र मिले मनुं।।गुर लृगुसूत जिम्प यंदा।।।। लको रूपकुछले
परवयट न्यापिकु हे या।।लाकु जीप मा- नकी।। कहे कुजे सर-
सोयाणी

रानजाय

।।न्रपलपंह कुरजेरह।। अति आधिनता गयो।। एकुजय
न कहा कहायीतरे सुनियो सोया जाणुन्त लाछे जंपुरोणि
।।कुटंज सगो नहीं जोरा।। कीहसीरयीं लारयहाने राजे-
मोह्र ठेरा।।पी मनसावान्या भनो।।।।यामें नही जिजेकु।।
न्हे कुलमें कोणि नही।। पुत्र नमाए छे जेहा।। रिएगा राजपारले
रो सजे।। यह देउ कुंन्या दससा मोकुं आग्या होयतो।।मकुंजी
गोकुलजासो।।१।।

म र जायकु

छेह्गो। ल छेह् ।रकु।।छहलिहारो राज्या।।हमकुंजय-

सुण जिन सेहो ओरन हुवे शरणारा ॥

॥ रंग कामदेव ॥

॥ हम लोगी रस लमर हे ॥ कुं कहां ल्यो अंगो ॥ महादेव थे
धो ठीयो ॥ न जते द्यो अनंग ॥ नेरगा ॥ जेठ देहे तीन ल
ना ॥ आये ई मधु सारा ॥ आये लनडी देणी त्रीया ॥ नैतमा-
लती न्यारा ॥ रेरे ॥ यह पाडर यह सेवती ॥ कूनी कुं लमर-
जिसे ठा ॥ प्रीत पुरातन अजतेरा ॥ तीन न्नत लन जेठा ॥ प
॥ सलील त्रिवेणी न्नय ठला ॥ त्रियली पत्र पलासा ॥ नै
तमाल मधुमालती ॥ जेठ ज्यत्रीं घट नीयासा ॥ १ ॥

॥ रागनायक ॥

नैतमाल मधुमालती ॥ जेठ प्रान लन तीन ॥ मैनी के-
न्नी अबै ॥ कोण अंतर नहीं लीना ॥ ४ ॥ तेरे जलको
अंत नहीं ॥ कहुं कहां लो भूला ॥ लारं लमर गीलोल क-
रो ॥ कूनी केसरी त्रीशूला ॥ गीरिन्न गीरी जानी कही-
॥ अज दही सरग पुकारा ॥ मोकुं पेलन लर्छे नहीं ॥ पाछे स
न पे पारा ॥ ५ ॥ अज अपराध क्षिमा करो ॥ यामेनी मनुह
री ॥ रान पार मेरी सरमा ॥ नु महीं कर तारा ॥ रेठगा ॥

॥ म॰ नायक ॥

॥ रान पाट कहा कहत हो ॥ अजन कहो रही मौन पलरी कु
होछे सो छे करो ॥ कहे सुनेड़ी कोंना ॥ रेठी ॥ २ पूछ बो घरलो
गयो ॥ हम सेवा ई काना ॥ पाछे होछे सो होछे हो ॥ सो छे क
रही राना ॥ रेठरा ॥

॥ रंग कामनी यासको ॥

॥ रागनायक ॥

॥ जा सं कामों मन जरे ॥ नसमके कहो अेठंता ॥ सहेह सज

जग पेखीओ लग ज्यापकु की हं [illegible]
म ज्ञामिस थिर ।। कुसल सालन लामे ।। मो । यह अप
रीजो ।। रहत कहो केहा ठमा ।।७।।

गह आयइ ।

।। लहीनथे मेयमी रक्षी ।। ज्यवलंतकरा ल मो ।। तुजलम
हे हं पेकु नरो ।। [illegible] लितर । मो ।। १ ।। पी ।। [illegible] मे ल
ग तसघो लगही पीतपती ता ।। [illegible] जोने ले थावें ।। ।।
मान समीप ।। हामा ।। २ ।।

बालजाय ।

।। मानकुहा मनमथकुहा ।। ज्यारे जेकु जेहा ।। ची ग
यसा समझहा मुंदकु कुछु ओरा ।। ३ ।।

मह जाय ।

।। गोरस में नवनीत ज्यों ।। काष्ट मां ।। ज्यों जागा ।। ह
ह मथिन ले [illegible]

बालजायइ ।

।। गो [illegible] रस अगामधि ।। [illegible] मथन कुनी होया ।। हम
हेन लजह [illegible] ।। ४ ।।

मधुजाय ।

।। योगेश्वर मोजत [illegible] जह [illegible] ओरा ।। मन
वाकाया ड्रम ना ।। तीनो र । न होरा ।। [illegible] पदें नीह
करी ।। लेसाधि ह न या ।। घरी जेइ सुके नहीं ।। लहे काम
कुंया ।। ।। ।। ।। [illegible] गृह कुया नी साधं जेह योग ।।
ज्ञानि लि जनि ।। जलस ।। पिकरें । योग हो लोगा ।। ५ ।।

बाल जाय ।

।। योपाडो ।। ।। मानेश्वर नाम जाम जनाया ।। जेलो

लेह सब सुन पायाो लेती च ए रबे तन रहयो लेप
नहीं जन्यारा रहयोउसा लने न ही [illegible] ऐसो सब-
हो संग सबमें जिसरसा [illegible] समझ रु [illegible] मोही आ-
गेोतेमोमनहं संग लागोोयेो

गुणाय

[illegible] सरिसउद्यात सबहीं लेनो छे हो लसल सहस्त्र ल-
ही आनेंोसब [illegible] मे प्रतिबिंब प्रशसेंा योंप्र लेतपै
[illegible]
नहींमिंघाोलान छपैंपै सब जगव्यापीा अस्पे निरंजन
[illegible] आपेंा [illegible] हमेंहं ध्यामअंस अबतारीोअे [illegible]
[illegible] सून [illegible]
[illegible] न समझू सब [illegible] कानेोरिछयो

[illegible]

ोहोहा ोध्यायथिनेगमकुल [illegible] लअलिक
माीतनम न्पतुरलुन लासहोो कुथा प्र [illegible] सी तमोर [illegible]
अस्पे [illegible] धो अनादहोो ध्याम प्रबंध प्र [illegible] सा कु [illegible] कुरु
रन्नेरहेंा दुहे न्पतुर [illegible] नहासाोऐ [illegible] प्रबंध प्रकासहोोम
धुमालती जीलासो प्र [illegible] मनकु लीला यहोा कुरुत न्पत
रलून घरसाी रेपको जलतपत्तो मेंअंग [illegible] ला रसने छेषुर
[illegible] लोा कुयो मध्य म [illegible] लत मध्य ज रसी
सतामध्य पंनगसनाोसोंधेंमोघनसारोा कुथा मध्य मधु
मालतीोआ [illegible] षनमो हारोा र [illegible] ोग्याप [illegible] ो
राजनीत कीयामें साजीोपंथ्याज्यांन अह जुहु लाजीो
ग्याएायरु ग्यालुरी कलाजोचो [illegible] री सबनी आछे ोउ
रहूनिजसं रागरसगायोोयनी [illegible] ध्याम कंजायो

तातारीय . सीता जिसतारांरसा. होय सजन सुजरा
रांरी लख्यातजलाद अजगैहै।। दलीप्र गर्दरां रस
ये है।।च्यानुरां पुरज होय हूं लहीं।।अ रसतुलालु रानजेस।
गी।।पा।। हे रहे कुजरह गयो।।मधु लगरणअ जसमधुग।।
यो।।पुत्रकलत्रसजेंसुजपायो।। अघरीरनरे नहींत्रायो।।
१२६।।

श्लोक.

।।कामार्थिलभ्यतेंकामं।।निर्धनोधनमा ुयात्।।
।।अपुत्रोलभ्यतेपूत्रं।।व्याधित नपिडचे ते।।१२५७

।।दोहा।। सदाजपदे तोराजनांता।। मंत्री पदेतो सुदु।।
रांमां ।। जिलासर लोकानी ज्ञानहां सु ाणी।। संपूरनम
धुमालत।।।। लरस लयो संपुरा। वक्ता श्रोता र जनसुं।।
प्रहाता दुःख दुराणी।। पढजो गुनजो ग्यार रां।। लिनो जातां
सेहेसा श्रमह न म र तरा लो जगत र पदुत सुरहेला।।
१२६०।। । । ।। ।। । ।। ।। ।।

।। इतिश्री कायथ पलुर्लबधसरू नम मालतीना

समाप्त.

वारता.
मधु मालतीनी.
संपूर्ण.
(समाप्त)


ईतिश्री·
मधु मालतीनी·
वारता·
समाप्त·